निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, रविवार 12 जुलाई 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 56 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित



दिल्ली में घूटने की सर्जरी के बाद राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ नेता सरफ़राज़ अहमद से मिलकर उनका हाल-चाल जानते सीएम हेमंत सोरेन

संक्षिप्त समाचार

ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। देवघर पुलिस ने जिले को नशामुक्त बनाने के अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। मोहनपुर थाना क्षेत्र से दो ब्राउन शुगर तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से करीब 80 हजार रुपए का ब्राउन शुगर जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सूरज चौधरी उर्फ सोनू और मनीष कुमार उर्फ सन्नी के रूप में हुई है। सूरज चौधरी बुढ़वाकुरा, मोहनपुर का निवासी है जबकि मनीष कुमार सिंहरायडीह, मोहनपुर, देवघर का रहने वाला है।

जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को कुचला

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र की खरना पंचायत अंतर्गत बारा गांव में बीती रात जंगली हाथियों के झुंड के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान भुनेश्वर महतो के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार भुनेश्वर महतो रात के समय गांव के पास थे तभी हाथियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान हाथियों ने उन्हें पैरों तले कुचल दिया जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद से आसपास के इलाके में भय का माहौल है।

कोडरमा स्टेशन पर ट्रेन से गिरा यात्री

कोडरमा (नबिटा ब्यूरो)। धनबाद-गया रेलखंड के कोडरमा स्टेशन पर शनिवार को आरपीएफ की तत्परता से एक व्यक्ति की जान बच गई। ट्रेन से उतरते समय संतुलन बिगड़ने के कारण वह ट्रेन के नीचे गिर गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति की पहचान जयनगर थाना क्षेत्र के खेसकरी गांव निवासी 50 वर्षीय मुस्ताक खान के रूप में हुई है।

युवती ने कोयल नदी पुल से लगाई छलांग

मेदिनीनगर (नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के समीप स्थित कोयल नदी पुल से शनिवार को एक युवती ने नदी में छलांग लगा दी। घटना के बाद वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से युवती को नदी से बाहर निकालकर तत्काल एमएमसीएच में भर्ती कराया गया। युवती की पहचान चैनपुर थाना क्षेत्र के कंकारी गांव निवासी शहनाज खातून के रूप में हुई है।

गैंगस्टर प्रिंस खान के गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। चतरा पुलिस ने संगठित अपराध और रंगदारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। दुबई से सक्रिय भगोड़े गैंगस्टर प्रिंस खान के गिरोह के दो मुख्य सहयोगियों को बिहार के भोजपुर जिले से गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी एक पत्थर व्यवसायी और लोजपा (आर) नेता से दो करोड़ रुपए की फिरौती मांगने के मामले में हुई है। टीम ने बिहार के भोजपुर में सघन छापेमारी कर मोहम्मद अस्फाक आलम और सद्दाब अंसारी को गिरफ्तार किया है।

झारखंड में होगी बड़े पैमाने पर नियुक्तियां

सीएम हेमंत सोरेन के निर्देश पर हरकत में आया कई विभाग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



रांची। राज्य में आनेवाले समय में सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों को भरा जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर सभी विभागों के खाली पड़े पदों को भरने की तैयारी शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कुल 3, 51,968 नियमित पद स्वीकृत हैं इनमें से केवल 1,87,610 पदों पर ही कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं जबकि शेष पद खाली पड़े हैं। इन खाली पदों में सबसे ज्यादा शिक्षा, स्वास्थ्य और गृह विभाग में पद खाली हैं। ऐसे में सरकार ने जेपीएससी और जेएसएससी को पूर्व से विज्ञापित पदों की परीक्षा जल्द लेकर चयन प्रक्रिया पूरी करने को कहा है। इसके अलावा विभिन्न विभागों से प्राप्त रिक्तियों के आधार पर अधियाचना भेजी जाएगी। जिन पदों पर नियुक्ति आने वाले समय में की जाएगी उसमें सरकारी स्कूलों में सहायक शिक्षक, स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सक से लेकर मेडिकल स्टाफ, पुल-पुलिया निर्माण के लिए अभियंता से लेकर कर्मचारी शामिल हैं। यदि सबकुछ ठीक रहा तो स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर करीब 25 हजार नई नियुक्तियां की जाएंगी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि राज्य गठन के बाद पहली बार जिस सरकार ने मानव संसाधन की कमी को भरने पर फोकस किया है वो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार है, जो सरकारी विभागों की रिक्तियां को भरने की दिशा में तीव्रता से काम कर रही है। वर्तमान कार्यकाल में करीब 40,000 से अधिक नियुक्तियां की गई हैं। मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि अभी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का निर्देश प्राप्त हुआ है कि सरकार के विभिन्न विभागों में स्वीकृत पदों की तुलना में जो भी रिक्तियां हैं उसे तीव्रता से भरी जाए। चाहे वह स्वास्थ्य विभाग हो या शिक्षा विभाग या गृह विभाग या पुल-पुलिया के निर्माण कार्य के लिए अभियंता की कमी। तमाम खाली पदों को भरने की दिशा में उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जेपीएससी और जेएसएससी को भी यह निर्देश दिया गया है कि जो भी अधियाचना भेजी गई है उसपर जल्द से जल्द चयन प्रक्रिया पूरी की जाए। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा है कि स्वीकृत पदों को अधिक से अधिक भरा जाए ताकि राज्य के युवाओं को सरकारी नौकरी पाने का अवसर मिल सके।

सूबे में आतंकियों के स्लीपर सेल की तलाश, 61 संदिग्धों की पहचान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। आंतकी स्लिपर सेल भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है। लगातार सुरक्षा एजेंसियां संदिग्धों की पहचान कर कार्रवाई में जुटी हुई हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों से लगातार किसी ना किसी संदिग्ध के पकड़े जाने की खबरें आती हैं। झारखंड भी इससे अछूता नहीं है। झारखंड एक ऐसा राज्य है जो अक्सर संदिग्ध आतंकी गतिविधियों को लेकर चर्चा में रहता है। पटना के गांधी मैदान में रैली के दौरान विस्फोट हो या फिर आरएसएस कार्यालय पर हमला मामला, झारखंड हमेशा से आतंकियों के स्लीपर सेल के लिए आश्रय स्थल के रूप में चर्चित रहा है। विदेश मंत्रालय ने सभी सक्रिय संदिग्धों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया है। इसके बाद अब झारखंड में भी सक्रिय संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी गई है। झारखंड के 6 जिलों में सक्रिय आतंकी नेटवर्क से जुड़े संदिग्धों की तलाश तेज हो गई है। इस कड़ी में 61 संदिग्ध चिन्हित भी कर लिए गए हैं। झारखंड एटीएस के पास बकायदा उनकी पूरी डिटेल तक पहुंच चुकी है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के निर्देशों के बाद झारखंड एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड ने राज्यभर में कड़ी निगरानी शुरू की है। अब तक के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, राज्य में आइएसआइएस और अलकायदा से जुड़े कुल 61 संदिग्ध हैं। इनमें 12 लोगों का संबंध आइएसआइएस से जबकि 49 लोगों का संबंध अलकायदा से बताया गया है। विदेश मंत्रालय के पत्र के आलोक में एटीएस ने इस संबंध में कुछ महीने पहले ही पुलिस मुख्यालय को पत्र भेजकर अपनी प्लानिंग तैयार की थी। इसके साथ ही राज्य के सभी 24 जिलों के पुलिस अधीक्षकों को भी निर्देश जारी किए गए हैं कि इन संदिग्धों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाए और आवश्यक सूचनाएं एटीएस के साथ साझा की जाएं।

नीरज हाजरा हत्याकांड का खुलासा, आरोपित गिरफ्तार

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के जमुआ थाना क्षेत्र स्थित भीखोडीह गांव निवासी नीरज हाजरा हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। नीरज के होने वाले साढ़ू सुभाष पासवान ने ही शादी के दो दिनों पहले उसकी हत्या कर दी थी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। खोरीमहुआ एसडीपीओ अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि सुभाष पासवान का अपनी साली और नीरज की होने वाली पत्नी से करीब ढाई साल से लव अफ़ेयर चल रहा था। शादी होने के बाद उनके संबंध में बाधा बनने की आशंका के कारण नीरज की हत्या की साजिश रची गई। नीरज हाजरा की लाश सात जुलाई को बिहार के जमुई में मिला था। इसी दिन नीरज की शादी होने वाली थी। पोस्टमॉर्टम के बाद 10 जुलाई को शव गांव पहुंचा तो पूरे गांव में मातम छा गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार को चित्तरडीह-जमुआ मुख्य मार्ग जाम कर दिया जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। प्रदर्शनकारियों ने हत्या की निष्पक्ष जांच, दोषियों की गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की। वहीं घटना की सूचना मिलते ही जमुआ पुलिस इंस्पेक्टर प्रदीप दास पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता की।

दीवार काटकर जेवर दुकान में सेंधमारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिले में चोरों ने एक बार फिर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए ज्वेलरी दुकान में बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। बदमाशों ने मुख्य दरवाजे से प्रवेश करने के बजाय पड़ोस की दुकान का रास्ता चुना। दीवार काटकर ज्वेलरी शॉप में दाखिल हुए और लगभग ढाई से तीन लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। इतना ही नहीं अपने पीछे कोई डिजिटल सबूत न छूटे इसके लिए दुकान में लगा सीसीटीवी डीवीआर भी साथ ले गए। घटना के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। सदर थाना क्षेत्र के पॉलिटेक्निक रोड स्थित मधुलक्खी ज्वेलर्स में शनिवार देर रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। दुकान के संचालक तेतुलमारी निवासी नीलकंठ वर्मा पिछले करीब दो दशक से आभूषण का कारोबार कर रहे हैं। सुबह जब दुकान खोली गई तो अंदर का नजारा देखकर सभी हैरान रह गए। दुकान मालिक के अनुसार चोर पहले बगल में स्थित कारपेंटर की दुकान में घुसा था। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और आसपास लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरी में शामिल अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल इस वारदात के बाद इलाके के व्यापारियों में दहशत का माहौल है और बाजार क्षेत्र में रात्रि गश्ती बढ़ाने की मांग की है। वहीं मामले को लेकर धनबाद थाना प्रभारी मनोज पांडेय ने कहा कि पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

अपराधियों को जीने का हक नहीं : संजय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गोड्डा। जिले में पिछले दिन बंगाल ज्वेलर्स में देर शाम को तीन नकाबपोश अपराधियों ने शहर के बीचोबीच फायरिंग के साथ लूट की घटना को अंजाम दिया था। साथ ही हथियार लहराते हुए फरार हो गए थे। इस घटना के बाद व्यवसायी नाराज हैं और बाजार बंदी का भी आह्वान कर चुके हैं। घटना के दो दिन बाद मंत्री संजय यादव ने पीड़ित व्यवसायियों से मुलाकात की और उन्होंने उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान मंत्री संजय यादव ने कहा कि 25 साल बाद गोड्डा में फिर से अपराधी फन फैला रहे हैं और लगातार घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। इसी कड़ी में गोड्डा शहर में लूट व फायरिंग की वारदात हुई। ऐसे में अब लूट के सामान की बरामदगी ही नहीं होगी बल्कि अपराधियों का हिसाब भी होगा, उन्हें जीने का कोई हक नहीं है। उन्होंने कहा कि वे व्यवसायियों के साथ हैं। जब उनसे पत्रकारों ने सवाल किया कि घटना के 24 घंटे बीत गए कोई सफलता पुलिस को हाथ नहीं लगी है, तो मंत्री ने कहा, अगला 24 घंटा इंतजार कीजिए, उनकी एसपी से बात हुई है, तेजी से काम हो रहा है। इस दौरान मंत्री से सवाल पूछा गया कि क्यां झारखंड सरकार भी अब योगी मॉडल पर काम करेगी? इस पर मंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से, योगी मॉडल क्या है, उससे भी बड़ा मॉडल है, आपने कई घटनाएं देखी हैं। झारखंड सरकार ने कई चुनौतियों का सामना किया है। अगर प्रशासन का हम सहयोग करेंगे तो प्रशासन भी निश्चित रूप से मुस्तैदी से काम करेगा।

डॉक्टर की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत

दुमका (नबिटा ब्यूरो)। जिले के मसानजोर स्थित झारखंड सरकार के सिंचाई विभाग के निरीक्षण भवन में ठहरे एक चिकित्सक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शनिवार सुबह उनका शव कमरे के बेड पर मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही मसानजोर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय चिकित्सक से जांच कराकर मौत की पुष्टि करायी। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेज दिया। मृतक की पहचान 48 वर्षीय डॉ. शशि दिनकर मिंज के रूप में हुई है। पुलिस ने तत्काल परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉ. शशि दिनकर मिंज रांची के बरियातू के रहने वाले थे। वह वर्तमान में हजारीबाग सदर अस्पताल में पदस्थापित थे। उनकी पत्नी भी चिकित्सक हैं। पत्नी जमशेदपुर में कार्यरत हैं।

गढ़वा से जुड़ेगा छत्तीसगढ़, रेलवे ने नौ हजार करोड़ के प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



गढ़वा। रेल मंत्रालय ने झारखंड के गढ़वा जिले से छत्तीसगढ़ के बलरामपुर तक 261 किलोमीटर लंबी नई रेलवे लाइन बिछाने को मंजूरी दे दी है। इस पर गजट अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। इस परियोजना से झारखंड और छत्तीसगढ़ रेलवे नेटवर्क से जुड़ जाएंगे तथा दोनों राज्यों के बीच यातायात सुगम हो जाएगा। रामानुजगंज से दो रेलवे लाइनें निकल रही हैं। पहली लाइन बढ़गढ़, भंडरिया होकर बरवाडीह जाएगी। दूसरी लाइन गढ़वा से रंका, फिर रंका से गोदरमाना होते हुए छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज में जंक्शन बनेगी। इसके बाद बलरामपुर जिले से मेन लाइन अंबिकापुर में जाकर इस रेलवे लाइन से जुड़ जाएगी। रेलवे की इस बड़ी योजना की घोषणा से स्थानीय लोगों में उत्साह और खुशी है। यह परियोजना क्षेत्र के विकास को नई गति देने वाली मानी जा रही है। इससे जहां एक ओर खुशी है वहीं गढ़वा जिले के भंडरिया और बढ़गढ़ प्रखंडों की लगभग 70 हजार आबादी मायूस है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ब्रिटिश काल में 1930-40 के दशक में बरवाडीह-चिरमिरी रेल लाइन का काम अंतिम चरण में था। भंडरिया और बढ़गढ़ क्षेत्र में कई जगह रेलवे स्टेशन, पुल-पुलिया तैयार हो चुकी थीं और रेल लाइन बिछाने का काम चल रहा था। 1947 में देश के आजाद होने के बाद यह योजना अधर में लटक गई और आज तक पूरी नहीं हो सकी। पुरानी योजना लातेहार के बरवाडीह से होकर पलामू, गढ़वा के बढ़गढ़, भंडरिया होते हुए छत्तीसगढ़ के चिरमिरी तक जाने की थी। इस दौरान कई लोगों की जमीन अधिग्रहित भी की गई थी। वर्तमान में झारखंड और छत्तीसगढ़ के बीच केवल सड़क मार्ग से जुड़ाव है। गढ़वा से छत्तीसगढ़ जाने वाले हजारों यात्री प्रतिदिन अधिक किराया देकर यात्रा करते हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि नई रेलवे परियोजना बने लेकिन इसमें भंडरिया और बढ़गढ़ को भी शामिल किया जाए, अन्यथा क्षेत्र आगे भी पिछड़ा रह जाएगा। पलामू सांसद बीडी राम ने कहा कि रामानुजगंज से दो लाइनें निकल रही हैं। एक रंका होकर गढ़वा जंक्शन में मिलेगी जबकि दूसरी भंडरिया, बढ़गढ़ होकर बरवाडीह तक जाएगी। बढ़गढ़ और भंडरिया के लोगों की मांग है कि पुरानी अधूरी लाइन को ही जोड़ा जाए क्योंकि नई परियोजना में दूरी अधिक है। उन्होंने बताया कि पुरानी लाइन पर ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी, जबकि नई लाइन पर ट्रेन की स्पीड ज्यादा होगी। सांसद ने कहा कि स्थानीय लोगों की मांग को रेलवे मंत्री के समक्ष रखा जाएगा। यदि इसमें कोई छोटी रेलवे लाइन जोड़ दी गई तो लोगों की मांग पूरी हो सकेगी।



श्रावणी मेला 2026 : सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी पूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



रांची। श्रावणी मेला-2026 को लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी पूरी कर ली है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार 25 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक देवघर जिला में राज्य के विभिन्न जिलों, इकाइयों और प्रशिक्षण संस्थानों से पुलिस पदाधिकारियों, जवानों एवं प्रशिक्षुओं की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। श्रावणी मेले में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए इस बार सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, मंदिर परिसर की सुरक्षा, संवेदनशील स्थलों पर निगरानी और आपात स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। पुलिस मुख्यालय ने स्पष्ट किया है कि पूरे मेले के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी प्रतिनियुक्त कर्मियों को पूरी सतर्कता और अनुशासन के साथ ड्यूटी करनी होगी। पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस अधीक्षकों, बटालियन कमांडेंट और प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों को निर्देश दिया है कि प्रतिनियुक्त पुलिस बल को 25 जुलाई से पहले देवघर पहुंचाना सुनिश्चित करें। साथ ही 20 जुलाई तक सभी प्रतिनियुक्त कर्मियों की नामावली, मोबाइल नंबर और अन्य विवरण देवघर पुलिस को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। वहीं विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में शुरू होने वाले श्रावणी मेले की तैयारियों को लेकर देवघर पुलिस पूरी तरह सक्रिय हो गई है। मेला के दौरान लाखों कांवरियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर लगातार तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। देवघर एसपी प्रवीण पुष्कर ने पुलिस अधिकारियों के साथ विभिन्न मार्गों का निरीक्षण कर कांवरियों के आवागमन, वाहन संचालन और भीड़ प्रबंधन को लेकर रूट लाइन का भी जायजा लिया। इस दौरान संवेदनशील स्थलों, प्रमुख चौराहों, पार्किंग स्थलों और मंदिर परिसर तक जाने वाले रास्तों की विशेष रूप से समीक्षा की गई। देवघर एसपी के अनुसार श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पैदल कांवरियों और वाहनों के लिए अलग-अलग रूट तय किए हैं ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। भीड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल, दंडाधिकारी, क्यूआरटी और ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की जाएगी। वहीं सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और कंट्रोल रूम के माध्यम से पूरे मेले की निगरानी की जाएगी।



केंद्रीय विद्यालय, नवादा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नामांकन प्रक्रिया 13 जुलाई से प्रारंभ

डॉ पंकज कुमार सिन्हा

नवादा। जिले के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना है। नव स्थापित केंद्रीय विद्यालय, नवादा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा एक से पांच तक नामांकन हेतु ऑफलाइन पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, गया के प्राचार्य श्री अशोक कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय विद्यालय, नवादा के लिए कक्षा I, II, III, IV एवं V (प्रत्येक में एक-एक सेक्शन) में प्रवेश हेतु ऑफलाइन पंजीकरण 13 जुलाई 2026 (सोमवार) से 27 जुलाई 2026 (सोमवार) तक प्रत्येक कार्यदिवस में प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभिभावक निर्धारित अवधि में विद्यालय कार्यालय से पंजीकरण प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं तथा पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन-पत्र को सभी आवश्यक प्रमाण-पत्रों एवं दस्तावेजों के साथ विद्यालय में जमा कर सकते हैं। पंजीकरण प्रपत्र पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, गया की वेबसाइट से भी प्राप्त किया जा सकता है। नामांकन हेतु आयु सीमा 31 मार्च 2026 को आधार मानकर निर्धारित की गई है। इसके अनुसार कक्षा-I के लिए न्यूनतम आयु 6 वर्ष तथा अधिकतम आयु 8 वर्ष से कम, कक्षा-II के लिए 7 से 9 वर्ष से कम, कक्षा-III के लिए 8 से 10 वर्ष से कम, कक्षा-IV के लिए 9 से 11 वर्ष से कम तथा कक्षा-V के लिए 10 से 12 वर्ष से कम निर्धारित की गई है। प्राचार्य ने बताया कि सीटों का आरक्षण केंद्रीय विद्यालय संगठन के प्रवेश दिशानिर्देश 2026-27 के अनुरूप किया जाएगा। प्रवेश संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश केंद्रीय विद्यालय संगठन की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि आवेदन-पत्र पूरी सावधानी से भरें। यदि आवेदन में कोई गलत अथवा भ्रामक जानकारी पाई जाती है तो प्रवेश प्रक्रिया के किसी भी चरण में आवेदन अथवा प्रवेश निरस्त किया जा सकता है। साथ ही, केवल पंजीकरण फॉर्म जमा कर देने मात्र से प्रवेश का अधिकार प्राप्त नहीं होगा। प्रवेश केंद्रीय विद्यालय संगठन के निर्धारित नियमों एवं उपलब्ध सीटों के अनुसार ही किया जाएगा। प्राचार्य ने यह भी कहा कि अभिभावक केवल प्राचार्य अथवा प्रवेश प्रभारी द्वारा निर्धारित समय पर बुलाए जाने पर ही विद्यालय आएं, ताकि प्रवेश प्रक्रिया सुव्यवस्थित एवं सुचारु रूप से संपन्न कराई जा सके। आवेदन के साथ पूर्ण रूप से भरा हुआ पंजीकरण प्रपत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत जन्म प्रमाण-पत्र, सेवा प्रमाण-पत्र (केंद्र/राज्य सरकार के कर्मचारियों हेतु), सत्यापित नवीनतम वेतन पर्ची, स्थानांतरण प्रमाण-पत्र एवं विगत सात वर्षों में स्थानांतरण का विवरण (जहाँ लागू हो), एससी/एसटी/ओबीसी (एनसीएल)/ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, बच्चे का आधार कार्ड अथवा आधार नामांकन पर्ची, पासपोर्ट आकार का नवीनतम फोटो, रक्त समूह का विवरण तथा दिव्यांग बच्चों के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र संलग्न करना आवश्यक होगा।

अंग्रेजी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

कतरीसराय। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद कतरीसराय थाना से महज 300 मीटर की दूरी पर अवैध शराब का कारोबार चल रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने जवाहर चक टोला में छापेमारी कर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद करते हुए एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया।थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि जवाहर चक टोला निवासी दशरथ यादव के घर में अवैध रूप से शराब का भंडारण किया गया है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने घर की तलाशी ली। इस दौरान एक कमरे से 500 एमएल क्षमता वाली 48 कैन बीयर और 375 एमएल की सात बोतल रॉयल स्टैग डीलक्स व्हिस्की बरामद हुई। कुल 55 बोतलों में 26.625 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की गई।पुलिस ने मौके से दशरथ यादव पुत्र रमन यादव, निवासी जवाहर चक टोला, को गिरफ्तार कर लिया।घटना को लेकर स्थानीय लोगों में चर्चा है कि थाना से कुछ ही दूरी पर शराब का अवैध कारोबार संचालित होना कई सवाल खड़े करता है। हालांकि पुलिस का कहना है कि सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई कर शराब बरामद करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

द हार्ट ऑफ ए जैन अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव में नालंदा विश्वविद्यालय की सहभागिता

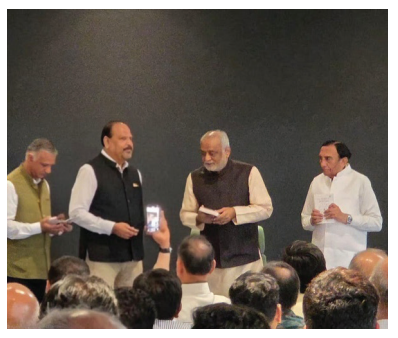
कुलपति ने जैन अध्ययन केंद्र की परिकल्पना रखी

हैदराबाद के कान्हा शांति वनम् में हार्टफुलनेस अध्यक्ष पूज्य दाजी से की मुलाकात

भारतीय ज्ञान परंपरा, सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण पर सहयोग बढ़ाने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजगीर। नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने हैदराबाद स्थित कान्हा शांति वनम् में आयोजित द हार्ट ऑफ ए जैनश् अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव में भाग लेकर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इस अवसर पर उन्होंने हार्टफुलनेस के अध्यक्ष एवं विश्वप्रसिद्ध आध्यात्मिक मार्गदर्शक पूज्य दाजी (श्री कमलेश डी. पटेल) से शिष्टाचार भेंट की तथा भारतीय ज्ञान परंपरा, मानवीय मूल्यों, सतत विकास और वैश्विक कल्याण जैसे विषयों पर विस्तृत संवाद किया।कॉन्क्लेव के दौरान पूज्य दाजी ने प्रोफेसर चतुर्वेदी को अपनी नवीनतम पुस्तक श्द हार्ट ऑफ जैनिज्मश् की हस्ताक्षरित प्रति भेंट की। अपने विशेष संबोधन में कुलपति ने वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जैन दर्शन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान ऋषभदेव की शिक्षाएं नैतिक नेतृत्व,



अहिंसा, सतत विकास और मानव कल्याण के लिए आज भी मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक भगवान ऋषभदेव के दर्शन और उनकी शिक्षाओं को आधुनिक समाज के संदर्भ में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती है।प्रोफेसर चतुर्वेदी ने इस अवसर पर नालंदा विश्वविद्यालय में श्जैन अध्ययन केंद्रश् (सेंटर फॉर जैन स्टडीज) स्थापित करने की विश्वविद्यालय की परिकल्पना भी साझा की। उन्होंने कहा कि यह केंद्र भारतीय ज्ञान परंपरा, दार्शनिक चिंतन और अंतर्विषयक अनुसंधान को वैश्विक स्तर पर नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।कान्हा शांति वनम् प्रवास के दौरान कुलपति ने पूज्य दाजी की उपस्थिति में हार्टफुलनेस ध्यान सत्र में भाग लिया और हार्टफुलनेस समुदाय के सदस्यों से भी संवाद किया। उन्होंने हार्टफुलनेस सीड साइंस लेबोरेटरी का अवलोकन कर स्थानीय पौधों की प्रजातियों के संरक्षण, स्वदेशी वृक्षारोपण और जैव विविधता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे पारिस्थितिक पुनर्स्थापन कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर नालंदा विश्वविद्यालय और हार्टफुलनेस के बीच भारतीय ज्ञान परंपरा, पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और मानव कल्याण के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में सहमति बनी।

उर्वरकों की कालाबाजारी पर होगी कड़ी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। खरीफ मौसम में किसानों को समय पर और निर्धारित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला कृषि पदाधिकारी, नालंदा की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उर्वरक कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधक, थोक व खुदरा विक्रेता, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी तथा प्रखंड कृषि पदाधिकारी शामिल हुए।जिला कृषि पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में उर्वरकों की बिक्री अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक दर पर नहीं होगी। कालाबाजारी, कृत्रिम अभाव उत्पन्न करने या अधिक कीमत वसूलने की शिकायत मिलने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश के तहत कड़ी कार्रवाई करते हुए लाइसेंस निलंबित



या रद्द किया जाएगा।उन्होंने यह भी कहा कि उर्वरकों के साथ सूक्ष्म पोषक तत्व, कीटनाशी, जैव उत्पाद या अन्य कृषि सामग्री की अनिवार्य टैगिंग पूरी तरह प्रतिबंधित है। किसानों को किसी अन्य उत्पाद की खरीद के लिए बाध्य करने वाले कंपनियों और विक्रेताओं पर भी कार्रवाई होगी।सभी कृषि पदाधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर स्टॉक, मूल्य सूची और निर्धारित दर पर बिक्री सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। किसानों से अधिकृत विक्रेताओं से ही उर्वरक खरीदने तथा कैश मेमो अवश्य लेने की अपील की गई। किसी भी अनियमितता की सूचना तत्काल कृषि विभाग को देने को कहा गया।बैठक में बताया गया कि जिले में फिलहाल उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। वर्तमान में 11,538.28 मीट्रिक टन यूरिया, 2,083.10 मीट्रिक टन डीएपी, 743 मीट्रिक टन एमओपी, 6,960.40 मीट्रिक टन एनपीके और 7,933.28 मीट्रिक टन एसएसपी उपलब्ध है। आवश्यकता के अनुसार आपूर्ति लगातार जारी है, इसलिए किसानों को घबराने या अनावश्यक भंडारण करने की जरूरत नहीं है।

कटिहार से नवादा पहुंचे चन्द्रशेखर सिंह, श्रम अधीक्षक का संभाला पदभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। श्रम विभाग में हुए प्रशासनिक फेरबदल के तहत बेगूसराय निवासी चन्द्रशेखर सिंह ने श्रम अधीक्षक कार्यालय, नवादा में कार्यकारी श्रम अधीक्षक के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। वे कटिहार से स्थानांतरित होकर नवादा पहुंचे हैं और अब जिले में श्रम विभाग की जिम्मेदारियां संभालेंगे।

श्री सिंह के कार्यभार संभालने के साथ ही श्रमिकों के कल्याण, श्रम कानूनों के प्रभावी अनुपालन, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के पंजीकरण, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन तथा लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर विशेष जोर रहने की उम्मीद है। श्रम अधीक्षक ने बताया कि उनकी पहली प्राथमिकता श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का समय पर लाभ दिलाना, कार्यालय की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना तथा श्रमिकों से जुड़े मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना होगा। बेगूसराय के



निवासी चन्द्रशेखर सिंह के नवादा आगमन को श्रम विभाग में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव माना जा रहा है। अब जिले के श्रमिकों और आम लोगों की उम्मीदें नए अधिकारी से बेहतर और जवाबदेह कार्यशैली को लेकर बढ़ गई हैं।

एक नजर

एमडीएम और छात्र उपस्थिति में अनियमितता का आरोप, जांच की मांग

हिलसा। प्रखंड क्षेत्र की कोरावां पंचायत स्थित फुलवरिया प्राथमिक विद्यालय में मध्यान्ह भोजन (एमडीएम) योजना, छात्र उपस्थिति और विद्यालय संचालन में कथित अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों ने हिलसा अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार पटेल से जांच कराने की मांग की है।ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय में निर्धारित मेन्यू के अनुसार बच्चों को भोजन नहीं दिया जा रहा है। साथ ही उपस्थिति रजिस्टर में भी हेराफेरी की जा रही है। ग्रामीण रामप्रवेश प्रसाद ने बताया कि विद्यालय के सूचना बोर्ड पर प्रदर्शित मेन्यू के अनुरूप भोजन बच्चों को नहीं मिलता।ग्रामीण रामाशीष प्रसाद, सुरेश प्रसाद, रामजी प्रसाद, सरवन कुमार और पिंटू प्रसाद ने आरोप लगाया कि विद्यालय में प्रतिदिन केवल 30 से 35 बच्चों के लिए भोजन बनाया जाता है, जबकि उपस्थिति रजिस्टर में 99 बच्चों की उपस्थिति दर्ज की जाती है। उनका कहना है कि अधिकांश दिनों में बच्चों को केवल दाल-चावल, खिचड़ी और आलू की सब्जी ही परोसी जाती है।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि गैस चूल्हे के बजाय लकड़ी के चूल्हे पर भोजन बनाया जाता है तथा रसोईघर के आसपास पर्याप्त साफ-सफाई नहीं रहती। इसके अलावा विद्यालय अवधि के दौरान शिक्षकों की नियमित उपस्थिति भी दर्ज नहीं होने का आरोप लगाया गया है।विद्यालय की रसोइया सुविधा देवी और रंजीता देवी ने भी इस बात की पुष्टि की है कि प्रधानाध्यापक के निर्देश पर प्रतिदिन 30 से 35 बच्चों के ही भोजन तैयार कराया जाता है।

विवाहिता के मौत मामले में तीन गिरफ्तार

नारदीगंज,नवादा। दलेलपुर (नंदग्राम) गांव विवाहिता के मौत मामले में तीन गिरफ्तार मृतका के पिता के पिता कपिल यादव थाना दीपनगर, जिला नालंदा के द्वारा दिए आवेदन पर हुआ प्राथमिकी दर्ज; थाना अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि कांड संख्या 250/26 के आरोपी श्यामसुंदर यादव (ससुर), काजल कुमारी, पिंकी देवी को गिरफ्तार करते समय घर तलाशी के दौरान 180 ML का 12 पिस ऑफिसर चॉइस का अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है।दि०10/726 कांड संख्या 252/26 विपिन कुमार पिता श्याम सुंदर यादव, घर पण्डपा को आरोपित किया गया है। तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

राजस्व कर्मचारियों की अनुपस्थिति से लोगों को हो रही भारी परेशानी, मोबाइल भी रहता है बंद

कौआकोल। कौआकोल अंचल कार्यालय में कार्यरत राजस्व कर्मचारियों की मनमानी और मुख्यालय से लगातार अनुपस्थित रहने के कारण आम लोगों को विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र बनवाने के साथ-साथ परिमार्जन, दाखिल-खारिज, जमाबंदी सुधार, ऑनलाइन म्यूटेशन, भूमि सत्यापन एवं अन्य राजस्व संबंधी कार्यों में भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि कई बार संबंधित राजस्व कर्मचारी का मोबाइल फोन भी बंद रहता है, जिससे फरियादियों को उनसे संपर्क तक नहीं हो पाता। ज्ञात हो कि जाति, आय, आवासीय सहित अन्य प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया में राजस्व कर्मचारी द्वारा स्थल सत्यापन अनिवार्य है लेकिन कर्मचारी के मुख्यालय में उपस्थित नहीं रहने से सत्यापन कार्य समय पर नहीं हो पाता, जिससे प्रमाण पत्र जारी होने में अनावश्यक विलंब हो रहा है। यही स्थिति दाखिल-खारिज, परिमार्जन, जमाबंदी से जुड़े मामलों तथा अन्य भूमि संबंधी कार्यों में भी देखने को मिल रही है। इससे लोगों को कई-कई दिनों तक अंचल कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। लोगों ने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्था में सुधार लाने, राजस्व कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा सभी राजस्व कार्यों का समयबद्ध निष्पादन कराने की मांग की है। वहीं, सूत्रों की मानें तो राजस्व कर्मचारियों में निगरानी टीम के आने का भय बना रहता है,जिसके कारण कई कर्मचारी नियमित रूप से कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते और कथित तौर पर बिचौलियों के माध्यम से कार्यों का निष्पादन कराया जाता है। हालांकि, इस संबंध में प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कर जवाबदेही तय की जाए तो आम लोगों को राहत मिलेगी और राजस्व संबंधी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन संभव हो सकेगा।

16 उदंड छात्रों को किया गया निष्काषित, घर से पढ़कर दे सकेंगे बोर्ड की परीक्षा

रजौली। रजौली प्रखंड स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय +2 विद्यालय में 16 उदंड छात्रों द्वारा गुटबाजी कर शैक्षिणक माहौल को बिगाड़ने एवं जुनियर छात्रों में डर का माहौल बनाने वाले के विरुद्ध विद्यालय प्रबंधन समिति ने आवासीय परिसर से शनिवार की सुबह को निष्काषित कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार अम्बेडकर विद्यालय सह छात्रावास में कुल 470 बच्चों का नामांकन है। इनमें कुछ बारहवीं कक्षा के उदंड छात्रों द्वारा गुट बनाकर विद्यालय परिसर में डर का माहौल बनाकर शैक्षणिक वातावरण को खराब किया जा रहा था। बीते गुरुवार की रात्रि जूनियर बच्चों के खाने के समय मेस में घुसकर दादागिरी व मारपीट किया। शिक्षकों द्वारा मना करने पर उन्हें झूठे एससी-एसटी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापक द्वारा प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सुरेन्द्र चौहान को शिकायत मिलने पर बच्चों से बातचीत करने का प्रयास किया गया। किंतु बच्चे अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे थे और शिक्षकों व पदाधिकारियों के साथ भी अभद्र व्यवहार किया जाने लगा। अगले दिन शुक्रवार को कुछ छात्रों को एक कमरे में बंद करके रख दिया गया। सूचना पर पहुंचे बीडीओ संजीव झा एवं सीओ मो. गुफरान मजहरी ने बच्चों से बातचीत कर उनकी समस्या जानने का प्रयास किया गया,किंतु छात्रों ने प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों से बातचीत करने से मना कर दिया।

उपरौरा गांव में 13 लाख की चोरी, एमईएस कर्मी के घर से जेवरात व नकदी उड़ाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बिहार थाना क्षेत्र के उपरौरा गांव में बीती रात चोरों ने एक बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देकर इलाके में सनसनी फैला दी। चोरों ने मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज में कार्यरत महासुंदर कुमार गौरव के घर का ताला काटकर करीब 10 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात और 3 लाख रुपये नकद चोरी कर ली। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।जानकारी के अनुसार, घटना के समय परिवार के सभी सदस्य अपनी दादी के घर सोने गए थे। सुबह घर लौटने पर मुख्य दरवाजे और बक्सों के ताले कटे मिले। घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने केवल नकदी और कीमती जेवरात ही अपने साथ ले गए, जबकि अन्य सामान, कपड़े और जरूरी दस्तावेजों को



नहीं छुआ।पीडिता उमापति देवी ने आशंका जताई कि वारदात में किसी स्थानीय व्यक्ति की संलिप्तता हो सकती है, क्योंकि चोरों को घर की पूरी जानकारी थी। उन्होंने बताया कि उनकी बहू के शादी के जेवरात भी घर में रखे थे, जिन्हें चोर ले गए। परिवार ने पुलिस से जल्द आरोपितों की गिरफ्तारी और चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है।सूचना मिलने पर बिहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है।बिहार थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि अभी तक लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच में जुटी है।

हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़, भारी मात्रा में हथियार बनाने के उपकरण बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

इसलामपुर। नालंदा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए इसलामपुर थाना क्षेत्र के सुहावनपुर सुढ़ी गांव में संचालित एक अवैध हथियार निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया है। संयुक्त छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक देशी कट्टा, हथियार बनाने के कई उपकरण और मशीनें बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया।पुलिस के अनुसार 10 जुलाई को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर इसलामपुर थाना, एसटीएफ और डीआईयू की संयुक्त टीम ने गश्ती दल एवं विशेष छापेमारी दल के सहयोग से सुहावनपुर सुढ़ी गांव में छापा मारा। छापेमारी के दौरान रमण विश्वकर्मा के मकान सह लोहे का गेट एवं खिड़की बनाने के कारखाने की तलाशी ली गई, जहां अवैध रूप से आग्नेयास्त्र बनाने का काम चल रहा था।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक निर्मित देशी कट्टा, कट्टा बनाने में प्रयुक्त स्प्रिंग, हैमर, ड्रिल मशीन, ग्राइंडर मशीन, बेंच मशीन, आर्क वेल्डिंग मशीन, बड़ा कटर, जनरेटर, भट्ठी में हवा



देने वाली मशीन सहित हथियार निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कई उपकरण बरामद किए। इसके अलावा एक रियलमी कंपनी का मोबाइल फोन भी जब्त किया गया।इस मामले में पुलिस ने रमण विश्वकर्मा पिता-स्व. अर्जुन विश्वकर्मा, निवासी-सुढ़ी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने इस संबंध में इसलामपुर थाना कांड संख्या 348/26 दर्ज की है।पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी कब से अवैध हथियार बना रहा था और इन हथियारों की आपूर्ति किन लोगों तक की जाती थी।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता रैली, परिवार नियोजन मेला एवं प्रेस वार्ता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जिला स्वास्थ्य समिति, नवादा द्वारा परिवार नियोजन एवं जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिले में जागरूकता रैली, परिवार नियोजन मेला एवं प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को छोटे परिवार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा जिम्मेदार अभिभावकत्व के प्रति जागरूक किया गया। विश्व जनसंख्या दिवस की पूर्व संध्या पर जिला स्वास्थ्य समिति एवं प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय, नवादा के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी सदर, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, बीसीएम सदर एवं पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (PFI) के जिला प्रतिनिधि ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए समाहरणालय परिसर पहुंची तथा पुनः विद्यालय वापस लौटी। इस दौरान छात्राओं ने परिवार नियोजन, छोटे परिवार एवं जिम्मेदार अभिभावकत्व से संबंधित नारों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल, नवादा में आयोजित परिवार नियोजन



मेले का उद्घाटन सिविल सर्जन, नवादा डॉ. विनोद चौधरी एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अमिता आजाद ने संयुक्त रूप से किया। मेले में उपस्थित दंपतियों को परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा पात्र लाभार्थियों को निःशुल्क परिवार नियोजन सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। इसके उपरांत सिविल सर्जन ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि जिले में दिनांक 11 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक विशेष परिवार नियोजन पखवाड़ा संचालित किया जा रहा है। इस अवधि में जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में महिला बंध्याकरण, पुरुष नसबंदी सहित परिवार नियोजन से संबंधित विभिन्न सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

13 सूत्री मांगों को लेकर कांग्रेस का धरना, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर शनिवार को नालंदा जिला कांग्रेस कमेटी के बैनर तले अस्पताल चैक पर धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष विवेक सिन्हा ने किया। धरना के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम संबोधित 13 सूत्री मांग पत्र प्रशासन को सौंपते हुए जनहित से जुड़े मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की।धरना को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विवेक सिन्हा ने कहा कि जिले के आम नागरिकों को कई बुनियादी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बढ़ी हुई रजिस्ट्री दर वापस लेने, वाहनों में इथेनॉल के प्रयोग पर रोक लगाने, प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक मामलों में स्पीडी ट्रायल चलाकर दोषियों को कड़ी सजा देने तथा उर्वरकों की कालाबाजारी पर नियंत्रण की मांग की।इसके अलावा जिले में बढ़ते अपराध पर



रोक, जनवितरण प्रणाली में अनियमितताओं की जांच, पैक्सों द्वारा किसानों से कम कीमत पर अनाज खरीद की जांच, भूमि सर्वे, दाखिल-खारिज और परिमार्जन से जुड़ी समस्याओं के समाधान की भी मांग उठाई गई। कांग्रेस ने टोल टैक्स वृद्धि वापस लेने, जिला शिक्षा कार्यालय में कथित घोटालों की जांच, स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की पर्याप्त व्यवस्था, निबंधित श्रमिकों से जुड़े मामलों की जांच तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में नशे के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए कोचिंग संस्थानों के आसपास पुलिस निगरानी बढ़ाने, इस्लामपुर, एकंगरसराय और हिलसा में बस स्टैंड निर्माण, अंचल कार्यालयों के क्लस्टरों में सुलभ शौचालय निर्माण तथा बंद पड़े चापाकलों की मरम्मत कर पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने की भी मांग की गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सोखोदेवरा में पुलिस-पब्लिक लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। मगध क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विकास वैभव के निर्देश पर शनिवार को कौआकोल थाना क्षेत्र के सोखोदेवरा स्थित जेपी आश्रम के राजेंद्र भवन में पुलिस-पब्लिक लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता कौआकोल थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना था। इस दरम्यान उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना तथा कानून-व्यवस्था,अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध, नशा मुक्ति और सामाजिक जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण



विषयों पर विस्तार से चर्चा किया। थानाध्यक्ष ने लोगों से पुलिस-जन सहयोग को मजबूत बनाने की अपील करते हुए कहा कि अपराध नियंत्रण एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में आम जनता की सहभागिता महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने लोगों से आपराधिक गतिविधियों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित होता है तथा स्थानीय समस्याओं के समाधान में मदद मिलती है। मौके पर स्थानीय ग्रामीण जदयू नेता रघुनन्दन महतो समेत अन्य लोग मौजूद थे।

हिसुआ मॉडर्न इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में चोरी का प्रयास नाकाम, गार्ड की सतर्कता से युवक रंगे हाथ पकड़ा गया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिसुआ (नवादा)। हिसुआ स्थित मॉडर्न इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में चोरी की एक वारदात गार्ड की सतर्कता से विफल हो गई। विद्यालय परिसर से लोहे की छड़ एवं अन्य सामान चोरी कर भाग रहे एक युवक को गार्ड रोहित कुमार ने रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद विद्यालय प्रशासन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को अपने कब्जे में ले लिया। जानकारी के अनुसार, युवक विद्यालय परिसर में घुसकर निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली लोहे की छड़ और अन्य सामग्री लेकर निकलने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात गार्ड रोहित कुमार की नजर उस पर पड़ गई। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए आरोपी का पीछा किया और उसे सामान सहित पकड़ लिया।

घटना की सूचना मिलते ही विद्यालय प्रबंधन ने हिसुआ थाना पुलिस को जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। बरामद चोरी का सामान भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। विद्यालय प्रशासन ने गार्ड रोहित कुमार की सतर्कता और साहस की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सूझबूझ से विद्यालय की संपत्ति सुरक्षित बच गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा आरोपी के आपराधिक इतिहास और चोरी के उद्देश्य की भी पड़ताल की जा रही है।

एक नजर

चोरी की बाइक के साथ चोर गिरफ्तार

इसलामपुर। खुदागंज थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की अपाची बाइक के साथ एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान गया जिले के नीमचक बथानी थाना क्षेत्र के धरम विगहा गांव निवासी उदय प्रसाद के पुत्र नितिश कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष दुर्गेश कुमार गहलोत ने बताया कि गुरुवार को गया जिले के नीमचक बथानी थाना क्षेत्र के पहाड़ी गांव से एक अपाची बाइक चोरी हुई थी। शुक्रवार की शाम को सूचना मिली कि चोरी की बाइक लेकर आरोपी खुदागंज बाजार आने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस ने विशेष टीम का गठन कर बाजार में घेराबंदी कर दी। कुछ देर बाद आरोपी चोरी की बाइक से बाजार पहुंचा। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह बाइक लेकर भागने लगा। हालांकि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ दूरी तक पीछा कर उसे दबोच लिया और चोरी की अपाची बाइक बरामद कर ली। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वह किसी वाहन चोरी गिरोह से जुड़ा है या नहीं तथा उसके अन्य साथियों की भी तलाश की जा रही है।

पारिवारिक बंटवारे का विवाद लिया हिंसक रूप, दो पक्षों में मारपीट

बिहारशरीफ। अस्थावां बाजार में वर्षों पुराना पारिवारिक बंटवारे का विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज अस्थावां रेफरल अस्पताल में कराया गया। घायल अखिलेश प्रसाद ने बताया कि अस्थावां बाजार स्थित मां पार्वती मिष्टान्न भंडार का संचालन सात भाइयों के बीच आपसी समझौते के तहत तीन-तीन महीने की पारी में तय किया गया था। उनका आरोप है कि मिथलेश प्रसाद ने अपनी अवधि समाप्त होने के बाद भी दुकान का संचालन दूसरे भाई को नहीं सौंपा। इस विवाद को लेकर कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन समाधान नहीं निकल सका। अखिलेश के अनुसार वह अपने हिस्से की जमीन पर ईंट गिरवा रहे थे। इसी दौरान मिथलेश प्रसाद वहां पहुंचे और विरोध करने लगे। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। उन्होंने आरोप लगाया कि लाठी से हमला कर उन्हें घायल किया गया तथा बीच-बचाव करने पहुंचे उनके दोनों बेटों के साथ भी मारपीट की गई। वहीं दूसरे पक्ष ने भी मारपीट के आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। अस्थावां थानाध्यक्ष सत्यम चंद्रवंशी ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

जनता दरबार में मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन

हरनौत। अंचल कार्यालय में शनिवार को आयोजित जनता दरबार में नवपदस्थापित अंचलाधिकारी (सीओ) रीता कुमारी ने भूमि विवाद एवं राजस्व से जुड़े मामलों की सुनवाई की। जनता दरबार में कुल 12 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 7 मामलों का दोनों पक्षों की सहमति से मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। सीओ ने बताया कि शेष 5 मामलों की सुनवाई के लिए अगली तिथि निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के दस्तावेजों की जांच कर निष्पक्ष समाधान कराया गया तथा पक्षकारों को आपसी सौहार्द और शांति बनाए रखने की सलाह दी गई। जनता दरबार में जमीन विवाद, दाखिल-खारिज, परिमार्जन, भूमि सीमांकन और अवैध कब्जे से संबंधित आवेदन पहुंचे। सीओ ने राजस्व कर्मचारियों को निर्देश दिया कि निष्पादित मामलों में 15 दिनों के भीतर आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। इस अवसर पर राजस्व पदाधिकारी रीतु रिमझिम, सीआई रामानंद प्रसाद, मनीष सहित कई फरियादी उपस्थित रहे।

60 चयनित परिचारियों को मिला नियुक्ति पत्र

बिहारशरीफ। सदर अस्पताल के लिए चयनित 60 परिचारियों को शनिवार को सिविल सर्जन कार्यालय में आयोजित समारोह के दौरान नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। सिविल सर्जन डॉ. जयप्रकाश सिंह ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उन्हें ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने की अपील की। सिविल सर्जन डॉ. जयप्रकाश सिंह ने बताया कि सोमवार को लॉटरी प्रणाली के माध्यम से सभी 60 परिचारियों की जिले के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में तैनाती की जाएगी। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराई जाएगी, ताकि सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर के आधार पर कार्यस्थल आवंटित हो सके। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल आवंटित होने के बाद सभी परिचारी अपने-अपने अस्पतालों में योगदान देंगे। इनकी नियुक्ति से सदर अस्पताल सहित जिले के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा मरीजों को बेहतर और सुचारु सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

सरमेरा। थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात बरबीघा-मोकामा मार्ग पर देव पेट्रोल पंप के समीप हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतकों की पहचान सरमेरा थाना क्षेत्र के नरसिंहपुर गांव निवासी गणेश पासवान के पुत्र त्रिपुरारी कुमार तथा शेखपुरा जिले के बंगाली मोहल्ला निवासी महेश यादव के पुत्र नीतीश कुमार के रूप में हुई है। दोनों एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार, देर रात तेज रफ्तार बोलेरो ने सामने से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, टक्कर के बाद बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे के बाद बोलेरो सवार मौके से फरार हो गया।घटना की सूचना मिलते ही सरमेरा थाना की गश्ती पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।सरमेरा थानाध्यक्ष साकेंद्र कुमार बिंद ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो को जब्त कर थाना लाया गया है। फरार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस कार्रवाई कर रही है। वहीं, दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मॉडल अस्पताल बिहारशरीफ भेज दिया गया है तथा घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है।

ओवरलोडेड वाहनों से टूटी हरदिया डैम की पुलिया

रजौली। तिलैया-कोडरमा रेलखंड के निर्माण में लगे भारी वाहनों की लापरवाही से रजौली प्रखंड के हरदिया पंचायत स्थित फुलवरिया डैम जाने वाले मार्ग की पुलिया टूट गई है। 1980 में बनी यह पुलिया भरभरा कर गिरने से हजारों ग्रामीणों, किसानों और स्कूली बच्चों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। साथ ही क्षेत्र की सिंचाई और नल-जल योजना भी ठप हो गई है। रेलवे कंपनियों में चल रहे भारी मालवाहक वाहनों से ग्रामीण सड़कें भी क्षतिग्रस्त हुई है।

ओवरलोड वाहनों के दबाव से ढही 45 साल पुरानी पुलिया

स्थानीय ग्रामीण जयेंद्र यादव उर्फ जालो यादव ने बताया कि हरदिया डैम की पुलिया का निर्माण 1980 में हुआ था। पिछले कुछ वर्षों से रेलवे कंस्ट्रक्शन कंपनियों के लोहे, बालू, सीमेंट और गिट्टी लदे ओवरलोडेड मालवाहक वाहन इसी रास्ते से बेरोकटोक गुजर रहे थे। इसी दबाव के कारण पुलिया क्षतिग्रस्त होकर टूट गई। न्यू सिंगर निवासी विनोद राजवंशी ने कहा कि हादसे में कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन स्कूली बच्चों और ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। लोगों को अब 3-4 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाकर जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि रेलवे निर्माण कंपनी के खिलाफ कार्रवाई कर क्षतिग्रस्त पुलिया का अविलंब निर्माण कराया जाए। साथ ही कंपनी से हर्जाना वसूलकर वैकल्पिक पेयजल और सिंचाई की व्यवस्था की जाए। फुलवरिया डैम क्षेत्र के दर्जनों गांव इस एकमात्र रास्ते पर निर्भर हैं। पुलिया के अभाव में न सिर्फ खेती प्रभावित हो रही है, बल्कि बच्चों की पढ़ाई और मरीजों को अस्पताल पहुंचने में भी परेशानी हो रही है।

नावाडीह पंचायत की नीमडीह को जोड़ने वाली सड़क बदहाल

कौआकोल। प्रखंड के नावाडीह पंचायत अंतर्गत नावाडीह गांव से नीमडीह मुहल्ला को जोड़ने वाली मुख्य सड़क वर्षों से बदहाल स्थिति में है। सड़क के रखरखाव के अभाव और जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्रामीणों को प्रतिदिन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क किनारे स्थित घरों से निकलने वाला गंदा पानी सीधे सड़क पर बहता है, जिससे जगह-जगह जलजमाव और कीचड़ की स्थिति बनी रहती है। इसके कारण सड़क की हालत लगातार खराब होती जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, जबकि सामान्य दिनों में भी सड़क पर कीचड़ और गंदा पानी जमा रहने से दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों का परिचालन प्रभावित रहता है। कई बार वाहन फिसलने की घटनाएं भी हो चुकी हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी

एसआईआर अभियान में तेजी लाने का निर्देश, 88.61 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का वितरण पूरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त रामनिवास यादव ने शनिवार को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर -2026) अभियान की समीक्षा बैठक की। बैठक में गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन कार्य की प्रगति का आकलन करते हुए अधिकारियों को अभियान में और तेजी लाने के निर्देश दिए समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 21,12,570 गणना प्रपत्रों के वितरण के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 18,71,960 प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं, जो कुल लक्ष्य का 88.61 प्रतिशत है। उपायुक्त ने शेष प्रपत्रों का वितरण शीघ्र पूरा करने के निर्देश देते हुए सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (इरो), सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ऐरो) और संबंधित नोडल अधिकारियों से प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करने को कहा उपायुक्त ने सभी बीएलओ को घर-घर जाकर प्रत्येक पात्र मतदाता तक गणना प्रपत्र पहुंचाने तथा समयबद्ध तरीके से उनका संग्रहण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता, गुणवत्ता और निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप होनी चाहिए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता इस महत्वपूर्ण अभियान से वंचित न रहे।बैठक में गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों और कंप्यूटर ऑपरेटरों को वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया समानांतर रूप से संचालित करने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्य त्रुटिरहित ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया।उन्होंने अभियान में लगे वॉलेंटियर्स, विभिन्न विभागों के कर्मियों, कंप्यूटर ऑपरेटरों और अन्य सहायक मानव संसाधनों को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने की बात कही। साथ ही सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाकर बीएलओ को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का निर्देश दिया उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि एसआईआर-2026 निर्वाचन आयोग की अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मियों को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि जिले की मतदाता सूची अधिक सटीक, अद्यतन और विश्वसनीय बन सके।

विभागीय आदेश के बाद भी प्रोन्नति नहीं मिलने से मुफस्सिल लिपिक मोर्चा नाराज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता



गिरिडीह। झारखंड राज्य मुफस्सिल लिपिक मोर्चा ने जिला शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया है कि विभागीय आदेशों के बावजूद लिपिकों की प्रोन्नति, स्थानांतरण और वेतन भुगतान जैसे मामलों में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है। संगठन ने चेतावनी दी है कि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर उपायुक्त के जनता दरबार में शिकायत की जाएगी तथा आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय की शरण ली जाएगी। मोर्चा के प्रदेश महासचिव विकास कुमार सिन्हा एवं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बमशंकर प्रसाद सिंह ने संयुक्त बयान में कहा कि नवपदस्थापित जिला शिक्षा पदाधिकारी माध्यमिक शिक्षा निदेशक के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि निदेशक ने तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही विद्यालय में कार्यरत लिपिकों का स्थानांतरण करने का निर्देश दिया था, ताकि वित्तीय अनियमितताओं पर रोक लगाई जा सके। इसके बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मोर्चा नेताओं ने बताया कि समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में उपायुक्त ने तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी को 15 मई तक डीडीओ विद्यालयों के मैसेंजर एवं बिल क्लर्क बदलने का निर्देश दिया था, लेकिन उसका भी अनुपालन नहीं किया गया।

भाजपा की बैठक में 'मन की बात' और एसआईआर अभियान पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता



गिरिडीह। भारतीय जनता पार्टी, गिरिडीह महानगर की मासिक बैठक रविवार को हरिचक स्थित जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष रंजीत कुमार राय की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला संगठन प्रभारी डॉ. संजय सिंह उपस्थित रहे। बैठक में जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, मंडल प्रभारियों एवं संगठन के अन्य पदाधिकारियों के साथ विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा की गई डॉ. संजय सिंह ने शक्ति केंद्र बैठकों, प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम, डिजिटल लर्निंग ऐप तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम समाज को सकारात्मक दिशा देने वाला एक प्रभावी मंच बन चुका है। इसके माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, युवा शक्ति, आत्मनिर्भर भारत और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर जनजागरूकता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस अभियान के माध्यम से मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाया जाता है, पात्र मतदाताओं के नाम जोड़े जाते हैं, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं का सत्यापन किया जाता है तथा आवश्यक संशोधन किए जाते हैं। इससे चुनाव प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय बनती है जिलाध्यक्ष रंजीत कुमार राय ने संगठन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए मंडल अध्यक्षों एवं प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे मंडलों में नियमित बैठकें एवं प्रवास सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विशेष अभियान के तहत प्रमुख लोगों से संपर्क का कार्यक्रम भी जल्द पूरा किया जाएगा बैठक का संचालन जिला महामंत्री सिकंदर हेम्ब्रम ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष अरुण हाजरा ने दिया।

बालमुकुंद फैक्ट्री के खिलाफ 'उसरी बचाओ अभियान' का ऐलान, 12 जुलाई को निकलेगा विरोध मार्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उसरी नदी एवं उसरी फॉल के संरक्षण को लेकर बालमुकुंद फैक्ट्री के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। भाकपा (माले), असंगठित मजदूर मोर्चा तथा विभिन्न सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण संगठनों ने 12 जुलाई को सुबह 10 बजे गंगापुर गांव से चतरो मोड़ तक पैदल विरोध मार्च निकालने की घोषणा की है। भाकपा (माले) के नेता राजेश सिन्हा ने कहा कि जल, जंगल और जमीन को किसी भी कीमत पर बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि बालमुकुंद फैक्ट्री उसरी नदी से पाइपलाइन के माध्यम से लगभग दो किलोमीटर दूर स्थित अपने संयंत्र तक पानी पहुंचाने की योजना पर काम कर रही है। इसके लिए पाइप बिछाने का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। उनका कहना है कि इससे उसरी नदी और उसरी फॉल के अस्तित्व पर खतरा उत्पन्न हो सकता है। असंगठित मजदूर मोर्चा के कन्हाई पांडेय ने कहा कि उसरी फॉल से पहले नदी का पानी फैक्ट्री तक ले जाने की योजना स्थानीय लोगों की चिंता का विषय है। यदि इस योजना पर रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में उसरी फॉल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। संगठनों के नेताओं ने बताया कि इस मामले में उपायुक्त, डीवीसी, डीएफओ, अनुमंडल पदाधिकारी, पथ निर्माण विभाग सहित संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को लिखित आवेदन देकर हस्तक्षेप की मांग की गई है। समाजसेवी विजय राय, शुभांकर एवं विजय कुमार सहित अन्य लोगों ने भी प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। राजेश सिन्हा ने कहा कि एक ओर राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उसरी फॉल के विकास पर कार्य कर रही है, वहीं दूसरी ओर नदी के जल स्रोत पर दबाव बढ़ाने वाली योजनाएं इस प्राकृतिक धरोहर के लिए खतरा बन सकती हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने समय रहते आवश्यक कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। कन्हाई पांडेय ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है। उन्होंने आम जनता, सामाजिक संगठनों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों से 12 जुलाई को आयोजित विरोध मार्च में शामिल होकर जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की।

परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में बीएनएस की धारा 163 लागू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। 12 जुलाई 2026 (रविवार) को आयोजित होने वाली झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद द्वारा संचालित पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2026 के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सदर अनुमंडल पदाधिकारी, मेदिनीनगर द्वारा परीक्षा केंद्रों के आसपास भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। यह आदेश परीक्षा की तिथि को सुबह 10:30 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक सभी परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में प्रभावी रहेगा। आदेश के तहत परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी व्यक्ति के हथियार लेकर चलने, पाँच या अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने, बिना अनुमति लाउडस्पीकर अथवा ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग, परीक्षा कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने तथा किसी प्रकार के धरना-प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटोकॉपी की दुकानों को भी परीक्षा अवधि के दौरान बंद रखने का निर्देश दिया गया है। यह आदेश परीक्षा कार्य में संलग्न पदाधिकारियों, कर्मियों, पुलिस बल तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिनियुक्त अधिकारियों पर लागू नहीं होगा। जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों, अभिभावकों एवं आम नागरिकों से परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग करने तथा जारी आदेश का पालन करने की अपील की है।

'जनसंख्या स्थिरता अभियान-2026' का शुभारंभ, 10 अगस्त तक चलेगा विशेष अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता



गिरिडीह। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जिला स्वास्थ्य समिति, गिरिडीह की ओर से शनिवार को एमसीएच, चैताडीह में 'जनसंख्या स्थिरता अभियान-2026' का शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्घाटन जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी, उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, सिविल सर्जन डॉ. बच्चा प्रसाद सिंह तथा जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अंजना भारती ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। यह अभियान 11 जुलाई से 10 अगस्त 2026 तक पूरे जिले में संचालित होगा इस वर्ष अभियान की थीम "जब बच्चों में हो सही अंतराल, परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल" रखी गई है। अभियान के तहत जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में परिवार नियोजन, सुरक्षित मातृत्व, किशोर स्वास्थ्य एवं जनसंख्या स्थिरता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। साथ ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी ने कहा कि जनसंख्या स्थिरता केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास का भी महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने लोगों से छोटे परिवार के महत्व को समझने तथा स्वास्थ्य विभाग की परिवार कल्याण सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक दंपति तक परिवार नियोजन संबंधी सही जानकारी और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मियों को अभियान के दौरान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. बच्चा प्रसाद सिंह एवं चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सजना शर्मा ने परिवार नियोजन के स्थायी और अस्थायी साधनों, जन्मांतराल के महत्व, सुरक्षित मातृत्व तथा किशोर स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में परिवार नियोजन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों, पदाधिकारियों और प्रेरकों को जिला स्वास्थ्य समिति की ओर से सम्मानित भी किया गया समारोह में जिला आरसीएच पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक, चिकित्सक, एएनएम, सहिया, बीटीटी, स्वास्थ्यकर्मी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजस्व वसूली में तेजी लाने के लिए 14 जुलाई से लगेगा विशेष शिविरः नगर आयुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता



गिरिडीह। नगर निगम गिरिडीह के राजस्व संग्रह को गति देने के उद्देश्य से शनिवार को नगर आयुक्त विजय सिंह बीरूआ की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रॉपर्टी टैक्स, वाटर यूजर चार्ज और ट्रेड लाइसेंस की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए समीक्षा के दौरान नगर आयुक्त ने प्रॉपर्टी टैक्स वसूली की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों व कर्मियों को अभियान में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नगर निगम की विकास योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए राजस्व संग्रह को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए बैठक में निर्णय लिया गया कि 14 जुलाई से नगर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में विशेष राजस्व वसूली शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में नागरिक एक ही स्थान पर प्रॉपर्टी टैक्स, वाटर यूजर चार्ज का भुगतान करने के साथ-साथ ट्रेड लाइसेंस से संबंधित कार्य भी करा सकेंगे नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, बकायेदारों से नियमित संपर्क स्थापित किया जाए तथा प्रतिदिन वसूली अभियान की समीक्षा कर लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही ट्रेड लाइसेंस के नवीनीकरण एवं नए लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को भी सरल और समयबद्ध बनाने पर विशेष जोर दिया गया उन्होंने कहा कि नागरिकों के सहयोग और अधिकारियों की सक्रियता से नगर निगम निर्धारित राजस्व लक्ष्य हासिल करेगा, जिससे शहर में आधारभूत सुविधाओं और जनहितकारी विकास कार्यों को और गति मिलेगी बैठक में नगर निगम के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

झारखंड विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति ने गिरिडीह में की विकास योजनाओं की समीक्षा

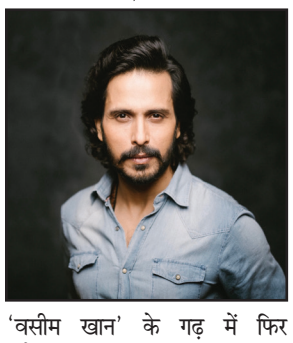
नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



गिरिडीह। झारखंड विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष सह देवघर विधायक सुरेश पासवान के नेतृत्व में समिति शनिवार को गिरिडीह पहुंची। इस अवसर पर उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार, उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी तथा नगर आयुक्त विजय सिंह बीरूआ ने पुष्पगुच्छ भेंट कर समिति के सदस्यों का स्वागत किया इसके बाद नया परिसदन भवन में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, विधानसभा के अनागत प्रश्नों के निष्पादन तथा जनहित से जुड़े मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने समिति को जिले में चल रही विकास योजनाओं की अद्यतन प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन सभी योजनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए लगातार कार्य कर रहा है तथा आम लोगों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने के लिए नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है समीक्षा के दौरान समिति अध्यक्ष सुरेश पासवान ने सभी विभागों को विकास कार्यों में तेजी लाने और योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने विधानसभा के अनागत प्रश्नों का समयबद्ध एवं तथ्यपरक निष्पादन सुनिश्चित करने, कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने तथा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया उप विकास आयुक्त ने बैठक में मौजूद सभी विभागीय अधिकारियों को समिति के निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा।

घर लौटा 'लल्ला': 'रक्तांचल सीजन 3' के ट्रेलर में दिखा क्रांति प्रकाश झा का दमदार अंदाज!

नवबिहार टाइम्स संवाददाता



मुंबई। ओटीटी की दुनिया के सबसे चर्चित और दमदार शोज में से एक 'रक्तांचल' अपने तीसरे सीजन के साथ वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। हाल ही में मेकर्स ने 'रक्तांचल सीजन 3' का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज किया है, जिसने सामने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ट्रेलर को दर्शकों और क्रिटिक्स की तरफ से बेहद शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है शो के असली 'लल्ला' यानी क्रांति प्रकाश झा की! 'वसीम खान' के गढ़ में फिर गूंजेगा 'विजय सिंह' का नाम ट्रेलर में क्रांति प्रकाश झा का अंदाज पहले से कहीं ज्यादा दमदार, आक्रामक और सॉर्टेड नजर आ रहा है। पूर्वांचल के बैकड्रॉप पर बनी इस क्राइम-थ्रिलर सीरीज में उन्होंने 'विजय सिंह' के किरदार को एक बार फिर से जीवंत कर दिया है। रक्तांचल के पिछले सीजन्स में जिस तरह उन्होंने अपनी कमाल की एक्टिंग से दर्शकों को बांधकर रखा था, सीजन 3 के ट्रेलर को देखकर साफ लग रहा है कि इस बार वो क्रूरता और बदले की सारी हदें पार करने वाले हैं। उनका स्क्रीन प्रेजेंस और संवाद अदायगी इतनी सटीक है कि दर्शक ट्रेलर से अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं।

जन समाधान दिवस में सुनी गईं आमजनों की समस्याएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता



मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले में आमजनों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार को आयोजित किए जा रहे जन समाधान दिवस के तहत आज जिले के सभी प्रखंडों एवं अंचलों में शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं आमजनों ने अपनी समस्याएं और आवेदन संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए। उल्लेखनीय है कि गत शनिवार को जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने चैनपुर प्रखंड से जिले के सभी प्रखंडों में जन समाधान दिवस का शुभारंभ किया था। इसी क्रम में आज सभी प्रखंडों में जन समाधान दिवस का आयोजन कर आमजनों की समस्याएं सु

उपायुक्त ने की बाबा आम्रेश्वर धाम मंदिर प्रबंधन समिति के साथ बैठक

श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को लेकर दिए निर्देश



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी/तोरपा। आगामी 30 जुलाई से 28 अगस्त तक आयोजित होने वाले श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने आज बाबा आम्रेश्वर धाम मंदिर स्थित सभागार में मंदिर प्रबंधन समिति एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग, उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, अनुमंडल पदाधिकारी श्रीपेश कुमारी, एसडीपीओ, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी तथा मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, महामंत्री, सचिव एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने कहा कि श्रावण माह में आम्रेश्वर धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलार्पण के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान मंदिर एवं आसपास के क्षेत्रों की नियमित साफ-सफाई, पेयजल उपलब्धता, मोबाइल एवं स्थायी शौचालयों की समुचित व्यवस्था, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट, पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस बल एवं स्वयंसेवकों की प्रतिनियुक्ति, सड़क मरम्मत, पार्किंग व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधा, पारा मेडिकल टीम, एम्बुलेंस एवं अग्निशमन वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

उपायुक्त ने पथ निर्माण विभाग को मंदिर मार्ग एवं आसपास की सड़कों के किनारे उगी झाड़ियों की साफ-सफाई कराने एवं आवश्यकता अनुसार सड़क मरम्मती का निर्देश दिया। साथ ही बनई नदी एवं आम्रेश्वर धाम परिसर स्थित तालाब के समीप गोताखोरों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने को कहा, ताकि किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को रोका जा सके।

बैठक में ट्रैफिक डायवर्जन, बैरिकेडिंग, साइनेज, एलईडी स्क्रीन, भीड़ प्रबंधन एवं आपातकालीन व्यवस्थाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। मंदिर प्रबंधन समिति को सीसीटीवी कैमरों को पूरी तरह क्रियाशील रखने, श्रद्धालुओं के लिए कतार की व्यवस्था करने तथा स्वयंसेवकों को सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए। इस दौरान मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा भी विभिन्न सुझाव एवं प्रस्ताव जिला प्रशासन के समक्ष रखे गए, जिन पर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने श्रद्धालुओं से प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने, यातायात व्यवस्था में सहयोग करने तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस अथवा नियंत्रण कक्ष को सूचित करने की अपील की। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं मंदिर प्रबंधन समिति से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए श्रावणी मेला 2026 को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने का आह्वान किया।

30 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगा श्रावणी मेला, उमड़ेंगे श्रद्धालु

बैठक के उपरांत उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने बाबा आम्रेश्वर धाम मंदिर परिसर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए श्रावणी मेला को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया।

हत्या मामले में मुखिया पुत्र चढ़ा पुलिस के हत्थे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। जिले के चकमेहसी थाना क्षेत्र के नामापुर तरियापुर गांव में अवैध शराब कारोबारी प्रभात चौधरी और उसके सहयोगी सन्नी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस को पहली बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में नामजद आरोपी रमण ठाकुर, जो स्थानीय मुखिया का पुत्र बताया जा रहा है, को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, मृतक के पिता की शिकायत पर 14 नामजद और छह अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष जांच दल लगातार छापेमारी कर रही है। शुरूआती जांच में लेन-देन का विवाद, पुरानी रंजिश और वर्चस्व की लड़ाई जैसे कई पहलू सामने आए हैं। मृतक प्रभात चौधरी के पिता संजय चौधरी ने प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि मंगलवार शाम उनके पुत्र को एक युवक ने नामापुर तरियापुर गांव बुलाया था। वहां पहुंचते ही उस पर और उसके सहयोगी सन्नी पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गईं। घटनास्थल पर प्रभात की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल सन्नी को अस्पताल ले जाया गया। यहां पर इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

पुलिस ने मृतक के पिता के आवेदन पर 14 नामजद और छह अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। शिकायत में तीन लोगों पर हत्या की साजिश रचने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस सभी आरोपों की जांच कर रही है।

प्राथमिकी में यह भी उल्लेख किया गया है कि कुछ वर्ष पहले समस्तीपुर कोर्ट परिसर में प्रभात चौधरी पर जानलेवा हमला हुआ था। उस मामले में कई आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी। परिजनों ने आशंका जताई है कि पुराने विवाद से जुड़े कुछ लोगों की इस हत्याकांड में भी भूमिका हो सकती है।

स्वर्ण व्यवसायी को गोली मारकर लाखों की लूट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के औराई थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात बेखौफ अपराधियों ने एक स्वर्ण व्यवसायी को लूट का विरोध करने पर गोली मार दी गई है। वारदात के बाद बदमाश व्यवसायी के बैग में रखे करीब डेढ़ लाख रुपये लेकर फरार हो गए। घायल व्यवसायी का इलाज श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसकेएमसीएच) में जारी है। घटना के बाद से इलाके के स्वर्ण व्यवसायियों में दहशत का माहौल है। घायल व्यवसायी की पहचान महेशबारा गांव निवासी बबलू कुमार उर्फ बबलू साह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह अपनी सोना-चांदी की दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाया।

घायल बबलू साह ने बताया कि देर रात दुकान बंद कर घर लौटते समय बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें ओवरटेक कर रोक लिया और बैग देने को कहा। जब उन्होंने बैग देने से इनकार किया तो एक बदमाश ने हथियार निकालकर उनके ऊपर तान दिया। उन्होंने बताया कि विरोध करने पर बदमाश ने उनके पैर में गोली मार दी। गोली लगते ही वह सड़क पर गिर गए। इसके बाद दोनों आरोपी बैग लेकर मौके से फरार हो गए। बैग में करीब डेढ़ लाख रुपये रखे हुए थे। घटना की सूचना पुलिस और परिचितों को दी गई, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया है।

घटना की पुष्टि करते हुए एसडीपीओ (पूर्वी-1) आलय वत्स ने बताया कि पुलिस को मामले की सूचना मिलते ही जांच शुरू कर दी गई है। घायल का बयान दर्ज किया जा रहा है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। उन्होंने कहा कि अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

पुलिया टूटने से 90 गांवों का संपर्क भंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। नवादा जिले के रजौली प्रखंड के हरदिया पंचायत स्थित फुलवरिया डैम जाने वाले मार्ग पर वर्ष 1980 में ग्रामीणों के आवागमन के लिए पुलिया का निर्माण कराया गया था, जो कोडरमा-तिलैया रेलखंड पर निर्माण कार्य में लगे कंपनी के ओवरलोड वाहनों के गुजरने से टूट गया।

इस पुलिया के टूट जाने से ग्रामीणों, किसानों और स्कूली बच्चों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। साथ ही क्षेत्र की सिंचाई और नल-जल योजना भी ठप हो गई। बता दें कि यह पुलिया प्रखंड के दस पंचायत के करीब 90 गांव के ग्रामीणों का मुख्य रास्ता था। पुलिया के टूटने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है।

स्थानीय ग्रामीण जयेंद्र यादव उर्फ जालो यादव ने बताया कि हरदिया डैम की पुलिया का निर्माण 1980 में हुआ था। पिछले कुछ वर्षों से रेलवे कंस्ट्रक्शन कंपनियों के लोहे, बालू, सीमेंट और गिट्टी लदे ओवरलोडेड मालवाहक वाहन इसी

लोगों की बढ़ी मुसीबतें

रास्ते से बेरोकटोक गुजर रहे थे।

इसी दबाव के कारण पुलिया क्षतिग्रस्त होकर टूट गया। न्यू सिंगर निवासी विनोद राजवंशी ने कहा कि हादसे में कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन स्कूली बच्चों और ग्रामीणों का आवागमन 16 गांव की पूरी तरह बाधित हो गया है। लोगों को अब 3-4 किलोमीटर का चक्कर लगाकर दूसरे रास्ते से होकर आना-जाना पड़ रहा है।

हरदिया निवासी बीरेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिया के टूटने से किसानों की सिंचाई बाधित हो गई है। डैम नहर से निकलने वाला पानी खेतों तक नहीं पहुंच पा रहा है।

जिंदल में पदस्थापित पंप ऑपरेटर पंकज कुमार ने बताया कि पुलिया के बगल से ही डैम से सप्लाई मशीन तक जाने वाला मुख्य पाइप गुजरा है।

पुलिया क्षतिग्रस्त होने से बहुउद्देशीय जल परियोजना के तहत प्रखंड के 10 पंचायतों के 90 गांवों को मिलने वाली नल-जल योजना भी प्रभावित हुई है। पुलिया बनने तक ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि रेलवे निर्माण कंपनी के खिलाफ कार्रवाई कर क्षतिग्रस्त पुलिया का अविलंब निर्माण कराया जाए। साथ ही कंपनी से हजार्ना वसूलकर वैकल्पिक पेयजल और सिंचाई की व्यवस्था की जाए।

फुलवरिया डैम क्षेत्र के हरदिया , भौंर, रामडीहा, चौथा, प्रतौनिया, पिपरा, सूअरलेती, कुंभियतरी, चोरडीहा, दिलवा यदि दर्जनों गांव के लोग एकमात्र रास्ते पर निर्भर हैं। पुलिया के अभाव में न सिर्फ खेती प्रभावित हो रही है, बल्कि बच्चों की पढ़ाई और मरीजों को अस्पताल पहुंचने में भी परेशानी हो रही है।

इस संबंध में सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता निशांत सिंह ने बताया कि बीते शुक्रवार की रात रेलवे निर्माण में लगे एक मालवाहक वाहन के गुजरने से पुलिया की दीवार क्षतिग्रस्त हुई थी।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो जी 77 पावर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची । मोटोरोला ने नए मोटो जी 77 पावर के लॉन्च की घोषणा की। मोटो जी 77 पावर का अग्रणी प्रो-ग्रेड 50 एमपी सोनी लिटिया 600 कैमरा सिस्टम है और मुख्य कैमरे के साथ ही इसमें एक 8 एमपी का अल्ट्रा-वाइड लेंस दिया गया है। मोटो जी 77 में 6.72 इंच का इमर्सिव फुल एचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है, जो 120 हर्ट्ज के स्मूथ रिफ्रेश रेट के साथ आता है। इसमें 7000 एमएएच की विशाल बैटरी दी गई है। इसमें वॉल्यूम बूस्ट और डॉल्बी एटमॉस के साथ शक्तिशाली डुअल स्टीरियो स्पीकर्स दिए गए हैं। मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर टी एम नरसिम्हन ने कहा कि उपभोक्ता स्मार्टफोन कैमरों को अधिक महत्व दे रहे हैं, क्योंकि वे अपने रोजमर्रा के पलों को कैप्चर करने, क्रिएट करने और शेयर करने के लिए तेजी से इन पर निर्भर हो रहे हैं।

मोटो जी 77 पावर इन-बिल्ट 8 जीबी प्लस 128 जीबी वेरिएंट में उपलब्ध होगा और पैनटोन क्यूरेटेड कलर ऑप्शन्स में आएगा, जिसमें पैनटोन फुशिया रेड, पैनटोन नॉटिकल ब्लू और पैनटोन इम्पेनिट्रेबल शामिल हैं। यह स्मार्टफोन भारत भर में फ्लिपकार्ट, मोटोरोला डॉट इन और प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होगा। उपभोक्ता एक एक्सक्लूसिव जियो ऑफर का भी लाभ उठा सकते हैं।

करंट से युवक की मौत

बेगूसराय। जिले के तेघड़ा नगर परिषद के वार्ड संख्या-28 स्थित मधुरापुर बिचला टोले में शनिवार की सुबह करंट लगने से 23 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब वह घर से करीब 100 मीटर दूर स्थित गोशाला में मवेशियों की देखभाल करने पहुंचा था। संयोग से अगले दिन उसके चचेरे दादा रामप्रीत सिंह का दशकर्म होना था, लेकिन उससे पहले ही घर में मातम पसर गया।

मनरेगा की योजनाओं में मिली अनियमितता, प्राथमिकी

मुखिया, पीओ सहित कई पर जुर्माना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सारण। जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के क्रियान्वयन में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की संयुक्त जांच टीम की रिपोर्ट के आधार पर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराने, 3.21 लाख रुपये की रिकवरी, संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों पर जुमार्ना लगाने और दो मेट का निबंधन रद्द करने का आदेश दिया है।

जिला प्रशासन के अनुसार, ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देश पर 13 जून 2026 को संयुक्त टीम ने सारण जिले के सदर प्रखंड की मौना और लोहड़ी पंचायत तथा सोनपुर प्रखंड की नयागांव पंचायत में संचालित मनरेगा योजनाओं का औचक निरीक्षण किया। टीम ने कार्यस्थलों पर मौजूद मजदूरों से कराए गए कार्य और नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम में दर्ज ऑनलाइन उपस्थिति का मिलान किया। जांच में कई स्थानों पर डिजिटल रिकॉर्ड और वास्तविक स्थिति में बड़ा अंतर मिला। इसके बाद डीआरडीए और मनरेगा के तकनीकी अधिकारियों ने विस्तृत जांच की गई, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई।

सबसे गंभीर अनियमितता सदर प्रखंड की मौना पंचायत के ग्राम जमुना स्थित बदरी राय के खेत से फटा पीपल तक पईन सफाई योजना में सामने आई। करीब 4.88 लाख रुपये की इस योजना में 3.21 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका था, लेकिन जांच में भुगतान के अनुरूप कार्य नहीं मिला। निरीक्षण के दौरान कार्यस्थल पर 22 मजदूर मौजूद थे, जबकि उनकी उपस्थिति एनएमएमएस ऐप पर दर्ज नहीं थी। जांच टीम ने आशंका जताई कि निरीक्षण की सूचना मिलने के बाद मजदूरों को जल्दबाजी में बुलाया गया।

इस मामले में कार्यक्रम पदाधिकारी, संबंधित मुखिया, पंचायत तकनीकी सहायक सत्येंद्र यादव, कनीय अभियंता सुहैल अख्तर नोमानी और पंचायत रोजगार सेवक अंजय कुमार से संयुक्त रूप से 3,21,703 रुपये की रिकवरी का आदेश दिया गया है। साथ ही पंचायत तकनीकी सहायक, पंचायत रोजगार सेवक और संबंधित मेट के खिलाफ फर्जी एनएमएमएस उपस्थिति दर्ज करने तथा सरकारी राशि के दुरुपयोग के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया गया। इस संबंध में मुफस्सिल थाना में कांड संख्या 495/26 दर्ज हो चुका है।

मौना पंचायत की लालू सिंह के खेत से बबलू प्रसाद के खेत तक पईन सफाई योजना में भी गड़बड़ी मिली। योजना को दो जून 2026 से संचालित दिखाया गया था, लेकिन मौके पर कोई कार्य नहीं मिला।

पुलिस-मुठभेड़ में अपराधी जख्मी

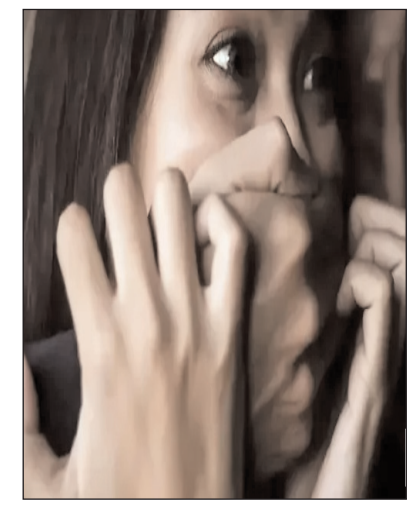
बांका। जिले के अमरपुर थाना क्षेत्र के बलिया गांव के पास हुए दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी सचिन सिंह का पुलिस के साथ मुठभेड़ (एनकाउंटर) हुआ है।

गौरतलब है कि 5 जुलाई को बलिया गांव के पास धर्मराय गांव निवासी सिद्धू सिंह और गुंजन सिंह की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में दो लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। इनमें से एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था, जबकि दूसरा आरोपी सचिन सिंह फरार चल रहा था।

मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष जांच टीम बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में लगातार छापेमारी कर रही थी। पुलिस ने शुक्रवार देर रात सचिन सिंह को रांची से गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद हथियार की बरामदगी के दौरान आरोपी ने भागने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें सचिन सिंह के पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी को इलाज के लिए भागलपुर भेजा गया है।

गाय चराने निकली 40 वर्षीया के साथ दुष्कर्म

विरोध करने पर पीड़िता के साथ मारपीट, भर्ती



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। ग्रामीण इलाके में खेत-खलिहान और बहियार में अकेले काम करने वाली महिलाओं की सुरक्षा एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। सिकंदरा थाना क्षेत्र के एक गांव में गाय चराने गई 40 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है।

विरोध करने पर महिला के साथ मारपीट किए जाने का भी आरोप है। पुलिस ने पीड़िता के फर्द बयान पर केस दर्ज कर आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी है। बताया जाता है कि, शुक्रवार की दोपहर करीब तीन बजे महिला गांव के बघमारा बहियार में गाय चरा रही थी।

आरोप है कि इसी दौरान पोहे गांव निवासी प्रहलाद मांझी, जो कथित रूप से नशे की हालत में था, वहां पहुंचा और महिला को जबरन झाड़ियों की ओर ले जाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई, जिससे वह घायल हो गई।

महिला के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े। लोगों को आता देख आरोपी फरार हो गया। सूचना पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकंदरा ले गई।

प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। शनिवार को पीड़िता का सिकंदरा थाना में फर्द बयान दर्ज किया गया, जिसके आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है।

थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि आरोपित की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चढ़ावा लूटने वालों को बेनकाब करेगी कांग्रेस : मिट्ठू

गयाजी। अयोध्या के विराट राम मंदिर में रामलला के भक्तों द्वारा अर्पित किए गए दान और चढ़ावे की चोरी पूरे संसार के सनातनियों को झकझोर कर रख दिया है। धर्म के नाम पर राजनीतिक करने वालों के राज में भगवान के घर में ही आस्था पर सरेआम डाका डाला जा रहा है।

इस महापाप और महाघोटाले के खिलाफ अखिल भारतीय कॉंग्रेस कमिटी के आह्वान पर बिहार के गयाजी में बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष दामोदर गोस्वामी, बाबूलाल प्रसाद सिंह, टिंकू गिरी, दीपू लाल भैया, पंडित विश्व विजय सिंह, राम लखन भगत, अमरजीत कुमार, डी एन पी शर्मा आदि ने आक्रमक रुख अपनाते हुए मोक्ष एवं ज्ञान की धरती गयाजी में लगातार चरणबद्ध आंदोलन के तहत धरना-प्रदर्शन, पुतला दहन के साथ-साथ आगे रामायण सर्किट गयाजी के सीता कुंड मंदिर परिसर में रथ यात्रा के दिन 16 जुलाई को गयाजी से अयोध्या श्रीराम मंदिर तक की चढावा चोरी उजागर यात्रा करने पर विस्तृत विचार विमर्श कर उसकी भी तिथि निश्चित की जायेगी , आगे पहले से ही 09 अगस्त भारत छोड़ो आंदोलन के दिन दिल्ली कूच करने का भी कार्यक्रम है।

झारखण्ड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा के आयोजन को लेकर बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में 19 जुलाई को आयोजित होने वाली झारखण्ड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में बनाए गए 12 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का निष्पक्ष, कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सफल संचालन सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने बताया कि परीक्षा का आयोजन तीन पालियों में किया जाएगा। उन्होंने सभी केंद्राधीक्षकों को झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों एवं मानक संचालन प्रक्रिया का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा की गोपनीयता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन जांच, पहचान सत्यापन, समय पर प्रवेश, बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। किसी भी प्रकार के



कदाचार अथवा अनियमितता को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए तथा सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित पदाधिकारी आयोग के दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः पालन करते हुए परीक्षा का सफल, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी आयोजन सुनिश्चित करें, ताकि अभ्यर्थियों को निष्पक्ष वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में अपर समाहर्ता-सह-परीक्षा नोडल पदाधिकारी सुषमा लकड़ा सहित सभी केंद्राधीक्षक एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सखी वार्ता आयोजित

कोड़ा। महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से डीएचईडब्ल्यू एवं डब्ल्यूसीडीसी कटिहार की ओर से मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत कोढ़ा स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में 'सखी वार्ता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ऊषा किरण ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले से पहुंचे लैंगिक विशेषज्ञ राजेश कुमार महतो एवं वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ निधि कुमारी ने आंगनबाड़ी सेविकाओं को केंद्र एवं राज्य सरकार की महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के उद्देश्यों, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। लैंगिक विशेषज्ञ राजेश कुमार महतो ने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं तथा कानूनी संरक्षण की जानकारी देना मिशन शक्ति अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा(नालंदा)। नगरनौसा डिग्री कॉलेज को लेकर हुए विवाद के दौरान पुलिस पर पथराव और फायरिंग के मामले में नगरनौसा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में नगरनौसा निवासी दिनेश प्रसाद के पुत्र दीपक कुमार एवं अर्जुन साव के पुत्र विक्रम कुमार शामिल है। पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर रही है, जबकि मामले में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। थानाध्यक्ष शशि रंजन कुमार मिश्रा ने बताया कि डिग्री कॉलेज विवाद के दौरान हुई हिंसक घटना में पुलिस पर पथराव तथा फायरिंग का भी मामला दर्ज किया गया है। मामले में वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार के साथ उपद्रव के दौरान ड्रोन कैमरे से बनाए गए वीडियो फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल किसी भी आरोपित को बख्शा नहीं जाएगा और सभी के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आरक्षण रोस्टर के गणित में जुटे भावी प्रत्याशी और समर्थक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। जहानाबाद जिले में पंचायत चुनाव की औपचारिक घोषणा भले अभी नहीं हुई हो, लेकिन गांवों की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। प्रशासन की ओर से जनसंख्या संबंधी आंकड़े जारी होने के बाद संभावित प्रत्याशी और उनके समर्थक आरक्षण रोस्टर के गणित में जुट गए हैं।

पंचायतों में सबसे बड़ा सवाल यही है कि इस बार किस पद पर किस वर्ग के लिए आरक्षण लागू होगा और किसे चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा। इसी को लेकर चौपालों से लेकर बाजार तक चर्चाओं का दौर तेज है।

संभावित उम्मीदवार जारी जनसंख्या आंकड़ों का अध्ययन कर अपने-अपने स्तर पर सीटों के आरक्षण का अनुमान लगा रहे हैं। कई पंचायतों में पिछले चुनावों के रोस्टर और इस बार की संभावनाओं की तुलना की जा रही है।

विशेष रूप से उन पंचायतों में उत्सुकता ज्यादा है, जहां पिछले दो चुनावों से लगातार एक ही वर्ग के लिए सीट आरक्षित रही है। ऐसे क्षेत्रों में इस बार बदलाव की संभावना को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं।

यदि किसी पंचायत में पिछली बार कोई सीट महिला वर्ग के लिए आरक्षित थी, तो चक्रानुक्रम यानी रोटेशन प्रणाली के तहत इस बार वह पुरुष वर्ग के लिए हो सकती है। इसी तरह अन्य आरक्षित श्रेणियों में भी बदलाव संभव माना जा रहा है।

आरक्षण के संभावित बदलाव ने कई नए चेहरों को चुनावी तैयारी शुरू करने का मौका दिया है, जबकि कुछ पुराने दावेदारों की चिंताएं भी बढ़ गई हैं।

आरक्षण की तस्वीर साफ होने से पहले ही संभावित उम्मीदवारों ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। सामाजिक कार्यक्रमों, पारिवारिक आयोजनों और गांव के छोटे-बड़े आयोजनों में उनकी सक्रियता बढ़ गई है। कई दावेदार बिना निमंत्रण के भी सुख-दुख के कार्यक्रमों में पहुंच रहे हैं और ग्रामीणों के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। पंचायत चुनाव की आहट के साथ गांवों में राजनीतिक माहौल गमार्ने लगा है।

आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया में आयोग सबसे पहले अनुसूचित जाति और अन्य आरक्षित वर्गों की आबादी का आकलन करता है।

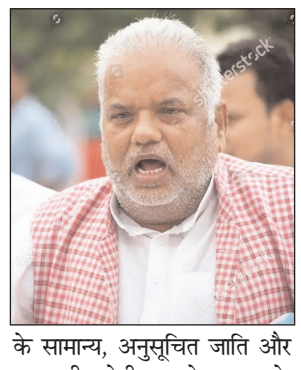
जिन पंचायतों या वार्डों में निर्धारित सीमा से अधिक संबंधित वर्ग की आबादी होती है, वहां प्राथमिकता के आधार पर सीट आरक्षित की जाती है।

इसके बाद अन्य वर्गों के लिए आरक्षण तय होता है और अंत में सामान्य वर्ग की सीटों का निर्धारण किया जाता है। पूरी प्रक्रिया आयोग के निर्धारित नियमों और चक्रानुक्रम प्रणाली के तहत पूरी की जाती है।

ग्रामीण आजीविका मिशन को मिली 8.33 करोड़ की मंजूरी, कौशल विकास को रफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत दीनदयाल उपाध्याय-ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई) के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 8.33 करोड़ रुपये (833.33 लाख रुपये) जारी करने तथा इसके व्यय की स्वीकृति दे दी गई है। इससे राज्य में ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास, रोजगार और आजीविका संवर्द्धन कार्यक्रमों को नई गति मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण विकास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने शनिवार को बताया कि स्वीकृत राशि में केंद्रांश



के सामान्य, अनुसूचित जाति और जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना मद के तहत 5 करोड़ रुपये (500 लाख रुपये) तथा 60:40 के अनुपात में देय 3.33 करोड़ रुपये (333.33 लाख रुपये) राज्यांश शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत यह योजना वर्ष 2011-12 से संचालित है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवारों को आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना, युवाओं को रोजगार योग्य कौशल प्रदान करना, स्वरोजगार को प्रोत्साहित करना तथा आजीविका संवर्द्धन से जोड़ना है। श्रवण कुमार ने कहा कि योजना का प्रमुख लक्ष्य ग्रामीण युवाओं को बेरोजगारी से बाहर निकालकर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराना और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार द्वारा शुरू की गई इस मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि स्वीकृत राशि से दीनदयाल उपाध्याय-ग्रामीण कौशल योजना का क्रियान्वयन और अधिक प्रभावी होगा तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण युवाओं को इसका लाभ मिलेगा।

बांकीपुर में प्रशांत किशोर के समर्थन में अर्चना चंद्र और रंजन सिंह का जनसंपर्क

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



पटना। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में जन सुराज के प्रत्याशी प्रशांत किशोर के समर्थन में जनसंपर्क अभियान लगातार तेज हो रहा है। शनिवार को जन सुराज नेत्री एवं बरून प्रखंड की पूर्व प्रमुख अर्चना चंद्र यादव ने रंजन कुमार सिंह के साथ क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में व्यापक जनसंपर्क कर लोगों से संवाद किया और पार्टी के पक्ष में समर्थन मांगा। अर्चना चंद्र यादव ने कहा कि यह चुनाव केवल एक विधानसभा क्षेत्र का चुनाव नहीं, बल्कि बिहार में बदलाव का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से राज्य की जनता बेहतर शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार, भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था और पारदर्शी शासन की अपेक्षा कर रही है। ऐसे में लोगों के पास नई सोच और नई राजनीति को समर्थन देने का अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर विकास, सुशासन और जनभागीदारी की राजनीति को आगे बढ़ाने का संकल्प लेकर जनता के बीच हैं। यदि जनता उन्हें अवसर देती है तो बांकीपुर के साथ-साथ बिहार की राजनीति में भी सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा। जनसंपर्क अभियान के दौरान अर्चना चंद्र यादव और रंजन कुमार सिंह ने घर-घर जाकर मतदाताओं से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और जन सुराज की नीतियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने लोगों से आगामी चुनाव में प्रशांत किशोर के पक्ष में मतदान कर बदलाव की इस मुहिम को मजबूत बनाने की अपील की। अर्चना चंद्र यादव ने कहा कि बिहार के युवाओं, महिलाओं, किसानों और आम नागरिकों की आकांक्षाओं को केंद्र में रखकर राजनीति करने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य की जनता इस बार विकास, जवाबदेही और नई राजनीतिक संस्कृति के पक्ष में अपना निर्णय देगी।

पर्यावरण मंत्री ने 24 नवनियुक्त वन क्षेत्र पदाधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने अरण्य भवन के सभागार में 24 नवनियुक्त वन क्षेत्र पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में विभागीय मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद ने नव नियुक्त अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए राज्य की प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरणीय चुनौतियों के बढ़ते संकट के बीच वन क्षेत्र पदाधिकारियों की जिम्मेदारी और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मंत्री ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिकारियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर ने नव नियुक्त अधिकारियों को संबोधित करते हुए विभाग के कार्यों और दायित्वों को पांच खंडों में विभक्त कर वन क्षेत्र पदाधिकारियों की भूमिका को विस्तार से स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों के बढ़ते आयामों को देखते हुए अधिकारियों को स्वयं को तदनुरूप तैयार करना होगा। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त किया कि नव नियुक्त अधिकारी नवीन तकनीकों, वैज्ञानिक प्रबंधन, ईको-पर्यटन और जनसहभागिता के माध्यम से राज्य के वन संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख) अरविंदर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वन क्षेत्र पदाधिकारी विभाग की अग्रिम पंक्ति के अधिकारी होते हैं और विभागीय कार्यों के निर्वहन में उनकी भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों से सेवा में अनुशासन, सत्यनिष्ठा, संवेदनशीलता और व्यावसायिक उत्कृष्टता बनाए रखने का आहवान किया तथा विभाग की गौरवशाली परंपराओं के अनुरूप कार्य करने की प्रेरणा दी। इस मौके पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कैम्पा) सुरेन्द्र सिंह, मुख्य वन संरक्षक (आईटी) एस चन्द्रशेखर, विशेष सचिव आलोक कुमार एवं अन्य वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

80 से अधिक उम्र के नागरिक अब घर बैठे करा सकेंगे संपत्ति का निबंधन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण डिजिटल पहल शुरू की है। अब 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नागरिक घर बैठे जमीन, प्लॉट या फ्लैट का निबंधन करा सकेंगे। हाजीपुर के निबंधन कार्यालय से शनिवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग की इस नई व्यवस्था का शुभारंभ किया। यह सुविधा सात निश्चय-3 के अंतर्गत 'सबका सम्मान, जीवन आसान' कार्यक्रम के तहत शुरू की गई है। इस संवेदनशील पहल से बुजुर्गों को अब निबंधन कार्यालय जाने, लंबी लाइन में खड़े होने या यात्रा की परेशानी नहीं होगी। वे अपनी सुविधा अनुसार घर पर ही निबंधन करा सकेंगे।

ई-निबंधन पोर्टल पर होगा स्लॉट बुक

घर बैठे निबंधन कराने के लिए वरिष्ठ नागरिकों को सबसे पहले विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन स्लॉट बुक करना होगा। स्लॉट मिलने के बाद मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट तय तारीख और समय पर आवेदक के घर पहुंचेगी। वहां दस्तावेजों का सत्यापन, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन और त्वरित निबंधन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मोबाइल यूनिट में इंटरनेट युक्त लैपटॉप, बायोमेट्रिक डिवाइस, वेबकैम और आधार प्रमाणीकरण की व्यवस्था रहेगी। निबंधन प्रक्रिया होने के बाद दस्तावेजों का पीडीएफ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से भेज दिए जाएंगे। यह सुविधा पूरी तरह वैकल्पिक है। इच्छुक बुजुर्ग पुरानी व्यवस्था के तहत निबंधन कार्यालय में जाकर भी निबंधन करा सकते हैं।

स्लॉट बुकिंग के लिए आधार अनिवार्य

स्लॉट बुकिंग के समय नागरिकों को आधार कार्ड की फोटो अपलोड करनी होगी जिससे आयु की पुष्टि की जाएगी। पूरी प्रक्रिया अत्यंत सुरक्षित, पारदर्शी और डिजिटल है। फिलहाल यह सुविधा पटना और हाजीपुर के 10 निबंधन कार्यालयों में शुरू की गई है। शीघ्र ही इसे पूरे राज्य में विस्तार दिया जाएगा। विभाग ने पेपरलेस निबंधन की भी शुरुआत की है। ई-निबंधन सॉफ्टवेयर से दस्तावेज तैयार होंगे, शुल्क की स्वचालित गणना, ई-चालान, ई-स्टांप और आधार आधारित ई-साइन की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा निबंधन से पहले खरीदार को संपत्ति की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। यदि कोई जानकारी चाहिए तो अंचल अधिकारी या राजस्व अधिकारी 10 दिनों के अंदर विवरण देंगे। विभाग ने जीआईएस तकनीक से स्थल निरीक्षण की व्यवस्था भी शुरू कर दी है।

यह कहना है लोगों का...

शेखपुरा निवासी सर्वनंदन कुमार ने सरकार की बुजुर्ग नागरिकों की सहूलियत वाले कदम की सराहना की। उन्होंने इस व्यवस्था को बुजुर्गों के लिए वरदान बताया और कहा कि उम्र बढ़ने के बाद लंबा सफर तय करना, कार्यालयों में लाइन लगाना और शारीरिक परेशानी होती है जो घर बैठे निबंधन कराने से नहीं होगी। फुलवारी शरीफ के गंजा चक मोहमद्दपुर गांव निवासी शिवकुमार सिंह ने कहा कि बुजुर्गों को आने-जाने में बहुत दिक्कत होती है। साथ ही सफर करने से उनके तबियत पर भी असर हो सकता है। घर बैठे निबंधन की यह सुविधा मिलने से उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। यह योजना वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और सुविधा के लिए उचित है। वैशाली के पातेपुर पंचायत निवासी रातिब कुमार ने कहा कि यह ऐतिहासिक कदम है। इससे वृद्ध लोगों को काफी सुविधा होगी। उन्हें लाइन में लगने और कार्यालय के इंतजार करने जैसी तमाम परेशानियों से छुटकारा मिल गया है। सरकार के इस उल्लेखनीय कदम के दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। हाजीपुर के रहने वाले अशर्फी सिंह ने सरकार के इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे निबंधन कार्यालय में बड़ी सहूलियत मिलेगी। वृद्धजनों को बड़ी राहत मिलेगी और उन्हें घर बैठे ही तमाम सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी से निकलेगी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

रथ की रस्सी को स्पर्श करने से जन्म-मृत्यु के चक्र से बाहर निकलने के योग्य हो जाता : रणवीर नंदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद की ओर से आषाढ़ शुक्ल द्वितीया गुरुवार 16 जुलाई को गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी से भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकलेगी। इस संबंध में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष पूर्व विधान पार्षद प्रोफेसर रणबीर नंदन ने बताया कि बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद की ओर से रथयात्रा का समय 3 बजे निर्धारित है। रथयात्रा की आरती और झाड़ू लगाकर शुरुआत करने के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को आमंत्रित किया गया है। बिहार राज्य धार्मिक न्यास



पर्षद की ओर से आयोजित गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी से निकलने वाली रथयात्रा की तैयारी में श्री राधा कुंज बिहारी मठ के संत-महात्मा लगे हुए हैं। भगवान जगन्नाथ के साथ बलदेव व सुभद्रा के काष्ठ का विग्रह जगन्नाथपुरी से आया है जबकि 40 फीट ऊंचा हाइड्रोलिक रथ बेगूसराय से मंगाया गया है। इसकी जागरूकता के लिए 14 से 15 जुलाई तक दिन के तीन बजे से संध्या 6 बजे तक गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में भगवान जगन्नाथ की महाकथा होगी। जगन्नाथ महकथा के मंच पर भगवान का उत्सव विग्रह मौजूद रहेगा। परमपूज्य भक्ति प्रमोद भागवत स्वामी महाराज कथा सुनाएंगे। वही 16 जुलाई को जगन्नाथ महाकथा एक से ढाई बजे तक होगी। महाकथा के बाद हरदिन भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया जाएगा। पूजा-आरती के बाद 3 बजे से रथयात्रा निकलेगी जो गर्दनीबाग, मीठापुर, अनीसाबाद, कच्ची तालाब, बेउर मोड़ होते हुए वापस गर्दनीबाग ठाकुरवाड़ी पहुंचेगी। वहां भगवान की आरती के बाद भगवान को छप्पन भोग प्रसाद अर्पित करने के बाद विशाल भंडारा का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणवीर नंदन ने बताया कि रथयात्रा के लिए बंगाल के मायापुर के मृदंग वादक और वृंदावन की कीर्तन मंडली मुख्य आकर्षण होंगे। प्रो रणबीर नंदन ने कहा कि शास्त्रों में कहा गया है कि जो व्यक्ति एक बार भगवान जगन्नाथ को रथ पर विराजमान देखता है या रथ की रस्सी को स्पर्श करता है वह जन्म मृत्यु के चक्र से बाहर निकलने के योग्य हो जाता है। रथ खींचने का अर्थ है कि जीवन को भगवान की इच्छा के अनुसार चलाने का संकल्प लें। पुराणों में वर्णित है कि जो श्रद्धा और भक्ति से भगवान के रथ को खींचता है, उसके कई जन्मों के पापकर्म क्षीण होते हैं। रथयात्रा में कोई रथ खींचता है, कोई कीर्तन करता है, कोई प्रसाद बांटता है, कोई सफाई करता है, कोई जल सेवा करता है। वैष्णव दर्शन के अनुसार भगवान की सेवा का प्रत्येक रूप आध्यात्मिक उन्नति का साधन है।

'हुनर की उड़ान' कविता से युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का संदेश : डॉ. आनंद रंजन झा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/वैशाली। प्रख्यात शिक्षाविद् एवं समाजसेवी डॉ. आनंद रंजन झा द्वारा रचित प्रेरणादायक कविता 'हुनर की उड़ान' आज युवाओं के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। यह कविता केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि युवाओं को शिक्षा, कौशल, आत्मविश्वास और निरंतर संघर्ष के माध्यम से सफलता प्राप्त करने का प्रेरक संदेश देती है। कविता में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि सफलता केवल भाग्य से नहीं, बल्कि कठिन परिश्रम, ज्ञान और कौशल के समन्वय से प्राप्त होती है। डिजिटल युग में तकनीकी शिक्षा और कंप्यूटर कौशल की बढ़ती आवश्यकता को भी कविता



में प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा कि आज का समय केवल डिग्री प्राप्त करने का नहीं, बल्कि स्वयं को कौशलयुक्त बनाने का है। उन्होंने युवाओं से आहवान किया कि वे मोबाइल और सोशल मीडिया पर समय व्यर्थ करने के बजाय अपनी ऊर्जा शिक्षा, तकनीकी ज्ञान और व्यक्तित्व विकास में लगाएं। उन्होंने कहा कि 'हुनर की उड़ान' का उद्देश्य हर युवा के भीतर आत्मविश्वास जगाना और उसे अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करना है। कविता का संदेश है कि संघर्ष से घबराने के बजाय उसे सफलता की पहली सीढ़ी माना जाए।

कविता की अंतिम पंक्तियां

'हर हाथ में हुनर हो, हर आंख में अरमान,
यही है नए भारत की सच्ची पहचान।
ज्ञान बने शक्ति, कौशल बने सम्मान,
यही है सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण।'

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के स्कूलों के लिए शिक्षा विभाग की विशेष तैयारी

शिक्षा विभाग ने अधिकारियों को पत्र भेज कार्रवाई सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। शिक्षा विभाग ने बाढ़ से प्रभावित होने वाले विद्यालयों की पहचान कर बाढ़ आने से पूर्व सभी तैयारियां पूर्ण कर लेने का आदेश दिया है। इसको लेकर शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों के पास पत्र भेजा है। शिक्षा विभाग ने कहा है कि जो विद्यालय बाढ़ से प्रभावित रहते हैं उन विद्यालयों के अभिलेख, शिक्षण सामग्री और उपकरण सुरक्षित स्थान पर रखा जाए जिन विद्यालयों में राहत शिविर लगाने की संभावना हो, वहां पढ़ाई के लिए वैकल्पिक स्थान की पूर्व योजना बनाई जाए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री विदयालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को बाढ़ के दौरान क्या करें और क्या न करें की नियमित जानकारी दी जाए। विद्यार्थियों और अभिभावकों को पठन-पाठन सामग्री सुरक्षित रखने के प्रति जागरूक किया जाए। राहत शिविर में रहने वाले बच्चों के लिए प्रतिदिन 3 से 4 घंटे की पठन-पाठन, खेलकूद और ज्ञानवर्धक गतिविधियों की व्यवस्था की जाए। बच्चों को बाढ़ से बचाव, डूबने से सुरक्षा एवं नाव सुरक्षा संबंधित जानकारी दी जाए। वहीं विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों की सुरक्षा एवं उचित देखभाल हो। राहत शिविरों में बच्चों को पोषण, स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल एवं हाथ धोने जैसी आदतों पर विशेष ध्यान देने, विद्यालयों में मध्याह्न भोजन के लिए पर्याप्त खाद्यान और गैस सिलेंडर की व्यवस्था करने, सभी विद्यालयों में प्राथमिक चिकित्सा किट उपलब्ध कराने आदि का निर्देश दिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग ने रेफरल व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जारी किए दिशा-निर्देश

मरीजों को निकटतम सरकारी अस्पतालों में बेहतर उपचार सुनिश्चित कराने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं मरीज-केंद्रित बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के लिए रेफरल व्यवस्था को मजबूत करने संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह पहल सात निश्चय-3 के अंतर्गत संचालित 'सुलभ स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन' संकल्प को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों को उनके निकटतम सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में ही गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध हो तथा अनावश्यक रेफरल पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत द्वारा समीक्षा बैठकों के दौरान स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि मरीजों को बिना पर्याप्त कारण उच्च संस्थानों के लिए रेफर नहीं किया जाए। स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार जिला अस्पतालों एवं अन्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों, विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा आधुनिक सुविधाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को अपने जिले में ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सके। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी नए दिशा-निर्देश इन्हीं निर्देशों को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री कुमार रवि द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना और केवल आवश्यकता पड़ने पर ही उच्च संस्थानों में रेफर करना सुनिश्चित करने की व्यवस्था सभी सिविल सर्जन द्वारा किया जाना है। मरीजों का पंजीकरण, चिकित्सकीय परामर्श, जांच, दवा, रेफरल एवं उपचार संबंधी सभी विवरण पोर्टल पर उपलब्ध रहेंगे। निर्देशों में सभी जिला अस्पतालों में सात दिनों के भीतर इमरजेंसी सेवाओं के प्रभावी संचालन, चिकित्सकों एवं पारा मेडिकल कर्मियों के पोर्टल पर पंजीकरण, ड्यूटी रोस्टर की ऑनलाइन प्रविष्टि तथा सभी उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं की अद्यतन जानकारी दर्ज करने को अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही मरीज को रेफर करने से पूर्व संबंधित चिकित्सक को यह सुनिश्चित करना होगा कि आवश्यक चिकित्सा सुविधा संबंधित संस्थान में उपलब्ध नहीं है। प्रत्येक रेफरल का स्पष्ट कारण दर्ज करना अनिवार्य होगा। रेफरल व्यवस्था की निगरानी के लिए प्रत्येक जिले में जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण समिति का गठन किया गया है।

इकोटूरिज्म से बदलेगी बिहार की तस्वीर, निवेशकों को खुला आमंत्रण

जलाशयों-झीलों को पर्यटन हब बनाने की तैयारी, बिहार इकोटूरिज्म में 50 करोड़ तक का निवेश आमंत्रित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में इकोटूरिज्म के सुनियोजित विकास और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए 13 जुलाई को पटना के होटल मौर्या में 'इकोटूरिज्म इन्वेस्टर्स मीट' का आयोजन किया जा रहा है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से आयोजित इस सम्मेलन के माध्यम से प्रदेश के 29 जलाशयों तथा 247 तालाबों, पोखरों, झीलों एवं आर्द्रभूमियों पर इकोटूरिज्म आधारित परियोजनाओं के विकास के लिए देशभर के इच्छुक निवेशकों को आमंत्रित किया गया है। विभाग राज्य की प्राकृतिक संपदा को पर्यटन के साथ जोड़कर सतत विकास, संरक्षण और स्थानीय आर्थिक सशक्तिकरण का लक्ष्य रखा है। विभाग पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत निजी निवेश को प्रोत्साहित कर रहा है। चयनित निवेशकों को परियोजनाओं के विकास के लिए संबंधित स्थल 30 वर्ष की लीज पर उपलब्ध कराए जाएंगे। परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सभी आवश्यक विभागीय अनुमतियां समयबद्ध तरीके से दी जाएंगी तथा वित्तीय व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग के माध्यम से वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी। परियोजनाओं को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है। ग्रुप-ए में जलाशय आधारित इकोटूरिज्म परियोजनाएं शामिल हैं जबकि ग्रुप-बी में तालाब, पोखर, झील एवं अन्य जल निकाय आधारित परियोजनाएं रखी गई हैं।

ग्रुप-ए की परियोजनाओं के लिए प्रति स्थल न्यूनतम 10 करोड़ रुपये का वार्षिक टर्नओवर अनिवार्य होगा। एक से अधिक स्थलों के चयन की स्थिति में यह सीमा बढ़ेगी, लेकिन अधिकतम 50 करोड़ रुपये तक सीमित रहेगी। ग्रुप-बी के लिए प्रति स्थल न्यूनतम 2 करोड़ रुपये का वार्षिक टर्नओवर निर्धारित है जिसकी अधिकतम सीमा 10 करोड़ रुपये रखी गई है। वर्तमान में भीमबांध वाइल्डलाइफ सेंचुरी में इकोटूरिज्म परियोजना के लिए आरएफपी जारी किया गया है जिसकी अंतिम तिथि 28 जुलाई है। अन्य परियोजनाओं के लिए ईओआई भी आमंत्रित किए गए हैं। विदित हो कि बीते 24 मई 2026 को विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इन परियोजनाओं की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई थी। बैठक में बताया गया कि राज्य के 29 जलाशयों और 247 अन्य जल निकायों को इकोटूरिज्म विकास के लिए चिन्हित किया गया है। बैठक में बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के सचिव अनिल कुमार, सीकेसीपीएल आर्किटेक्ट्स के निदेशक शोभित राज, बिहार होटल्स के वरिष्ठ सलाहकार एस. पी. सिन्हा, होटल मौर्या की वाइस प्रेसिडेंट ऋचा सिन्हा, बीएआई के स्टेट चेयरमैन मणिकांत, लेमन ट्री होटल के मनीष कुमार सहित लगभग 25 निवेशकों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

एआई की अनिवार्य पढ़ाई से खुलेंगे वैश्विक रोजगार : कन्हैया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ कन्हैया सिंह ने कहा है कि बिहार के विश्वविद्यालयों के अंतर्गत आने वाले सभी 268 अंगीभूत कॉलेजों और नवसृजित 211 राजकीय डिग्री महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण को अनिवार्य किए जाने का निर्णय ऐतिहासिक है। शनिवार को जारी बयान में भाजपा नेता ने कहा कि यह एक अत्यंत दूरदर्शी और युगांतकारी कदम है। इस ऐतिहासिक नीतिगत फैसले से बिहार के उच्च शिक्षा जगत में एक क्रांतिकारी बदलाव आएगा जिससे हमारे राज्य के विद्यार्थियों में रोजगार की असीम नई संभावनाएं पैदा होंगी।

राम मंदिर चंदा चोरी मामले पर प्रधानमंत्री मौन क्यों : सांसद उज्ज्वल रमण सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राम मंदिर चंदा चोरी मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार मौन धारण किए हुए जबकि ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री की देखरेख में हुआ तो इस मामले में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्हें अपनी जवाबदेही स्पष्ट करनी चाहिए। इस मामले में यदि कोई गड़बड़ी नहीं हुई है तो फिर राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े चंपत राय बंसल और अनिल मिश्र ने इस्तीफा क्यों दिया? चंदा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट के सीटिंग जज के निगरानी में स्वतंत्र जांच की मांग से फिर ट्रस्ट से जुड़े लोग और सरकार डर क्यों रही है? ये बातें प्रयागराज से कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा। लोकसभा



सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भगवान राम के नाम पर जुटाया गया चंदा भी बीजेपी-आरएसएस की राजनीतिक लूट का शिकार हो चुका है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम करोड़ों भारतीयों की आस्था, संस्कृति और नैतिक चेतना के प्रतीक हैं। देश के कोने-कोने से गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं और श्रद्धालु अपनी मेहनत की कमाई, अपने गहने, अपनी बचत और अपनी श्रद्धा लेकर राम मंदिर निर्माण के लिए आगे आए। भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और संघ परिवार के संगठनों ने लगभग तीन दशकों तक भगवान राम के नाम पर राजनीति की, देश के गरीब व मध्यम वर्ग से राम के नाम पर चंदा एकत्र किया और इसी आंदोलन के आधार पर सत्ता प्राप्त की। यह स्वयं इस बात का संकेत है कि मामला सामान्य प्रशासनिक त्रुटि का नहीं, बल्कि एक बड़े घोटाले का है। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि श्रीराम हमारे देश के करोड़ों सनातन धर्मावलम्बियों के आराध्य हैं। आज राम मंदिर ट्रस्ट में चंदा चोरी ने हमारी आस्था के साथ कुठाराघात किया है। इस मामले से मन कुपित है और हमने लगातार देश के करोड़ों लोगों की भावनाओं को आवाज दे रहे हैं।

संपादकीय

सवाल सिर्फ चोरी का नहीं, भरोसे का है

राम मंदिर का दर्शन और वहां दान करना करोड़ों लोगों की आस्था का मामला है। मगर इस समूचे मामले की वजह से आम लोगों के भीतर न्यास को लेकर एक तरह का अविश्वास पैदा हुआ है। राम मंदिर की पृष्ठभूमि में दानपात्र, रुपये, वित्तीय दस्तावेज और आवर्धक लेंस (मैग्निफाइंग ग्लास) दर्शाती फीचर इमेज, जो राम मंदिर न्यास में कथित गबन, वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही के मुद्दे को दर्शाती है।राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास में कथित गबन का मामला जब से सामने आया है, तभी से इस बात की जरूरत महसूस की जा रही है कि इसमें शामिल आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई के समांतर एक संपूर्ण पारदर्शी व्यवस्था बननी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की कोई गड़बड़ी संभव न हो सके।विडंबना यह है कि इस मामले के खुलासे के बाद जहां न्यास के दायरे में जिम्मेदारी तय किए जाने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए थी, वहां शुरू से आरोपों की दिशा भ्रमित करने की कोशिश होती रही। अब सोमवार को न्यास की एक अहम बैठक के दौरान इसके महासचिव चंपत राय और न्यासी अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए और अंतरिम व्यवस्था के तौर पर एक अन्य सदस्य कृष्ण मोहन को महासचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई।निश्चित तौर पर यह कदम विवाद के बीच जिम्मेदारी और आरोपियों के प्रति नरमी बरतने को लेकर उठते गंभीर सवालों की तीव्रता को कम करने की एक कवायद है, लेकिन इस बीच जैसी असहज करने वाली स्थितियां पैदा हुईं, उसने आम लोगों के भरोसे को कमजोर ही किया है।इस संबंध में अब तक सामने आए आरोप-प्रत्यारोपों के बाद स्थिति इतनी उलझ गई है कि जब तक विशेष जांच दल की अंतिम रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक एक तरह की अस्पष्टता कायम रहेगी।विडंबना यह है कि न्यास के जिन लोगों पर इसके वित्त की निगरानी, उसमें पारदर्शिता सुनिश्चित करने और इसकी संपत्तियों की रक्षा करने का दायित्व था, या तो उनके लिए ये तकाजे गैर-महत्त्वपूर्ण थे या फिर वे ही कठघरे में खड़े दिखे।सवाल है कि आरोपों की अनदेखी करके क्या अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ा जा सकता है! इतने समय तक किसकी देखरेख या संरक्षण में चढ़ावे की चोरी करने वालों का धंधा बेरोक-टोक चलता रहा? क्या यह उन तमाम लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ नहीं है, जिनकी आस्था की बुनियाद पर ही न्यास का समूचा कामकाज टिका हुआ है?लोगों के भरोसे को ताक पर रखकर पैसों का गबन करने की हरकत कैसे संभव हुई? अब यह देखने की बात होगी कि इस अनियमितता के वास्तविक आरोपियों को कानून के कठघरे में खड़ा करके सजा दिलाई जाती है या नहीं?हालांकि न्यास के नए महासचिव का कहना है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे सजा दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी। निश्चित रूप से सिर्फ इस्तीफा इस मामले का हल नहीं हो सकता। भ्रष्टाचार कानून के दायरे में एक परिभाषित अपराध है, तो उसके लिए सजा भी निर्धारित है।

प्रधानमंत्री मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान बिंतांग आदिपूर्ण दिया जाना भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि रहा। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मोदी ने इसे भारत और इंडोनेशिया की साझा लोकतांत्रिक परंपराओं तथा सभ्यतागत रिश्तों को समर्पित किया। यह सम्मान बताता है कि दुनिया में भारत की साख पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। साथ ही भारत और इंडोनेशिया के बीच दुर्लभ खनिज, इस्पात आपूर्ति श्रृंखला और दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों पर हुए समझौते भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी बेहद अहम हैं। आने वाले समय में प्रौद्योगिकी और रक्षा उत्पादन के लिए दुर्लभ खनिजों की भूमिका निर्णायक होगी। ऐसे में भारत का इंडोनेशिया के साथ इस क्षेत्र में साझेदारी करना दूरगामी रणनीतिक सोच का परिचायक है। देखा जाये तो भारत अब दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि वह विकास, लोकतंत्र, सुरक्षा और सांस्कृतिक शक्ति का ऐसा संगम है जो वैश्विक व्यवस्था को नई दिशा दे सकता है।

इंडोनेशिया में पीएम मोदी ने कर दिया बड़ा खेल, इंडो पेसीफिक के सारे समीकरण ही बदल कर रख दिये

(नीरज कुमार दुबे)



प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जिस दृढ़ता से कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद के मार्ग पर चलता है, वह सीधे तौर पर उस वैश्विक शक्ति संतुलन की ओर इशारा था जहां कई ताकतें समुद्री इलाकों पर दबदबा बनाने की कोशिश कर रही हैं।

भारत और इंडोनेशिया के रिश्तों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि बदलती वैश्विक राजनीति में दोनों देश केवल पुराने मित्र नहीं, बल्कि भविष्य के रणनीतिक साझेदार भी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा ने हिंद महासागर और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को नई मजबूती दी है। जकार्ता में जिस गर्मजोशी और सम्मान के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत हुआ, उसने साफ संकेत दिया कि भारत अब एशिया की राजनीति, सुरक्षा और विकास की दिशा तय करने वाली प्रमुख शक्ति बन चुका है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा लोकतंत्र, समुद्री सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक विरासत पर आधारित एक नए क्षेत्रीय गठबंधन की मजबूत नींव भी साबित हुई।

इंडोनेशिया की संसद में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण क्षण रहा। उन्होंने भारत और इंडोनेशिया को केवल दो देश नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से जुड़े सभ्यतागत साझेदार बताया। रामायण, महाभारत, नालंदा और प्रम्बानन मंदिर का उल्लेख करते हुए मोदी ने साफ कहा कि समुद्र ने दोनों देशों को कभी अलग नहीं किया, बल्कि यही समुद्र दोनों को जोड़ने वाला पुल बना। उनका यह संदेश केवल सांस्कृतिक संदेश नहीं था, बल्कि इंडो पैसिफिक की नई भू-रणनीतिक सोच का संकेत भी था।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जिस दृढ़ता से कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद के मार्ग पर चलता है, वह सीधे तौर पर उस वैश्विक शक्ति संतुलन की ओर इशारा था जहां कई ताकतें समुद्री इलाकों पर दबदबा बनाने की कोशिश कर रही हैं। मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत और इंडोनेशिया यदि साथ खड़े होते हैं तो लोकतंत्र पर दुनिया का भरोसा और मजबूत होगा। यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इंडो पैसिफिक क्षेत्र आज वैश्विक राजनीति का सबसे संवेदनशील केंद्र बन चुका है।

इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि दोनों देशों के बीच हुए 20 ऐतिहासिक समझौते रहे। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, दुर्लभ खनिज, दूरसंचार, कृषि, स्वास्थ्य, डिजिटल ढांचा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में हुए ये समझौते आने वाले वर्षों में भारत और इंडोनेशिया की साझेदारी को नई ऊंचाई देने वाले हैं। सबसे अधिक चर्चा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर हुए समझौतों की रही। यह हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक संतुलन को मजबूत करने वाला कदम है।

देखा जाये तो भारत द्वारा इंडोनेशिया के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाना कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण है। मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित इंडोनेशिया वैश्विक समुद्री व्यापार का अहम केंद्र है। दुनिया के बड़े हिस्से का व्यापार इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में भारत और इंडोनेशिया के तटरक्षक बलों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ना सीधे तौर पर हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करेगा। यह साझेदारी समुद्री डकैती, अवैध गतिविधियों और किसी भी प्रकार की आक्रामक विस्तारवादी नीति के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान में महा सागर दृष्टि का उल्लेख करते हुए साफ कहा कि भारत मुक्त, खुला और नियम आधारित इंडो पैसिफिक चाहता है। यह संदेश पूरी दुनिया और खासतौर पर चीन के लिए था कि भारत किसी गुट की राजनीति नहीं बल्कि संतुलित और स्थिर वैश्विक व्यवस्था का समर्थक है। आसियान की केंद्रीय भूमिका पर भारत का जोर यह भी दिखाता है कि नई दिल्ली दक्षिण पूर्व एशिया को केवल व्यापारिक साझेदार नहीं बल्कि रणनीतिक सहयोगी मानती है।

हम आपको बता दें कि मोदी की इस यात्रा में तकनीक और डिजिटल क्षेत्र में हुए समझौते भी बेहद महत्वपूर्ण रहे। भारत के डिजिटल सार्वजनिक ढांचे के आधार पर इंडोनेशिया ओपन नेटवर्क की शुरुआत, भुगतान प्रणाली को जोड़ने की तैयारी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा स्टार्टअप सहयोग पर सहमति इस बात का संकेत है कि भारत अब तकनीकी नेतृत्व की दिशा में भी निर्णायक भूमिका निभा रहा है। भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु का परिसर इंडोनेशिया में खोलने का फैसला शिक्षा और ज्ञान कूटनीति के क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाता है।

साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि उन्होंने मोदी सरकार की कई योजनाओं को अपनाया है। उन्होंने हंसी मजाक में कहा कि उन्हें खुशी है कि इन योजनाओं पर किसी का अधिकार नहीं है। लेकिन इस हल्के फुल्के बयान के भीतर भारत के विकास मॉडल की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता का बड़ा संदेश छिपा था। इंडोनेशिया द्वारा भारत की कृषि तकनीक, सूखी जमीन को उपजाऊ बनाने के प्रयोग और जनकल्याण योजनाओं का अध्ययन यह दिखाता है कि दुनिया अब भारत को केवल बाजार नहीं बल्कि समाधान देने वाले राष्ट्र के रूप में देख रही है। राजनीति

प्रधानमंत्री मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान बिंतांग आदिपूर्ण दिया जाना भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि रहा। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मोदी ने इसे भारत और इंडोनेशिया की साझा लोकतांत्रिक परंपराओं तथा सभ्यतागत रिश्तों को समर्पित किया। यह सम्मान बताता है कि दुनिया में भारत की साख पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है।

साथ ही भारत और इंडोनेशिया के बीच दुर्लभ खनिज, इस्पात आपूर्ति श्रृंखला और दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों पर हुए समझौते भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी बेहद अहम हैं। आने वाले समय में प्रौद्योगिकी और रक्षा उत्पादन के लिए दुर्लभ खनिजों की भूमिका निर्णायक होगी। ऐसे में भारत का इंडोनेशिया के साथ इस क्षेत्र में साझेदारी करना दूरगामी रणनीतिक सोच का परिचायक है। देखा जाये तो भारत अब दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि वह विकास, लोकतंत्र, सुरक्षा और सांस्कृतिक शक्ति का ऐसा संगम है जो वैश्विक व्यवस्था को नई दिशा दे सकता है।

बहरहाल, मोदी सरकार की विदेश नीति की सबसे बड़ी सफलता यही है कि उसने भारत को रक्षात्मक सोच से निकालकर निर्णायक वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में पहुंचा दिया है। कभी केवल दक्षिण एशिया तक सीमित माना जाने वाला भारत आज इंडो पैसिफिक की धुरी बन चुका है। दुनिया के बड़े राष्ट्र भारत के साथ साझेदारी को अपनी रणनीतिक आवश्यकता मान रहे हैं। इंडोनेशिया यात्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति आत्मविश्वास, सांस्कृतिक गौरव, सामरिक दूरदृष्टि और वैश्विक प्रभाव का नया अध्याय लिख रही है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जलवायु परिवर्तन का बढ़ता संकट- जब मौसम छीनने लगे घर और पहचान

(मनीष जैसल)

वर्ष 2015 से 2024 के बीच भारत में प्राकृतिक आपदाओं के कारण 3.23 करोड़ से अधिक आंतरिक विस्थापन दर्ज किए गए। जलवायु परिवर्तन को सीधे तौर पर पर्यावरण का विषय माना जाता रहा है। सामान्यतः इसे हिमनदों के पिघलने, समुद्र के बढ़ते जलस्तर, तापमान में वृद्धि और अनियमित वर्षा तक सीमित करके देखा गया है। मगर, इसका एक और पहलू है, जिस पर चर्चा बहुत कम होती है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन धीरे-धीरे मनुष्य के आवास, आजीविका, पहचान और अस्तित्व का संकट बनता जा रहा है।

दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोग ऐसे हैं, जिन्हें युद्ध, दंगे या उत्पीड़न नहीं, बल्कि बाढ़, समुद्री कटाव, सूखा और चक्रवात जैसी चरम मौसमी घटनाएं अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर कर रही हैं। इन्हें 'जलवायु शरणार्थी' भी कहा जाता है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय कानून में यह शब्द अभी औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह है कि जलवायु परिवर्तन लाखों लोगों को बेघर कर रहा है और वे शरणार्थी जैसा जीवन जीने के लिए विवश हैं।

भारत इस संकट के केंद्र में खड़े देशों में से एक है। आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र के अनुसार, वर्ष 2015 से 2024 के बीच भारत में प्राकृतिक आपदाओं के कारण 3.23 करोड़ से अधिक आंतरिक विस्थापन दर्ज किए गए। केवल 2024 में ही लगभग 54 लाख लोग बाढ़, तूफान और अन्य मौसमी आपदाओं के कारण अपने घरों से विस्थापित हुए हैं। इन आंकड़ों में ऐसे परिवार हैं, जिनके घर बह गए, खेत पानी में डूब गए, रोजगार समाप्त हो गया और जिनके बच्चों की शिक्षा बीच में रुक गई। इस तरह के विस्थापन का सबसे बड़ा दर्द यही है कि यह लोगों को केवल भौगोलिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी अलग कर देता है।

देश के सुंदरबन क्षेत्र को इस त्रासदी का सबसे जीवंत उदाहरण कहा जा सकता है। बंगाल की खाड़ी के किनारे स्थित यह विश्व का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन क्षेत्र है, जहां समुद्र के बढ़ते जल स्तर, चक्रवातों और तटीय कटाव ने हजारों परिवारों को बार-बार विस्थापित किया है। घोरामारा द्वीप इसका प्रतीक बन चुका है। कभी हजारों लोगों का घर रहा यह द्वीप लगातार सिकुड़ता जा रहा है। खेतों में खारा पानी भरने से कृषि असंभव होती जा रही है और बड़ी संख्या में लोग कोलकाता तथा अन्य शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं।

असम का ब्रह्मपुत्र क्षेत्र दूसरी तस्वीर प्रस्तुत करता है। ब्रह्मपुत्र नदी हर वर्ष हजारों परिवारों को बेघर करती है। नदी के बीच स्थित 'चार' द्वीपों पर रहने वाले लोग अक्सर वर्ष में कई बार अपना घर बदलने को मजबूर होते हैं। अनेक परिवार ऐसे हैं, जो बरसात में राहत शिविरों में रहते हैं और पानी उतरने के बाद फिर उसी असुरक्षित भूमि पर लौट आते हैं।

उत्तराखंड और अन्य पहाड़ी राज्यों की स्थिति भी ऐसी ही है। यहां बादल फटना, भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ गांवों को असुरक्षित बना रही हैं। जोशीमठ का भू-धंसाव हो या केदारनाथ त्रासदी, इन घटनाओं ने यह संदेश दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब पहाड़ों को भी सुरक्षित नहीं छोड़ रहा। मौसमी घटनाओं के कारण देश में लोगों की जान जाने का आंकड़ा पिछले पच्चीस वर्षों में 269 फीसद तक बढ़ा है।

बिहार, झारखंड और बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में इस संकट का रूप अलग है। यहां सूखा और कृषि में कमी लोगों को रोजगार की तलाश में बड़े पैमाने पर पलायन के लिए मजबूर कर रही है। जलवायु परिवर्तन और आर्थिक असुरक्षा मिलकर ऐसे 'धीमे विस्थापन' को जन्म दे रहे हैं, जो अचानक नहीं दिखता, लेकिन समाज को भीतर से बदल देता है।

सबसे ज्यादा चिंता का विषय है जलवायु शरणार्थियों की कोई स्पष्ट कानूनी पहचान न होना। समस्या यह है कि संवैधानिक अधिकार होने के बावजूद जलवायु विस्थापितों के पुनर्वास, पहचान और सामाजिक सुरक्षा के लिए कोई स्पष्ट राष्ट्रीय कानून मौजूद नहीं है। परिणामस्वरूप अनेक परिवार वर्षों तक अस्थायी बस्तियों, किराए के कमरों या अनौपचारिक श्रम बाजारों में जीवन बिताते हैं। विशेष रूप से दलित, आदिवासी और भूमिहीन समुदाय पुनर्वास योजनाओं से बाहर रह जाते हैं, क्योंकि उनके पास भूमि स्वामित्व के औपचारिक दस्तावेज नहीं होते। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। वर्ष 1951 का शरणार्थी सम्मेलन केवल उत्पीड़न, युद्ध या राजनीतिक कारणों से विस्थापित लोगों को शरणार्थी मानता है। जलवायु परिवर्तन के कारण विस्थापित व्यक्ति इस परिभाषा में नहीं आते। इसलिए अधिकांश जलवायु शरणार्थियों को इस अंतरराष्ट्रीय कानून का संरक्षण नहीं मिल पाता। हालांकि, दुनिया के कई देशों ने इस दिशा में कदम उठाए हैं। न्यूजीलैंड ने जलवायु जोखिम वाले प्रशांत द्वीपीय देशों के नागरिकों के लिए विशेष प्रवासन मार्गों पर विचार किया है। फिजी ने नियोजित पुनर्वास की नीति अपनाई है। अफ्रीकी देशों में कंपाला कन्वेंशन आंतरिक विस्थापन से निपटने के लिए एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय ढांचा प्रदान करता है।

जब नागरिक व्यवस्था से नहीं, व्यवस्था नागरिकों से दूर होने लगे

भारत में 'एग्जिट' की यह प्रवृत्ति सार्वजनिक व्यवस्था के लिए एक संरचनात्मक चुनौती बन जाती है। जब मध्यवर्गीय परिवार निजी विकल्पों की ओर बढ़ते हैं, तो वे अनजाने में सार्वजनिक सेवाओं पर निर्भरता कम कर देते हैं। इसके परिणामस्वरूप उन सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए आवश्यक सामाजिक दबाव घटने लगता है। शहरी भारत में अधिकांश मध्यवर्गीय परिवार जल शुद्धिकरण उपकरणों का उपयोग करते हैं। निजी विद्यालयों में नामांकन पिछले वर्षों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में नागरिकों द्वारा अपनी जेब से किया जाने वाला व्यय कुल स्वास्थ्य खर्च का आधे से अधिक है।

(अमित कुमार)

एक व्यक्ति दो अलग-अलग रास्तों के बीच खड़ा है। एक ओर आधुनिक और सुव्यवस्थित शहरी व्यवस्था दिखाई दे रही है, जबकि दूसरी ओर जर्जर बुनियादी सुविधाओं और सार्वजनिक सेवाओं पर निर्भर क्षेत्र का दृश्य है। यह सार्वजनिक व्यवस्था और निजी विकल्पों के बीच बढ़ती खाई को दर्शाने वाली प्रतीकात्मक तस्वीर है।

भारत में सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता पर चर्चा अक्सर शिकायतों के स्वर में सुनाई देती है, लेकिन उससे अधिक महत्त्वपूर्ण यह है कि उन शिकायतों के बीच समाज किस प्रकार व्यवहार करता है। भारतीय मध्यवर्ग ने एक विशिष्ट रास्ता चुन लिया है। वह व्यवस्था की कमियों से टकराने के बजाय उनसे बच निकलने की कला में दक्ष होता जा रहा है। पेयजल खराब हो, तो घर में जल शुद्धिकरण यंत्र लग जाता है।

बिजली अनियमित हो तो इन्वर्टर व्यवस्था संभाल लेता है। सरकारी विद्यालयों पर भरोसा कम हो, तो निजी शिक्षा की ओर रुख कर लिया जाता है। यह प्रवृत्ति केवल सुविधा का चयन नहीं है। यह एक गहरे सामाजिक अनुबंध का संकेत है, जिसमें सार्वजनिक नागरिक व्यवस्था से दूरी बनाकर अपने लिए अलग रास्ते तैयार कर लिए जाते हैं।

इस व्यवहार को समझने के लिए अर्थशास्त्री अल्बर्ट ओ. हिर्शमैन द्वारा प्रतिपादित विचार अत्यंत प्रासंगिक हैं, जिन्हें उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'एग्जिट, वॉइस एंड लॉयल्टी' में प्रस्तुत किया है। जब किसी संस्था या व्यवस्था की गुणवत्ता गिरती है, तो उसके सदस्य या उपभोक्ता दो प्रमुख प्रतिक्रियाएं देते हैं। एक प्रतिक्रिया होती है व्यवस्था से बाहर निकल जाना, जिसे उन्होंने 'एग्जिट' कहा।

दूसरी प्रतिक्रिया होती है उसी व्यवस्था के भीतर रहकर सुधार की मांग करना, जिसे उन्होंने 'वॉइस' कहा। उनके विश्लेषण का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि जब 'एग्जिट' सरल और सुलभ हो जाता है, तो 'वॉइस' कमजोर पड़ जाती



है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा इसी सिद्धांत का जीवंत उदाहरण पेश करता है।

भारत में 'एग्जिट' की यह प्रवृत्ति सार्वजनिक व्यवस्था के लिए एक संरचनात्मक चुनौती बन जाती है। जब मध्यवर्गीय परिवार निजी विकल्पों की ओर बढ़ते हैं, तो वे अनजाने में सार्वजनिक सेवाओं पर निर्भरता कम कर देते हैं। इसके परिणामस्वरूप उन सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए आवश्यक सामाजिक दबाव घटने लगता है। शहरी भारत में अधिकांश मध्यवर्गीय परिवार जल शुद्धिकरण उपकरणों का उपयोग करते हैं। निजी विद्यालयों में नामांकन पिछले वर्षों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में नागरिकों द्वारा अपनी जेब से किया जाने वाला व्यय कुल स्वास्थ्य खर्च का आधे से अधिक है।

भारतीय संदर्भ में यह तथ्य स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि जहां निजी समाधान उपलब्ध हैं, वहां नागरिक अपेक्षाकृत शांत रहते हैं, लेकिन जहां निजी विकल्प संभव नहीं हैं, वहां असंतोष मुखर हो उठता है। सड़कें खराब हों या वायु प्रदूषण बढ़ जाए, ऐसे मुद्दों पर विरोध अधिक दिखाई देता है, क्योंकि इन समस्याओं से व्यक्तिगत स्तर पर बाहर निकलना संभव नहीं है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव इस संदर्भ में महत्त्वपूर्ण संकेत प्रदान करते हैं।

स्वीडन और नार्वे जैसे देशों ने सार्वजनिक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को इस स्तर तक सुदृढ़ किया है कि अधिकांश नागरिक उन्हीं पर निर्भर रहते हैं। सिंगापुर ने आवास और शहरी ढांचे के क्षेत्र में ऐसी सार्वजनिक व्यवस्था विकसित की है, जिसमें बड़ी आबादी सरकारी योजनाओं के अंतर्गत रहती है। ब्रिटेन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा व्यापक रूप से नागरिकों की पहली पसंद बनी हुई है।

इन उदाहरणों में एक समान तत्त्व दिखाई देता है कि सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता इतनी विश्वसनीय है कि उनसे बाहर निकलने की आवश्यकता सीमित हो जाती है।

भारत में स्थिति भिन्न है, क्योंकि यहां निजी समाधान आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। यह परिस्थिति एक प्रकार की मौन सहमति को जन्म देती है, जिसमें नागरिक अपनी समस्याओं का समाधान खुद ढूंढ़ लेते हैं और राज्य पर सुधार का दबाव सीमित हो जाता है। हिर्शमैन ने अपनी पुस्तक में यह संकेत दिया था कि अगर किसी व्यवस्था में वफादारी का तत्त्व कमजोर हो जाए, तो 'एग्जिट' की प्रवृत्ति बढ़ जाती है।

भारतीय संदर्भ में सार्वजनिक संस्थाओं के प्रति विश्वास का क्षरण इसी दिशा की ओर संकेत करता है। जो लोग निजी समाधान वहन कर सकते हैं, वे अपेक्षाकृत सुविधाजनक जीवन जीते हैं, जबकि जो ऐसा नहीं कर सकते या जिनके पास विकल्प नहीं होता, वे उसी सार्वजनिक व्यवस्था में फंसे रहते हैं, जिसकी गुणवत्ता लगातार गिरती जाती है।

इस प्रकार 'एग्जिट' केवल व्यक्तिगत राहत का माध्यम नहीं रह जाता। वह सामाजिक विभाजन को भी गहरा करता है। इस परिदृश्य में एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि समाधान किस दिशा में खोजा जाए। क्या सार्वजनिक व्यय बढ़ाना पर्याप्त होगा या नागरिकों के व्यवहार में भी परिवर्तन आवश्यक है।

हिर्शमैन के अनुसार किसी भी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक है कि 'वॉइस' को प्रोत्साहित किया जाए और 'एग्जिट' को इस प्रकार संतुलित किया जाए कि वह 'वॉइस' को निष्प्रभावी न कर दे। इसका अर्थ यह है कि निजी विकल्पों को समाप्त किए बिना सार्वजनिक सेवाओं को सक्षम बनाया जाए।

भारत के संदर्भ में यह एक गहरी मानसिकता परिवर्तन की मांग करता है। जब तक नागरिक सार्वजनिक समस्याओं को निजी साधनों से टालने को ही समाधान मानते रहेंगे, तब तक व्यवस्था में सुधार की प्रक्रिया धीमी रहेगी। किसी समाज की वास्तविक प्रगति उसकी सार्वजनिक संस्थाओं की गुणवत्ता में परिलक्षित होती है, न कि उसके निजी समाधानों की संख्या में।

जब सुधार या बदलाव की मांग कमजोर पड़ती है, तो लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व भी क्षीण होने लगता है। इसलिए आवश्यक है कि भारतीय समाज इस संतुलन को स्थापित करे, जहां व्यक्तिगत सुविधा के साथ-साथ सामूहिक उत्तरदायित्व का भी समान महत्त्व हो। तभी सार्वजनिक समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में वास्तविक प्रगति संभव हो सकेगी।

अंधविश्वास में महिला से क्रुरता

डायन के आरोप में जबरन पिलाया नाली का पानी में गोबर मिलाकर



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। जिले के लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र में अंधविश्वास की आड़ में मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। एक महिला को डायन बता कथित तौर पर अर्धनग्न कर सड़क पर घसीटा गया, बेरहमी से पीटा गया और जबरन गोबर व नाली का गंदा पानी पिलाया गया। पत्नी को बचाने पहुंचे पति पर भी रॉड से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने लक्ष्मीपुर थाना में दिए आवेदन में पुलिस को बताया कि गुरुवार की रात करीब 10 बजे वह परिवार के साथ घर में खाना खा रही थी। इसी दौरान गांव के संतोष कुमार दास, लक्ष्मण दास समेत अन्य लोग गाली-गलौज करते हुए घर में घुस आए।

आरोप है कि सभी ने उसे डायन बताते हुए बाल पकड़कर अर्धनग्न अवस्था में घर से बाहर खींच लिया और सड़क पर लाकर मारपीट शुरू कर दी। कुछ देर बाद संतोष दास की पत्नी निशा कुमारी और लक्ष्मण दास की पत्नी अनरवा देवी भी वहां पहुंचीं। निशा कुमारी ने नाली का कचरा और गोबर मिलाकर जबरन उसके मुंह में डाल दिया। इस दौरान पीड़िता लगातार मदद की गुहार लगाती रही। पत्नी की चीख सुनकर उसका पति बचाने पहुंचा, तो आरोपितों ने उसे भी नहीं बख्शा। आरोप है कि संतोष और लक्ष्मण दास ने उसे सड़क पर पटक दिया और लात-घूंसों से मारपीट करने के साथ राड से सिर और आंख पर हमला कर दिया।गंभीर चोट लगने से वह बेहोश होकर सड़क पर गिर पड़ा। घटना के बाद घायल दंपती को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़िता के बयान पर पुलिस केस दर्ज कर आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

नव-पदस्थापित डीआईजी के तेवर से कोयला माफिया में हड़कम्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। सीआईएसएफ के नव-पदस्थापित धनबाद डीआईजी राजीव मिश्रा ने शुक्रवार की शाम सिजुआ और कतरास क्षेत्र के विभिन्न इलाके का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले सिजुआ क्षेत्र के लोयाबाद व जोगता थाना क्षेत्र के 22/12 पहुंचे। लोयाबाद थाना क्षेत्र के ही एसबीसी रेलवे साइडिंग में सुरक्षा व कोयला रैक लोडिंग व्यवस्था का जायजा लिया। कतरास क्षेत्र के कांटा पहाड़ी में विशेष रूप से दौरा किया, जहां पिछले माह भू-धंसान की चपेट में आने से एक केंपर सीधे गहरे पानी में गिर गया था। जिसमें सात लोगों की मौत हो गई थी। डीआईजी ने इस बेहद संवेदनशील और खतरनाक स्थल की सुरक्षा व्यवस्था को परखा।

निरीक्षण अभियान में उनके साथ बीसीसीएल धनबाद यूनिट के नए वरीय कमांडेंट अजय सिंह, कमांडेंट मुकेश कुमार गुप्ता, डिप्टी कमांडेंट राजीव कुमार झा और सिजुआ क्षेत्र के कंपनी कमांडर राजेश कुमार सहित कतरास क्षेत्र के कंपनी कमांडर शिवानंद कुमार आदि शामिल थे। सुरक्षा की पुख्ता इंतजामों के बीच सीआईएसएफ के

निरीक्षण के बाद क्षेत्र में मचा हड़कम्प

जवानों को भी पूरे क्षेत्र में तैनात किया गया था।

निरीक्षण के बाद बातचीत करते हुए डीआईजी राजीव मिश्रा ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में पिछले 13 दिनों से अवैध उत्खनन बंद है, लेकिन इससे पूर्व यहां बड़े पैमाने पर कोयले का अवैध उत्खनन किया जा रहा था।

सीआईएसएफ को लगातार सूचनाएं और शिकायतें मिल रही थीं।

पूर्व में हुए इस अवैध कारोबार में संलिप्त कई सफेदपोशों और कारोबारियों के नाम भी सामने आए हैं। हालांकि, उन्होंने अभी किसी भी नाम का आधिकारिक खुलासा करने से इंकार किया। डीआईजी ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में इन नामों और जानकारियों की बारीकी से पुष्टि की जा रही है।

जैसे ही पुख्ता साक्ष्य मिलेंगे, सभी नामों को सार्वजनिक कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डीआईजी ने कोयला तस्करों और अवैध उत्खनन करने वालों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि जिन-जिन क्षेत्रों में पहले अवैध माइंस चलाई जा रही थीं, वहां अब दोबारा किसी भी सूरत में काम शुरू नहीं होने दिया जाएगा। सीआईएसएफ अपनी पूरी शक्ति और संसाधनों का प्रयोग कर इसे पूरी तरह ठप रखने का कार्य करेगी।

बीसीसीएल की संपत्तियों की सुरक्षा और राष्ट्रीय संपदा की चोरी को हर हाल में रोका जाएगा। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वरीय कमांडेंट अजय सिंह, कमांडेंट मुकेश कुमार गुप्ता, कंपनी कमांडर राजेश कुमार, कतरास के कंपनी कमांडर शिवानंद कुमार और स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों को गश्ती और तेज करने के निर्देश दिए गए हैं।

औचक निरीक्षण और काफी संख्या में जवानों की मुस्तैदी से स्थानीय कोयला तस्करों और अवैध उत्खनन करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

जयप्रकाश विवि के मुख्य गेट पर जलजमाव को लेकर आरएसए ने किया प्रदर्शन का ऐलान

सोमवार तक रास्ता नहीं खुला तो होगी धान की रोपाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। शोधार्थी संगठन (आरएसए) ने जयप्रकाश विश्वविद्यालय प्रशासन पर छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा की अनदेखी का आरोप लगाते हुए मुख्य प्रवेश द्वार की व्यवस्था पर कड़ी आपत्ति जताई है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि सोमवार तक मुख्य गेट के पक्के (ढलाई) वाले मार्ग का ताला नहीं खोला गया, तो विश्वविद्यालय परिसर में प्रतीकात्मक धान रोपाई आंदोलन किया जाएगा।

आरएसए के अनुसार, लगातार हो रही बारिश के कारण विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार का कच्चा मार्ग कीचड़, कचरे और जलजमाव से पूरी तरह दलदल में तब्दील हो गया है। इसके बावजूद पक्के मार्ग पर ताला लगाए जाने से छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को मजबूरन कीचड़ भरे रास्ते से होकर गुजरना पड़ रहा है।

संगठन का कहना है कि प्रतिदिन कई छात्र-छात्राएं और कर्मचारी फिसलकर गिर रहे हैं। लोगों के कपड़े खराब हो रहे हैं तथा दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। इसके बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन समस्या के समाधान की दिशा में कोई पहल नहीं कर रहा है।

आरएसए के नेता गुलशन यादव एवं उज्ज्वल सिंह ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि जब सुरक्षित एवं पक्का मार्ग उपलब्ध है, तब उस पर ताला लगाकर लोगों को असुविधाजनक और जोखिम भरे रास्ते से गुजरने के लिए विवश करना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से तत्काल पक्के मार्ग का ताला खोलकर आवागमन सामान्य करने की मांग की।

आरएसए ने चेतावनी दी कि यदि सोमवार तक मांग पूरी नहीं हुई, तो संगठन विश्वविद्यालय परिसर में बंद पड़े उसी पक्के मार्ग पर प्रतीकात्मक धान रोपाई कर विरोध दर्ज कराएगा। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में छात्र, शोधार्थी एवं संगठन के कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस संबंध में छात्र नेता विकास सिंह सेंगर ने बताया है कि संगठन ने यह भी कहा कि यदि इसके बाद भी विश्वविद्यालय प्रशासन नहीं चेता, तो चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

हाथियों के हमले से ग्रामीण की मौत

दहशत में इलाके के ग्रामीण



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विष्णुगढ़ । प्रखंड के बारा गांव में जंगली हाथियों के हमले में एक ग्रामीण की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान भुवनेश्वर महतो (पिता- स्व. मित्तल महतो) के रूप में हुई है। घटना शुक्रवार देर रात की है, जिसके बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, हाथियों का एक झुंड चलकरी जंगल की ओर से निकलकर बारा के बाजार टांड़ पहुंच गया। इसी दौरान भुवनेश्वर महतो शौच के लिए खेत की ओर जा रहे थे। अचानक सामने हाथियों का झुंड आ जाने से वे संभल नहीं सके। एक हाथी ने उन पर हमला कर जमीन पर गिरा दिया, जिसके बाद झुंड ने उन्हें बुरी तरह कुचल दिया। गंभीर चोटों के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण घरों से बाहर निकल आए और शोर-शराबा किया। लोगों के हो-हल्ला के बाद हाथियों का झुंड वहां से निकलकर अटका की ओर बढ़ गया। ग्रामीणों के अनुसार झुंड में 10 से अधिक हाथी शामिल थे।

ग्रामीणों ने वन विभाग से प्रभावित क्षेत्र में लगातार गश्त कराने, हाथियों की निगरानी बढ़ाने तथा मृतक के परिजनों को शीघ्र सरकारी मुआवजा और सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं सूचना मिलने पर वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है।

पहली बारिश ने खोली स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल

अस्पताल परिसर में भर गया पानी, वार्ड तक पहुंचा जलभराव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जिले के बाढ़ अनुमंडल स्थित मोकामा रेफरल अस्पताल में शनिवार को हुई तेज बारिश ने स्वास्थ्य व्यवस्था की तैयारियों की पोल खोल दी। महज आधे घंटे की मूसलाधार बारिश में पूरा अस्पताल परिसर जलमग्न हो गया। हालात ऐसे हो गए कि अस्पताल की सीढ़ियों से पानी झरने की तरह बहने लगा।

जलभराव के कारण मरीज, उनके परिजन, डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी अस्पताल के अंदर ही फंस गए और काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

बारिश शुरू होते ही अस्पताल भवन के अंदर तेजी से पानी भरने लगा। देखते ही देखते बारिश का पानी सामान्य वार्ड तक पहुंच गया। वार्ड में बेड के नीचे तक पानी भर जाने से भर्ती मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मरीज खुद को और अपने सामान को पानी से बचाने के लिए सुरक्षित जगह तलाशते नजर आए। अस्पताल में चारों ओर पानी भर जाने से लोगों के लिए खड़े होने और बैठने तक की जगह नहीं बची। मरीजों और उनके परिजनों को काफी देर तक मुश्किल हालात में इंतजार करना पड़ा।

जलभराव का असर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी पड़ा। ओपीडी, दवा वितरण केंद्र और निबंधन काउंटर का काम पूरी तरह ठप हो गया। इलाज के लिए पहुंचे लोगों को लाइन छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। इससे अस्पताल में इलाज की व्यवस्था कुछ समय के लिए पूरी तरह प्रभावित हो गई।

बारिश रुकने और पानी का स्तर कम होने के बाद धीरे-धीरे अस्पताल परिसर की स्थिति सामान्य हुई। इसके बाद मरीजों ने राहत की सांस ली और फिर से पर्ची कटाने तथा दवा लेने के लिए कतारों में लगना शुरू किया। इस घटना ने एक बार फिर सरकारी अस्पतालों की तैयारियों और रखरखाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मामले पर हेल्थ मैनेजर शोभा भारती ने बताया कि पाइप लीकेज होने के कारण बारिश का पानी अचानक सीढ़ियों से होकर अस्पताल परिसर में फैल गया था। उन्होंने कहा कि बारिश रुकने के करीब आधे घंटे बाद समस्या को दूर कर लिया गया, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो गई।

हाइवा-ऑटो की टक्कर में चार की गयी जानें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अरवल। सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर संडा के समीप शनिवार को पटना-औरंगाबाद एनएच-139 पर हाइवा व आटो की आमने-सामने टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान जिले के परासी थाना क्षेत्र के परासी गांव निवासी राजगीर राम एवं उनकी पत्नी मनीषा देवी, गुल्ली बिगहा निवासी अमरजीत कुमार तथा सदर थाना क्षेत्र के भदासी निवासी रंजीत राजवंशी के रूप में हुई है।

घायलों में मेहंदिया थाना क्षेत्र के वलिदाद निवासी सुनील कुमार तथा परासी थाना क्षेत्र के बल्लोपुर निवासी आटो चालक महेंद्र राम शामिल हैं। दोनों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

हादसे में ऑटो के परखच्चे उड़ गए। घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं दो लोग अस?पताल में जिंदगी की जंग हार गए।

राजगीर राम अपनी पत्नी के साथ बैंक से रुपये निकालने के लिए अरवल आ रहे थे, लेकिन मंजिल तक पहुंचने से पहले ही दोनों की जीवन यात्रा समाप्त हो गई।

हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे और प्रशासनिक कार्रवाई की मांग को लेकर करीब एक घंटे तक एनएच-139 को जाम कर दिया।

इससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने लोगों को समझाकर, आवश्यक कार्रवाई और सरकारी प्रावधानों के तहत हर संभव सहायता का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम समाप्त हुआ और यातायात सामान्य हो सका। घटना के बाद हाईवा का चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया।

संत जेवियर्स विद्यालय में बाल संरक्षण नीति पर पुनर्नवीकरण प्रशिक्षण



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। संत जेवियर्स विद्यालय, बोकारो स्टील सिटी में हजारीबाग प्रांत की नाबालिगों एवं संवेदनशील वयस्कों को यौन शोषण एवं यौन उत्पीड़न से संरक्षण नीति के अंतर्गत शनिवार को पुनर्नवीकरण प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मसी मार्शल स्कूल पतकी, मसी मार्शल स्कूल कजरकिलो एवं एस. एम. एस. मंझलाडीह के शिक्षकों ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को बाल संरक्षण संबंधी नीतियों, कानूनी प्रावधानों तथा सुरक्षित एवं सम्मानजनक विद्यालयी वातावरण के निर्माण के प्रति पुनः जागरूक एवं उत्तरदायी बनाना था। प्रशिक्षण का संचालन हजारीबाग प्रांत के विधिक सलाहकार फादर सैजू थॉमस ने किया। उन्होंने बाल संरक्षण नीति की आवश्यकता, बच्चों के अधिकार, यौन शोषण एवं उत्पीड़न की रोकथाम, संभावित जोखिमों की पहचान, शिकायत एवं रिपोर्टिंग प्रक्रिया तथा शिक्षकों और कर्मचारियों की नैतिक एवं कानूनी जिम्मेदारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान की जिम्मेदारी है कि वह ऐसा वातावरण सुनिश्चित करे, जहाँ प्रत्येक विद्यार्थी भयमुक्त, सुरक्षित एवं सम्मानजनक परिवेश में शिक्षा प्राप्त कर सके। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर अरुण मिंज, एस.जे. ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा, गरिमा एवं समग्र विकास विद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न व्यावहारिक परिस्थितियों पर चर्चा की तथा बाल संरक्षण नीति के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अंत में सभी ने यह संकल्प लिया कि प्रत्येक विद्यार्थी के अधिकारों, सम्मान एवं सुरक्षा की रक्षा के लिए विद्यालय की बाल संरक्षण नीति का पूर्ण निष्ठा एवं ज़िम्मेदारी के साथ पालन किया जाएगा।

रेल में नए रेलवे कानून का सख्ती से हो रहा पालन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । रेलवे परिसर में अनुशासन, सुरक्षा और स्वच्छता बनाए रखने के लिए आरपीएफ ने नए संशोधित रेलवे अधिनियम ,जन विश्वास अधिनियम के तहत विशेष लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कटिहार रेलमंडल में आरपीएफ कमांडेंट संदीप कुमार पीएस के निर्देश पर आरपीएफ ईस्ट पोस्ट प्रभारी विक्रम कुमार के कुशल नेतृत्व में शुक्रवार को हुई कार्रवाई के दौरान 30 रेल नियम उल्लंघनकताओं के विरुद्ध मामला दर्ज कर 33,900 का जुमार्ना वसूला गया।अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन एवं रेल परिसर में बिना अधिकार प्रवेश, रेलवे नियमों का उल्लंघन, गंदगी फैलाने तथा अन्य प्रतिबंधित गतिविधियों के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया गया। मिली जानकारी के अनुसार इस कार्रवाई के तहत रेलवे अधिनियम की धारा 144 में 2 मामलों में 4,000, धारा 147 में 14 मामलों में 7,000, धारा 155 में 3 मामलों में 5,000, लिटरिंग के 2 मामलों में 400, धारा 167 में 2 मामलों में ?4,000, धारा 159 में 2 मामलों में 1,000 तथा धारा 162 में एवं 5 अन्य मामलों में ?12,500 का जुमार्ना लगाया गया। इस प्रकार कुल 30 मामलों में 33,900 की राशि वसूली गई। आरपीएफ इंस्पेक्टर विक्रम कुमार ने कहा कि रेलवे परिसर में कानून व्यवस्था बनाए रखना, यात्रियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना तथा रेलवे संपत्ति की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई की जाएगी।वहीं आरपीएफ ईस्ट पोस्ट प्रभारी विक्रम कुमार ने यात्रियों से रेलवे नियमों का पालन करने, स्टेशन परिसर को स्वच्छ रखने तथा अनधिकृत रेलवे क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने की अपील किया।

बंदियों और जेल कर्मियों की सांठगांठ का बड़ा मामला उजागर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी स्थित आदर्श केंद्रीय कारा, बेउर में बंदियों और जेल कर्मियों की सांठगांठ का बड़ा मामला सामने आया है। जांच में पता चला है कि बंदी जेल के भीतर नियमों की अनदेखी कर टीवी और हीटर जैसी प्रतिबंधित सुविधाओं का इस्तेमाल कर रहे थे।

जेल परिसर में मेस संचालन से लेकर गोदाम प्रबंधन तक कई स्तरों पर अनियमितताएं मिली हैं। इसके अलावा बंदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर भी सवाल उठे हैं।जांच के दौरान यह भी सामने आया कि उच्च सुरक्षा कक्ष में तरुण कैदियों को उम्रदराज और कुख्यात कैदियों के साथ रखा जा रहा था, जो जेल नियमावली के विपरीत है।

इन गंभीर अनियमितताओं के बाद जेल प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए एक उच्च कक्षपाल समेत तीन कक्षपालों को निलंबित कर दिया है। बेउर जेल में सामने आई अनियमितताओं को लेकर कुछ दिन पहले ही जेल अधीक्षक नीरज झा समेत आधा दर्जन से अधिक अधिकारियों और कर्मियों पर कार्रवाई की जा चुकी है।

अब नई कार्रवाई के बाद जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।

गृह विभाग (कारा) की ओर से जारी आदेश के अनुसार, उच्च कक्षपाल उमेश कुमार सिन्हा को अवैध मेस संचालन, प्रतिबंधित सामग्री के उपयोग और अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

कक्षपाल निर्मल कुमार पासवान को सरस्वती खंड से कच्चा राशन, हीटर और अन्य सामान बरामद होने के मामले में निलंबित किया गया है। इसके अलावा बंदियों द्वारा नियमों के विपरीत वार्ड के अंदर खाना बनाने की अनुमति देने का आरोप भी उन पर लगाया गया है।

एक अन्य कक्षपाल शिवशंकर कुमार को कारा गोदाम के भंडारण और रखरखाव में अनियमितता पाए जाने के आरोप में निलंबित किया गया है।

गृह विभाग ने स्पष्ट किया है कि जेल प्रशासन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि 20 जून को बेउर जेल में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया था। इसी दौरान बड़ी संख्या में अनियमितताएं और नियम उल्लंघन के मामले सामने आए थे। इसके बाद से जेल प्रशासन और गृह विभाग लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। एक अन्य मामले में दरभंगा मंडल कारा के सहायक अधीक्षक नन्दु चौधरी को पत्नी की हत्या और दहेज उत्पीड़न के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

अनियंत्रित कार गड्ढे में गिरी

कदवा। चांदपुर-कन्हरिया पथ पर चांदपुर के समीप एक चार पहिया वाहन अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गढ्ढे में चले गए। प्रत्यक्ष दर्शियों से मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि एक जेएच 10 सी वाय 1010 नंबर प्लेट लगा हुआ एक चार पहिया वाहन कन्हरिया के रास्ते चांदपुर की ओर आ रहा था जैसे ही कार चांदपुर के समीप पहुंचा तो कार अनियंत्रित होकर बिजली के पोल को तोड़ते हुए गढ्ढे में चले गया। तभी घटना को देख आसपास के लोगों की भीड़ इखट्ठी हो गया। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कार के गड्ढे में जाने के बाद कार के ऊपर का बॉक्स खोलकर बाहर निकला तभी कार चालक मौका देख कर फरार हो गया। तभी तीनों लड़की किसी तरह अपना जान बचाकर कार से बाहर निकली तभी घटना स्थल पर मौजूद लोगों द्वारा घटना की सूचना कदवा पुलिस को दिया सूचना मिलते हीं कदवा पुलिस आनन-फानन में घटना स्थल पर पहुंचकर गढ्ढे से कार को बाहर निकाल कर अपने कब्जे में लेते हुए कार और तीनों लड़कियों को थाना लाकर तीनों से पूछताछ के बाद सुरक्षित परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

न्यायिक आयोग के समक्ष पहुंचे भरत तिवारी के माता-पिता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भरत तिवारी एनकाउंटर की न्यायिक जांच तेज हो गई है। शनिवार को न्यायिक जांच आयोग के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त न्यायाधीश विनोद कुमार सिन्हा के समक्ष भरत तिवारी के माता-पिता पहुंचे।

भरत तिवारी की मां आशा देवी और पिता काशीनाथ तिवारी न्यायिक जांच आयोग के कार्यालय में उपस्थित होकर घटना से जुड़े तथ्यों और अपने पक्ष को दर्ज करा रहे हैं।

वहीं, आयोग से समन मिलने के बावजूद भरत तिवारी के भाई चंदन तिवारी और भाभी सुमन देवी गवाही के लिए उपस्थित नहीं हुए।

दोनों ने आयोग से गवाही के लिए अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया है। अगली गवाही 13 जुलाई को भी निर्धारित है।

न्यायिक जांच आयोग के अध्यक्ष विनोद कुमार सिन्हा और सचिव सुबोध कुमार श्रीवास्तव इस बहुचर्चित मामले में सभी पक्षों के बयान दर्ज कर घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने में जुटे है। आयोग के समक्ष लगातार गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। ऐसे में आज माता-पिता की गवाही को जांच की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इससे पूर्व शुक्रवार को जवइनिया गांव की चार विस्थापित महिलाओं का बयान कोर्ट में कलमबंद कराया गया। कांड के अनुसंधानकर्ता संजीव कुमार ने चारों गवाहों को न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया।

दर्ज किए गए बयानों को गोपनीय रखते हुए सीलबंद कर दिया गया है। इससे पूर्व आठ जुलाई को मृतक की मां आशा देवी, भाभी सुमन देवी तथा भाई चंदन तिवारी का बयान भी न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष दर्ज कराया गया था।गौरतलब है कि मृतक की मां आशा देवी ने इस मामले को हत्या बताते हुए तत्कालीन डीएसपी, तत्कालीन थानाध्यक्ष समेत अन्य पुलिसकर्मियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है।

स्वजन का आरोप है कि जवइनिया गांव के विस्थापितों के पक्ष में आवाज उठाने के कारण भरत भूषण तिवारी की हत्या की गई। सरेंडर करने के बाद हत्या की गई है।

भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में न्यायिक जांच आयोग के समक्ष गवाही के लिए उपस्थित नहीं होने वाले मृतक के भाई चंदन तिवारी के दिल्ली जाने की जानकारी सामने आई है। चंदन तिवारी इस मामले के गवाह भी हैं।बताया जा रहा है कि मामले को लेकर प्रस्तावित आंदोलन को धार देने के उद्देश्य से वह दिल्ली गए हैं। जानकारी के अनुसार, 12 जुलाई और 17 जुलाई को नई दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर कैंडल मार्च सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं।

इन्हीं कार्यक्रमों की तैयारी और उसमें भाग लेने के लिए उनके दिल्ली पहुंचने की बात कही जा रही है।इधर, न्यायिक जांच आयोग से समन मिलने के बावजूद चंदन तिवारी और उनकी भाभी सुमन देवी गवाही के लिए उपस्थित नहीं हुए।

यूट्यूबर मनीष कश्यप कितनी संपत्ति के मालिक, ई 20 पेट्रोल को लेकर नितिन गडकरी के निशाने पर आए

नईदिल्ली, एजेंसी। बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार उनकी सुर्खी का कारण ई 20 पेट्रोल है। हाल में उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो शेयर किया था। उसमें उन्होंने दावा किया था कि उनकी टोयोटा कंपनी की कार के इंजन में



ई 20 पेट्रोल के इस्तेमाल के कारण खराबी आई है। इस मामले में उन्होंने टोयोटा कंपनी से भी सवाल पूछे थे, जिसके बाद में कंपनी ने जवाब दिए। मनीष ने इस मामले में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को भी कटघरे में खड़ा किया था। मनीष कश्यप बिहार से विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। वह लाखों रुपये की संपत्ति के मालिक हैं। मनीष कश्यप का असली नाम त्रिपुरारी कुमार तिवारी है। वह बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने पुणे की सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की, लेकिन नौकरी करने की बजाय सोशल मीडिया के जरिए पत्रकारिता शुरू की। उनका 'सच तक' नाम का चैनल काफी लोकप्रिय है, जहां लाखों लोग उन्हें फॉलो करते हैं। टोयोटा कंपनी ने मनीष कश्यप को दिए जवाब में कहा था कि इसमें ई 20 पेट्रोल से कोई खराबी नहीं आ सकती। कंपनी ने कहा कि गाड़ी में समस्या मिलावटी तेल की वजह से आ सकती है। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उनके आरोपों को झूठा करार दे दिया। गडकरी ने कहा कि टोयोटा कंपनी की ओर से की गई जांच में मनीष कश्यप के दावे झूठे पाए गए हैं।

कितनी है मनीष कश्यप की संपत्ति

बीजेपी छोड़ने के बाद मनीष कश्यप ने जून 2025 को एक इंटरव्यू में बताया था कि वह सिर्फ यूट्यूब से हर महीने 10 लाख रुपये से ज्यादा कमाते थे, लेकिन अब उनकी मासिक कमाई घटकर करीब 1 लाख 83 हजार रुपये रह गई है। उन्होंने जो हलफनामा पेश किया था।

यूएई में क्रूड ऑयल प्रोडक्शन ऑल टाइम हाई पर पहुंचने से बाजार में नरमी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम युद्ध विराम खत्म होने के बाद फिर से क्रूड महंगा हो गया था। लेकिन कल ही इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के हवाले से खबर आई कि संयुक्त अरब अमीरात में कच्चे तेल का उत्पादन ऑल-टाइम-हाई पर पहुंच गया है। इसके बाद इंटरनेशनल क्रूड मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें थोड़ी नरम हुईं। भारत में देखें तो यहां सरकारी तेल कंपनियों ने आज यानी शनिवार, 11 जुलाई 2026, को भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया। अपने यहां 25 मई 2026 के बाद इनके दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

मई 2026 में 4 बार बढ़े हैं दाम

पश्चिम बंगाल समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियां इस साल मई में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। ऐसा महज 11 दिनों में हुआ था। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। उसके



बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक शनिवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है।

पश्चिम एशिया संकट की वजह से भारत की सरकारी तेल कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जापानी ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने दो दिन पहले रिपोर्ट दी थी कि इस साल जून की तिमाही में एचपीसीएल बीपीसीएल और आईओसीएल को कुल मिलाकर 47,700 करोड़ तक का नुकसान हो सकता है। फर्म का अनुमान है कि एचपीसीएल को 13,900 करोड़ रुपये, बीपीसीएल को 15,800 करोड़ रुपये और आईओसीएल 17,300 करोड़ का एबिटा लॉस होगा। भारत में पेट्रोल-डीजल के भाव जब भी बदलते हैं, तब सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज का रेट आप स्रक्क के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल के कस्टमर ऋस्क के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल उपभोक्ता ऋस्क के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं। वहीं, एचपीसीएल उपभोक्ता के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9222201122 नंबर पर भेजकर भाव पता कर सकते हैं।

क्रूड ऑयल थोड़ा नरम

अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर खत्म होने के बाद कच्चे तेल में जो आग लगनी शुरू हुई थी, वह थोड़ी थमी है। कल ही इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी का अनुमान आया कि यूएई में क्रूड प्रोडक्शन ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। वहां इस साल मई में हर रोज 3.3 मिलियन बैरल क्रूड का उत्पादन हुआ था जो कि जून में बढ़ कर 4.1 मिलियन बैरल हो गया। यह उसका अभी तक का उच्चतम स्तर है। इसके बाद क्रूड ऑयल मार्केट में कुछ राहत दिखी। शुक्रवार को बाजार बंद होते समय स्टैंडर्ड माने जाने वाला 0.38 प्रतिशत या 0.29 डॉलर कम हो कर 76.01 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। अमेरिकी भी 0.93 प्रतिशत या 0.67 डॉलर नरम हो कर 71.41 डॉलर प्रति बैरल तक नीचे आ गया।

सोना और एफसीए में खूब बढ़ोतरी, तभी तो विदेशी मुद्रा भंडार में 7.2 बिलियन का हुआ इजाफा

पिछले सप्ताह दुनिया भर के बाजार में सोने के दाम बढ़े हैं

मुंबई, एजेंसी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर बढ़ोतरी की



खबर है। दरअसल, पिछले सप्ताह दुनिया भर के बाजार में सोने के दाम बढ़े हैं। साथ ही भारत में विदेशी निवेशकों का प्रवाह भी बढ़ा। इसका असर भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दिखा है। इस सप्ताह सोने की वैल्यू में 2.6 अरब डॉलर से ज्यादा की वृद्धि हुई। साथ ही 4.5 से ज्यादा का एफसीए भंडार बढ़ा है।

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 3 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 7.260 की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 5.654 की कमी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 674.193 का हो गया है।

एफसीए भंडार में भारी बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 3 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में 4.510 की भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें मामूली 150 मिलियन डॉलर की कमी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार बढ़ कर 545.578 का हो गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व में भी बढ़ोतरी: आलोच्य सप्ताह के दौरान सोने के दाम बढ़े हैं। इससे रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में 2.669 की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले सोने के दाम घटने से इसमें 5.394 की कमी हुई थी। अब अपने सोने के भंडार की वैल्यू बढ़ कर 105.205 का हो गया है। उल्लेखनीय है कि मार्च 2026 के अंत में आरबीआई के पास सोने का भंडार 880.52 टन का था। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का करीब 16.7 प्रतिशत बैठता है। इसके मूल्य में कमी होती है यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार को प्रभावित करता है।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार मामूली 65 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 89 मिलियन डॉलर की गिरावट हुई थी।

जून में एसआईपी 3 महीने के उच्चतम स्तर पर, इक्विटी एमएफ निवेश 26 प्रतिशत बढ़कर 28,973 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद जून में म्यूचुअल फंड निवेश में अच्छी तेजी दर्ज की गई। असोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के अनुसार, जून में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 28,973 करोड़ रुपये का नेट निवेश हुआ, जो मई के 22,908 करोड़ रुपये की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है।

निवेशकों को इन प्लान्स में और पैसा लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसी दौरान स्ट्रक्क के जरिए निवेश 27 करोड़ रुपये बढ़कर 31,781 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जो तीन महीने का सबसे ऊंचा स्तर है। पिछले साल जून के मुकाबले निवेश 17 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि डेट ओरिएंटेड स्कीम्स से 1.09



ट्रिलियन रुपये की निकासी के कारण जून में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग में 52,949 करोड़ का नेट आउटफ्लो रहा।

मई में यह निवेश 12 महीने के निचले स्तर पर आ गया था, लेकिन मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में जबरदस्त बढ़त ने रिटेल

मिडकैप और स्मॉलकैप का कमाल

इक्विटी कैटिगरी में मिडकैप फंड्स में सबसे अधिक 6,090 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद स्मॉलकैप फंड्स में 5,602 करोड़ रुपये, फ्लैक्सी कैप फंड्स में 5,231 करोड़ रुपये और लार्ज कैप फंड्स में 2,067 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया। वहीं डिविडेंड यील्ड फंड्स और इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम से निकासी हुई। म्यूचुअल फंट के प्रेसिडेंट और हेड ऑफ इन्वेस्टमेंट सौरभ कटारिया ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद घरेलू निवेशकों का भरोसा मजबूत बना हुआ है। जून में गोल्ड श्वअस्र में 3,443.23 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मई में 725.04 करोड़ रुपये की नेट निकासी हुई थी। मर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया की सीनियर एनालिस्ट नेहा मेश्राम ने कहा कि निवेशक पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए इसकी ओर लौटे हैं। मई में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 40 प्रतिशत गिरकर एक साल के निचले स्तर पर आ गया था, क्योंकि वेस्ट एशिया में संघर्ष के असर को लेकर चिंताओं के बीच निवेशकों ने एकमुश्त निवेश कम कर दिया था। समको म्यूचुअल फंड के विराज गांधी ने कहा, 'मिड-कैप और स्मॉल-कैप ने बेहतर प्रदर्शन किया और इसी मजबूती के कारण इनमें निवेश बढ़ा।

कम बारिश से महंगाई बढ़ेगी, किसानों की इनकम घटेगी

एस एंड पी ने भारत के लिए जारी किया बड़ा अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल कमजोर मॉनसून भारत के ग्रामीण इलाकों की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। रेटिंग एजेंसी ग्लोबल रेटिंग्स की एक नई रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि कम बारिश की वजह से आने वाले महीनों में किसानों की कमाई घट सकती है, खाने-पीने की चीजें महंगी हो सकती हैं और गांवों में सामानों की मांग सुस्त पड़ सकती है। एजेंसी का कहना है कि अगर इस सीजन में बारिश सामान्य से कम रहती है, तो खेती-किसानी के साथ-साथ खाद-कीटनाशक, ट्रैक्टर, टू-व्हीलर और छोटे कर्ज देने वाली कंपनियों पर इसका सबसे बुरा असर पड़ेगा। भारत में आज भी लगभग आधी कृषि भूमि सिंचाई के लिए पूरी तरह से बारिश पर निर्भर है और देश की कुल सालाना बारिश का 70 प्रतिशत हिस्सा इसी मॉनसून से आता है। दोहरी मार झेल रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था इस समय दोहरी मार झेल रही है। एक तरफ सूखा मॉनसून और दूसरी तरफ वैश्विक तनाव के कारण खेती में इस्तेमाल होने वाली चीजों (जैसे खाद और बीज) की बढ़ती लागत। ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि पर्याप्त बारिश न होने से फसलों की पैदावार कम हो सकती है, जिससे सीधे तौर पर किसानों की आय



प्रभावित होगी। कमाई कम होने से गांवों में ट्रैक्टर, मोटरसाइकिल और रोजमर्रा के सामानों की बिक्री घट जाएगी। अनाज, सब्जियों के दाम बढ़ेंगे पैदावार कम होने से अनाज और सब्जियों के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे देश में महंगाई का दबाव और बढ़ जाएगा। एजेंसी ने यह भी चेतावनी दी कि अगर सूखा लंबा खिंचा, तो सरकार को ग्रामीण राहत योजनाओं पर ज्यादा खर्च करना पड़ेगा, बिजली संकट और सरकार की सलाह रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कम बारिश के कारण देश में जलविद्युत (हाइड्रोपावर) से बनने वाली बिजली में 10 से 15 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। इस स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कम बारिश वाले क्षेत्रों के किसानों को सलाह दी है कि वे ऐसी फसलों की बुआई करें जो कम समय में तैयार हो जाएं।

कम बारिश ने बढ़ाई चिंता

देश के कई हिस्सों में देरी से हुई बारिश के कारण फसलों की बुआई पर असर पड़ा है। आंकड़ों के मुताबिक, इस साल जून के महीने में औसत से 39.8 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई थी। हालांकि, जुलाई की शुरुआत में पश्चिमी तट पर हुई भारी बारिश से कुल कमी सुधरकर 15.2 प्रतिशत पर आ गई है, लेकिन मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर सूखा जारी रहा तो यह अंतर फिर से बढ़ सकता है।

सस्ती हो जाएंगी महंगी गाड़ियां! सरकार ने ब्रिटेन से एफटीए को लेकर बनाए नियम, 15 जुलाई से लागू हो रहा करार

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन के साथ 15 जुलाई से लागू होने जा रहे फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से भारत में हाई-एंड कारों के शौकीनों का आनंद बढ़ने जा रहा है। इसके तहत ब्रिटेन से आने वाली ऐसी कारों पर 110 प्रतिशत से चरणबद्ध ढंग से घटकर 10 प्रतिशत तक रह जाएगी। करार में कारों के कम ड्यूटी पर आयात के लिए एक कोटा तय किया गया है। अब सरकार ने आयातकों के लिए कोटा आधारित छूट की मंजूरी पाने की प्रक्रिया नोटिफाई कर दी है।

सरकार ने कहा है कि आयातकों को ब्रिटेन से जारी एक प्रमाण पत्र पेश करना होगा कि गाड़ी वहीं बनी है, किसी दूसरे देश की नहीं है। करार के तहत शुरुआती 15 वर्षों में रियायती कस्टम्स ड्यूटी पर परंपरागत इंजनों वाली 3.78 लाख पैसेंजर कारों का आयात होगा। इन पर ड्यूटी घटते घटते पांचवें साल में 10 प्रतिशत हो जाएगी।

कितनी होगी ड्यूटी: साथ ही, 1.37 लाख इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और हाइड्रोजन कारों का आयात भी होगा। इन पर ड्यूटी छूट छठे साल से लागू होगी। पहले साल परंपरागत इंजन वाली 20000 पैसेंजर कारें आयात की जा सकेंगी। इनमें 3000 सीसी से ज्यादा क्षमता की पेट्रोल और 2500 से ज्यादा क्षमता वाली डीजल की 10000 तक गाड़ियां होंगी। इन पर ड्यूटी 30 प्रतिशत होगी।

यूएस को जल्दबाजी में रियायत न दे भारत

इस बीच रिसर्च ने कहा है कि भारत को अमेरिका के साथ जारी व्यापार समझौता वार्ता में



जल्दबाजी में रियायत नहीं देनी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका टैरिफ, रक्षा और रणनीतिक मुद्दे पर अनिश्चितता को मोलभाव के हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। ऐसे में भारत को बातचीत जारी रखते हुए जरुरत पड़ने पर बदली जा सकने वाली पेशकश करनी चाहिए। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, दवा उद्योग और इंडो-पैसिफिक में उसकी रणनीतिक भूमिका उसे मजबूत स्थिति देती है।

न नौकरी चली, न पहला बिजनेस...फिर भी हार नहीं मानी, आज 75 करोड़ कमाने वाली कॉफी कंपनी के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु के रहने वाले प्रसन्ना वेंकटेश की कहानी काफी संघर्षभरी है। एक समय ऐसा था जब उनके पास कॉलेज की फीस चुकाने तक के पैसे नहीं थे। लेकिन अपनी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर उन्होंने भारत की सबसे तेजी से बढ़ती कॉफी चेन मद्रास कॉफी हाउस खड़ी कर दी, जिसका सालाना कारोबार आज 75 करोड़ रुपये का है। कभी 20 रुपये के लिए साफ किए टेबल और टॉयलेट, फिर छोड़ी 1 करोड़ की नौकरी; आज 350 करोड़ की कंपनी के मालिक

करना पड़ा कड़ा संघर्ष: प्रसन्ना का जन्म मदुरै के एक साधारण परिवार में हुआ था। साल 2004 में उन्होंने कॉलेज में दाखिला तो ले लिया, लेकिन फीस भरना उनके लिए एक बड़ा संघर्ष था। जेब खर्च चलाने के लिए उन्होंने दोस्तों के साथ मिलकर एक छोटी कैंटीन शुरू की, पर वह चल नहीं पाई। इसके बाद उन्होंने 4500 रुपये महीने की नौकरी की और इंश्योरेंस व रियल एस्टेट में भी हाथ आजमाया, लेकिन सफलता नहीं मिली।



तभी उनकी मुलाकात चेन्नई के एक बड़े रेस्टोरेंट के मालिक एम. कुमारवेलन से हुई। कुमारवेलन ने प्रसन्ना के भीतर बिजनेस करने की तड़प को देखा और उन्हें अपने होटल के पास एक छोटा सा नींबू सोडे (लेमन सोडा) का स्टॉल लगाने का मौका दिया। चेन्नई के एक आउटलेट से शुरू हुआ यह सफर आज 180 आउटलेट्स तक पहुंच चुका है। भारत के साथ-साथ अब मलेशिया और श्रीलंका में भी इसके आउटलेट हैं। यह ब्रांड हर दिन लगभग 50,000 कप कॉफी बेचता है। इसकी शुरुआत सिर्फ 5 कर्मचारियों से हुई थी, लेकिन आज कंपनी में 370 सीधे और 1,000 से ज्यादा फ्रेंचाइजी कर्मचारी काम करते हैं।

6 लाख रुपये से बदला भाग्य

सोडे की दुकान के बाद दोनों ने मिलकर कुछ बड़ा करने की सोची। साल 2010 में दोनों ने 6 लाख रुपये लगाकर चेन्नई के एक मॉल में मद्रास कॉफी हाउस का पहला आउटलेट खोला। इन पैसों में से 2 लाख रुपये प्रसन्ना ने लोन लिया था और 4 लाख रुपये कुमारवेलन ने अपनी बचत से लगाए थे। उस समय दक्षिण भारत में अच्छी फिल्टर कॉफी सिर्फ बड़े और महंगे रेस्टोरेंट में मिलती थी या फिर छोटे ढाबों पर नाश्ते के साथ। प्रसन्ना ने इसी कमी को समझा और लोगों को कम दाम में बेहतरीन प्रीमियम फिल्टर कॉफी देना शुरू किया।



नागार्जुन की किंग 100 में खूंखार विलेन बनेंगी तब्बू

साउथ के अभिनेता नागार्जुन अक्किनेनी की 100वीं फिल्म की जब से घोषणा हुई है, तभी से लोगों में इसे लेकर उत्सुकता है। इसका नाम अभी के लिए 'किंग 100' रखा गया है। इस फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगी।

क्या होगा तब्बू का किरदार

यह पहले से पता था कि फिल्म में तब्बू नागार्जुन के साथ रोमांटिक रोल में नहीं होंगी, मगर उनके किरदार के बारे में जानकारी गुप्त रखी गई थी। अब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि तब्बू फिल्म में विलेन (खलनायक) का किरदार निभाती हुई नजर आएंगी।

किन फिल्मों में निभाए सख्त रोल

वैरायटी इंडिया के मुताबिक तब्बू 'किंग 100' में विलेन का किरदार निभाएंगी। इस फिल्म के जरिए वह 28 साल बाद नागार्जुन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। इसके निर्देशक आर.ए. कार्तिक हैं। तब्बू ने फिल्म 'मकबूल', 'हैदर', 'अंधाधुन' और 'फितूर' जैसी फिल्मों में अलग तरह के किरदार निभाकर तारीफें बटोरी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान तब्बू को आखिरी बार अक्षय कुमार, वामिका गब्बी और परेश रावल के साथ फिल्म 'भूत बंगला' में देखा गया था। उन्होंने हाल ही में एचबीओ की 'ड्यूनः प्रोफेसी' में सिस्टर फ्रांसेस्का की अहम भूमिका निभाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है।



सलमान खान से तुलना पर कुनाल खेमू बोले

अभिनेता कुनाल खेमू का कहना है कि रियलिटी शो 'एलायंस' के साथ होस्ट के रूप में अपने डेब्यू के बाद वह सलमान खान से की जा रही तुलना के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इस शो में बिना किसी पूर्वधारणा के प्रवेश कर रहे हैं और सिर्फ़ अपने स्वाभाविक अंदाज में रहना चाहते हैं। आईएएनएस से विशेष बातचीत में जब कुनाल से पूछा गया कि क्या उनके मन में सलमान खान से तुलना का विचार है, जो पिछले एक दशक से अधिक समय से रियलिटी शो की दुनिया का एक बड़ा चेहरा रहे हैं, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया, 'मैंने इस बारे में बिल्कुल नहीं सोचा। लोग मुझसे बहुत पहले से यह काम कर रहे हैं और बहुत अच्छे तरीके से कर रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि उनका न तो किसी की शैली की नकल करने का इरादा है और न ही जानबूझकर खुद को सबसे अलग दिखाने की कोशिश। 'आपकी सोच और परवरिश ऐसी होती है कि शायद आपको लगता है कि यही तरीका है, क्योंकि आपने कुछ और देखा ही नहीं है। इसलिए मैं न तो किसी की नकल करने की कोशिश कर रहा हूं और न ही किसी से अलग बनने की।' कुनाल ने इसे अपने लिए पूरी तरह नया अनुभव बताते हुए स्वीकार किया कि उन्हें खुद भी नहीं पता कि समय के साथ वह किस तरह के होस्ट बनकर उभरेंगे।

उन्होंने कहा, 'जैसा मैंने बताया, मैं इसमें बिना किसी तय योजना के उतर रहा हूं। मुझे खुद भी नहीं पता। हो सकता है बाद में कोई कहे कि मेरी यही शैली बन गई या यह कुछ अलग है। मुझे नहीं पता। मैं बस वही कर रहा हूं जो मुझे सही लगता है।' गौरतलब है कि सलमान खान अब तक रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 15 सीजन होस्ट कर चुके हैं और उन्हें इस क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय होस्ट्स में गिना जाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो कुनाल खेमू आखिरी बार फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' में नजर आए थे। यह उनके निर्देशन की पहली फिल्म भी थी, जिसे इसकी अनोखी कहानी और कलाकारों के अभिनय के लिए सराहना मिली थी।



मुंबई की लोकल ट्रेन में गुजरे मेरे संघर्ष के दिन

रिद्धि डोगरा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्हें सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम किया। अच्छी एक्टिंग की वजह से उन्हें शाहरुख खान जैसे बिग स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री की खास बात यह है कि वह आज सफल हैं। लेकिन, उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद रखा है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए भीड़-भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन मुश्किलों का जिक्र किया, जिनका उन्होंने सामना किया और उस दृढ़ संकल्प के बारे में बताया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया। रिद्धि ने लिखा कि मुझे हमेशा से जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई-नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने-फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना। यह एक ऐसा शहर है, जो अनजाने में मुझे लंबे समय से बुला रहा था। मुझे इस शहर की हलचल भरी जिंदगी और आकर्षण में सुकून मिलता है।

रिद्धि डोगरा ने लिखा कि लोकल ट्रेनें मेरी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थीं। 2005 से 2007 के बीच मैं एक ही दिन में कई तरह के वाहनों से सफर करती थी। पहले कॉलेज जाती, फिर अपनी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की नौकरी पर जाती। मैं पूरा समय ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में सोचते हुए मुस्कुराती रहती थी। मुझे पूरा यकीन था कि मेरा भविष्य बहुत शानदार होने वाला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैं अपनी किस्मत की खुद मालिक थी। आज जिसे हम विजुअलाइजेशन और मैनिफेस्टेशन कहते हैं, वह मैं उन दिनों रोज करती थी। लोग उसे 'दिन में सपना देखना' कहते थे। इस दौरान एक गाना मेरे आईपॉड पर सबसे ज्यादा चलता था।

रिद्धि डोगरा को असुर में नुसरत, ऑल्ट बालाजी की द मैरिड वुमन में आस्था, स्टार प्लस की मर्यादाः लेकिन कब तक? में प्रिया और वो अपना सा में निशा का किरदार निभाने के लिए पहचान मिली। वह नच बलिए 6 और फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 6 जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। रिद्धि डोगरा द साबरमती रिपोर्ट, लकड़बग्घा, और जवान जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

मुझे लोग नाम से नहीं किरदारों से पहचानते हैं

'मिर्जापुरः द मूवी' इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। वेब सीरीज के तीन सीजन के बाद अब 'मिर्जापुर' फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रही है। इसमें जहां वेब सीरीज के कई कलाकार और किरदार वापसी करेंगे, तो वहीं कुछ नए कलाकार और किरदार भी नजर आएंगे। अभिषेक बनर्जी भी फिल्म में सीरीज के अपने चर्चित कंपाउंडर सुबोध के किरदार में दिखाई देंगे। फिल्म की रिलीज से पहले अभिषेक ने अपने किरदार को मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने एक किस्सा साझा किया जहां एक फैन ने उन्हें कंपाउडर सुबोध के तौर पर ही पहचाना।

अच्छा लगता है जब लोग किरदारों से जुड़ जाते हैं

वैरायटी इंडिया के साथ बातचीत में अभिषेक बनर्जी ने एक फैन द्वारा उन्हें कंपाउंडर सुबोध के तौर पर पहचाने जाने का जिक्र किया। अभिषेक ने बताया कि हां, जना और हथौड़ा त्यागी। मुझे लगता है कि लोग मुझे मेरे असली नाम से ज्यादा इन किरदारों के नाम से जानते हैं। मुझे सच में इस बात की खुशी है। जब आपके किरदार अच्छा काम करते हैं, तो लोग उनसे जुड़ जाते हैं। अभी-अभी जब मैं अंदर आ रहा था, तो सिक्योरिटी गार्ड ने मुझे रोका और कहा, 'अरे, मिर्जापुर कंपाउंडर!' उसने मुझे इसी तरह याद रखा था। मैं अपने दर्शकों के साथ ठीक ऐसा ही जुड़ाव बनाना चाहता हूं।

अभी लंबा सफर तय करना बाकी है

एक एक्टर के तौर पर अपने सफर के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि अभी लंबा सफर तय करना बाकी है; यह तो बस शुरुआत है। मेरे लिए यह जरूरी है कि लोग मुझे मेरे काम और एक्टिंग की वजह से जानें, न कि इस वजह से कि मैं असल जिंदगी में कैसा हूं। मुझे जो काम मिल रहा है, उसके लिए मैं सच में शुक्रगुजार हूं।

4 सितंबर को रिलीज होगी 'मिर्जापुरः द मूवी'

ओटीटी के बाद अब 'मिर्जापुर', 'मिर्जापुरः द मूवी' के नाम से बड़े पर्दे पर आ रही है। फिल्म में एक बार फिर पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु शर्मा और अली फजल अपने पुराने व चर्चित किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म में अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौड़, श्वेता त्रिपाठी, रवि किशन और सोनल एस. चौहान जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। यह फिल्म 4 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



'लव एंड वॉर' के लिए विक्की कौशल ने किया जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन

एक्टर विक्की कौशल संजय लीला भंसाली के साथ अपनी पहली फिल्म 'लव एंड वॉर' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। दो साल से ज्यादा समय से बन रही यह फिल्म अब पूरी होने वाली है। अब ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि विक्की कौशल ने अपने किरदार के दो अलग-अलग रूप दिखाने के लिए जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया है। उन्होंने पहले काफी वजन बढ़ाया और फिर उसे पूरी तरह घटाया। पहले वजन बढ़ाया, फिर घटाया एक सूत्र ने बताया कि विक्की इस रोल के लिए जरूरी फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर बहुत समर्पित थे। 'लव एंड वॉर' की शूटिंग शुरू करते समय किरदार में ढलने के लिए उन्होंने लगभग 12 किलो वजन बढ़ाया और फिर फिल्म के क्लाइमेक्स की शूटिंग के लिए लगभग 15 किलो वजन घटाकर जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन किया। अपने काम के प्रति उनका समर्पण हमेशा ही काबिले-तारीफ रहा है।

'छावा' में भी किया था जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन

यह पहली बार नहीं है जब विक्की ने किसी रोल के लिए अपना फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया हो। एक्टर ने 2025 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'छावा' में छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका के लिए भी इसी तरह का मुश्किल ट्रांसफॉर्मेशन किया था। 'लव एंड वॉर' रोमांस और एविएशन पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जिसमें विक्की कौशल, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि मेकर्स ने फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। लेकिन चर्चा है कि इसमें रणबीर और विक्की एयर फोर्स पायलट की भूमिका में नजर आएंगे। 'लव एंड वॉर' की घोषणा सबसे पहले 2024 में हुई थी और इसे क्रिसमस 2025 में रिलीज किया जाना था। बाद में इसे अनिश्चित काल के लिए टाल दिया गया। हालांकि, मेकर्स ने कभी रिलीज की तारीख का ऐलान नहीं किया, लेकिन खबरों के मुताबिक इसे मार्च 2026 में रिलीज करने का प्लान था।



आठ घंटे की शिफ्ट के सपोर्ट में अहमद खान, फिल्ममेकर्स को दी ये सलाह

निर्देशक अहमद खान अपनी नई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच उन्होंने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट का समर्थन किया है।

मामले पर बंटी है लोगों की राय

जब से ऐसी खबरें आईं कि एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग करते हुए 'स्पिरिट' से किनारा कर लिया, तब से इंडस्ट्री में इस पर बहस चल रही है। आठ घंटे की मांग वाले मामले पर लोगों की राय बंटी हुई है। अब इस मामले पर अहमद खान ने अपनी राय रखी है। उन्होंने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा 'देखिए मैं उस दौर का हूं, जब हम दिन में 24 घंटे काम करते थे। मैंने तीन शिफ्ट में काम किया है- सुबह सात से दो, दोपहर दो से रात दस और रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक। हम आरके स्टूडियो, फिर फेमस स्टूडियो, फिर फिल्मिस्तान में शूटिंग करते थे, जिसमें आने-जाने का समय भी शामिल होता था। हम सेट पर ही सोते थे। टूथपेस्ट कार में होता था। हम चेंजिंग रूम में नहाते थे।' इतने मुश्किल शेड्यूल के अपने अनुभव के बावजूद, अहमद खान ने कहा कि आज के एक्टर्स से उसी रूटीन का पालन करने की उम्मीद करना गलत होगा।

एक्टर्स के पास होते हैं दूसरे काम

उन्होंने कहा 'आज के युवा, स्टार्स और एक्टर्स, अगर शूटिंग नहीं कर रहे होते हैं, तो वे पब्लिक अपीयरेंस, ब्रांड एंडोर्समेंट में व्यस्त रहते हैं। शाम को उन्हें कहीं और जाना होता है। उनके पास अन्य काम भी होते हैं। इसलिए, उन्हें शूटिंग के लिए आठ घंटे चाहिए, फिर वे अपने बाकी कामों के लिए फ्री रहना चाहते हैं। यह सही है, जब तक वे काम कर रहे हैं। वे यह नहीं कह रहे हैं कि 'आठ घंटे के बाद हम टेनिस खेलने जा रहे हैं'।'

अहमद खान का सुझाव

डायरेक्टर ने सुझाव दिया कि प्रोड्यूसर और फिल्ममेकर्स को नई सच्चाई के हिसाब से अपने शेड्यूल में बदलाव करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'तो ठीक है, अगर आप आठ घंटे दे रहे हैं, तो हम अपना शेड्यूल आठ घंटे के हिसाब से रखेंगे और आठ घंटे में ही शूटिंग करेंगे। इससे सभी की जिंदगी आसान हो जाएगी।'



प्रियामणि ने की थलापति विजय की तारीफ

एक्ट्रेस प्रियामणि ने हाल ही में 'जन नायकन' के बारे में जानकारी दी। यह फिल्म सुपरस्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने थलापति विजय के साथ उनकी पहली फिल्म है। उन्होंने विजय के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और उनके लीडरशिप गुणों की तारीफ करते हुए कहा कि बहुत से लोग मानते हैं कि वह अपनी मौजूदा भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे। अपनी फिल्म 'जीडीएन' के लिए आयोजित एक इवेंट में प्रियामणि ने थलापति विजय के मुख्यमंत्री बनने पर कहा कि मैं बहुत खुश हूं। हर कोई कह रहा है कि सर इस भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे। मुझे लगता है कि वह अच्छा काम कर रहे हैं और सभी को लगता है कि यह इसी तरह जारी रहना चाहिए। मैं उन्हें शुभकामनाएं भी देना चाहती हूं क्योंकि वह इसी काम के लिए पैदा हुए थे और वह जन्मजात नेता हैं।

सर्वेश कुशारे ने रचा इतिहास

डायमंड लीग में वह कर दिखाया जो नीरज चोपड़ा जैसे दिग्गज भी नहीं कर पाए



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के हाई जंप में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश अनिल कुशारे ने शुक्रवार (10 जुलाई) को मोनाको में डायमंड लीग में तीसरे नंबर पर रहकर इतिहास रचा। वह डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए शीर्ष-3 में रहने वाले पहले भारतीय बने। विश्व के दिग्गज खिलाड़ी ओलेह डोरोशचुक, पूर्व ओलंपिक चैंपियन मुताज बारशिम, वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट जान स्टेफेला और जैक किमानी जैसे दिग्गज खिलाड़ियों का मुकाबला करते हुए कुशारे 2.26 मीटर कूदकर किमानी और डोरोशचुक से पीछे रहे।

कुशारे से पहले नीरज चोपड़ा, विकास गौड़ा और श्रीशंकर मुरली वह भारतीय हैं,जो डायमंड लीग में टॉप-3 रहे हैं। महाराष्ट्र के 31 साल के कुशारे ने 2.16 मीटर की ऊंचाई से शुरुआत की और 2.26 मीटर तक आसानी से पहुंच गए, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने में उन्हें मुश्किल हुई और डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए तीसरे स्थान पर रहे।

कुशारे का दूसरा बड़ा टूर्नामेंट

पिछले दो सालों में कुशारे के लिए यह दूसरा बड़ा टूर्नामेंट है। इससे पहले वह 2025 टोक्यो वर्ल्ड चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे। दुनिया में 9वें स्थान पर काबिज इस सीजन में सिर्फ तीन जंपर्स ही सर्वेश के 2.31 मीटर के मार्क को बेहतर कर पाए हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा।

कुशारे के नाम रिकॉर्ड

हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। सर्वेश कुशारे ने 2018 में तेजस्विन शंकर के बनाए नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 2022 में नेशनल गेम्स में 2.27मीटर की जंप लगाने के तीन साल बाद सर्वेश ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2.28 मीटर का जंप लगाकर नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया।

'वैभव को खिलाना भावनात्मक फैसला

संजू को बाहर करना तर्कहीन', भारतीय टीम पर भड़के पार्थिव पटेल

नई दिल्ली। संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका देने को लेकर भारतीय टी20 टीम पर पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस युवा बल्लेबाज को टीम में जगह देना भावनात्मक रूप से सही फैसला है, लेकिन इसके लिए सीनियर बल्लेबाज को टीम से बाहर करना तर्कहीन है। पार्थिव पटेल ने यह भी स्वीकार किया कि अतीत में संजू सैमसन को प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रखने के कारण टीम



से बाहर कर दिया गया था लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में उन्हें बाहर करने का कोई कारण नजर नहीं आता है। पटेल ने जियोस्टार से कहा, 'हमेशा संजू सैमसन को ही क्यों बाहर किया जाता है। अगर आप पिछले 11-12 सालों में संजू सैमसन के करियर को देखें तो एक चीज शुरू से उनका पीछा कर रही है और वह है उनके खेल में निरंतरता का अभाव।'

वैभव सूर्यवंशी को मौका देना भावनात्मक रूप से सही फैसला- पार्थिव ने कहा, 'या तो उस खिलाड़ी को बाहर किया जाता है जो तेजी से रन नहीं बना पा रहा हो या फिर लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा हो। आप भावनाओं और तर्क दोनों के आधार पर फैसले नहीं ले सकते। इसलिए वैभव सूर्यवंशी को मौका देना भावनात्मक रूप से सही फैसला था।'

'अब जा रहा है तो नीचे नहीं आना'

भारतीय टीम में प्रभसिमरन सिंह के चयन पर बोले बीमार पिता

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम में प्रभसिमरन सिंह का चयन हुआ है। पंजाब के इस खिलाड़ी को जब चयन की जानकारी मिली तब वह जिम में पसीना बहा रहे थे। वह इस पल की काफी समय से उम्मीद कर रहे थे। भारतीय टीम में चयन की खबर मिलने के प्रभसिमरन सिंह सीधे घर पहुंचे। उन्होंने इसकी जानकारी अपने बीमार पिता सरदार सुरजित सिंह को दी। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार प्रभसिमरन सिंह के पिता गंभीर बीमारों से जूझ रहे हैं। रोज डायलिसिस होती है। ठीक न होने के बाद भी वह अपने बेटे का मैच शायद ही कभी नहीं देखते। प्रभसिमरन ने उन्हें जब यह जानकारी दी तो पिता भावुक हो गए।



अब जा रहा है तो नीचे नहीं जाना

प्रभसिमरन ने कहा, 'पापा की तबीयत ऐसी है कि वो खुद से उठ नहीं पाते, लेकिन जब हमने उन्हें यह खबर दी तो वह खुद उठ गए। अगर यह खुशी एक प्रतिशत भी उनके स्वास्थ्य में सुधार ला सकती है तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात होगी। वो बस यही बोल रहे थे अब जा रहा है तो नीचे नहीं जाना। और बस एक बात कही और मेहनत करो।'

प्रभसिमरन को संघर्ष के बाद सफलता मिली- आईपीएल के शुरुआती सालों में लगातार मौके मिलने में मुश्किलों का सामना करने के बाद प्रभसिमरन को 2023 में सफलता मिली। उन्होंने 358 रन बनाए, जिसमें उनका पहला आईपीएल शतक भी शामिल था।

कप्तान कौर ने रचा इतिहास

लॉर्ड्स में तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक जड़ने वाली पहली भारतीय क्रिकेट बनीं



नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार (11 जुलाई) को खास उपलब्धि हासिल की। ?वह ?इस ऐतिहासिक स्टेडियम में तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक बनाने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर (पुरुष या महिला) बन गईं। 37 साल की इस खिलाड़ी ने भारत की पहली पारी में 58 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की और अपने शानदार इंटरनेशनल करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ ली। हरमनप्रीत कौर ने इससे पहले 'होम ऑफ क्रिकेट' में वनडे और टी20 दोनों में पचासा जड़ा था।

हरमनप्रीत की अहम पारी

शुरुआत में लड़खड़ाने के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने भारत की पारी को फिर से संभालने में अहम भूमिका निभाई। शैफाली वर्मा और यास्तिका भाटिया के आउट होने के बाद शुरुआती सात ओवर में भारत का स्कोर 37/2 हो गया था। स्मृति मंधाना ने जेमिमा रोड्रिग्स के साथ मिलकर पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़े।

हरमनप्रीत ने मंधाना के साथ 89 रन की साझेदारी की- रोड्रिग्स ने इस्सी वोंग का शिकार होने से पहले 38 गेंदों में तेज 35 रन बनाए। इसके बाद हरमनप्रीत ने मंधाना के साथ मिलकर 89 रन की अहम साझेदारी की। इससे भारत मजबूत स्थिति में आ गया। कप्तान अपनी पूरी पारी में सहज दिखीं। उन्होंने कवर्स की तरफ से पूरे आत्मविश्वास के साथ ड्राइव लगाए और स्ट्राइक को रोटेट किया।

भारत ने आखिरी सात विकेट सिर्फ 85 रन पर गंवाए- चाय तक भारत का स्कोर 5 विकेट पर 202 रन था, लेकिन वे इस मौके का फायदा नहीं उठा पाई। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने जबरदस्त वापसी की और बाकी सात विकेट सिर्फ 85 रन पर ले लिए।

स्मृति ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड

टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाली टॉप-5 भारतीय महिला खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के बीच एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज लॉर्ड्स, लंदन में खेली जा रही है। इस मैच में इंग्लैंड के टॉस जीतकर भारत को पहले बैटिंग करने को कहा। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन



इसके बावजूद टीम की ओपनर स्मृति मंधाना ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अर्धशतक लगाया और एक छक्का व 11 चौकों की मदद से 83 रन बनाकर आउट हुईं। भारत ने पहली पारी में अपना पहला विकेट तब गंवा दिया जब टीम का स्कोर सिर्फ 4 रन ही था। टीम की ओपनर शैफाली वर्मा बिना खाता खोले यानी डक पर ही आउट हो गईं और उसके ठीक बाद भारत का दूसरा विकेट 37 रन के स्कोर पर गिरा जब यास्तिका भाटिया 12 रन पर आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया।



फ्रांस से मोरक्को की हार के बाद लंदन में हिंसा

पुलिसकर्मी घायल, 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में गुरुवार (9 जुलाई) को फ्रांस से मोरोक्को की हार के बाद लंदन में हिंसा भड़क गई। इसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया, जबकि 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कहा कि अधिकारियों को एडगवेयर रोड पर तब बुलाया गया जब कुछ लोग इकट्ठा हो गए और आवागमन रोक दिया। फिर मामला बढ़ गया। बोतलें फेंकी गईं और पटाखे फोड़े गए। ईएसपीएन की रिपोर्ट के अनुसार सोशल मीडिया पर शेयर किए गए फुटेज में देखने को मिला की सड़क पर खड़े पुलिसकर्मियों पर बोतलें और दूसरी चीजें फेंकी जा रही थीं। एक क्लिप में घायल व्यक्ति को पुलिस गाड़ियों के पीछे जमीन पर लेटा हुआ देखा गया। पुलिस ने कहा कि एक अफसर को सिर में चोट लगने के बाद अस्पताल ले जाया गया। कांच की बोतल से उसे चोट लगी।

चार लोग गिरफ्तार

पुलिस अधिकारी ने कहा, 'एडगवेयर रोड पर हुए हंगामे के बाद एक पुलिसकर्मी घायल हो गया है। चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को तब बुलाया गया जब कुछ लोग सड़क पर जमा हो गए और ट्रैफिक रोक दिया। फिर मामला बढ़ गया और लोगों ने बोतलें फेंकी और पटाखे फोड़े। इस वजह से इलाके में और पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया।'

स्पेन के खिलाफ पहली बार हुआ गोल

बेल्जियम को हरा सेमीफाइनल में पहुंचा

नई दिल्ली। सुपर-सब मिकेल मेरिनो के 88वें मिनट मे गोल की बदौलत स्पेन ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर-फाइनल में बेल्जियम को 2-1 से हरा दिया। सेमीफइनल में स्पेन और फ्रांस के बीच मुकाबला होगा। पहले हाफ में फेबियन रुइज ने 30वें मिनट में स्पेन को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद चार्ल्स डी केटेलेयर ने 41वें मिनट में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। फिर मेरिनो ने गोल करके स्पेन को जीत दिलाई। स्पेन शानदार फॉर्म में है। वह पहले ही क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल को ही हराकर बाहर कर चुका है। टूर्नामेंट में स्पेन के खिलाफ पहली बार गोल हुआ।



एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान

सलीमा टेटे समेत 20 खिलाड़ियों को मौका



नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के दौरान भारत की 20 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की कमान संभालेंगी। सलीमा की कप्तानी में ही भारत ने पिछले महीने न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप में अपराजेय रहकर खिताब जीतने के साथ प्रो लीग में वापसी की थी।

भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा ,'हमारे पास ऐसी टीम में जिसमें जूनियर, अनुभवी खिलाड़ियों और सीनियर खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है जो लगातार एक दूसरे के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये प्रयास करते हैं।' पद्मश्री से नवाजी गई सविता और बिछू देवी खारीबम टीम में दो गोलकीपर होंगी। वहीं डिफेंस में सुशीला चाजू, इशिका चौधरी और ज्योति के साथ एफआईएच नेशंस कप के जरिये सीनियर टीम में पदार्पण करने वाली लालथांटलुआंगी और शिल्पी डबास को मौका दिया गया है।

दीपिका ने की थी नेशंस कप में सर्वाधिक गोल- मिडफील्ड का जिम्मा सलीमा के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिटा टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग पर रहेगी । फॉरवर्ड पंक्ति में लालरेम्सियामी, रूतुजा पिसाल, नवनीत कौर, बलजीत कौर और नेशंस कप में सर्वाधिक छह गोल करने वाली दीपिका हैं। मारिन ने कहा ,'इस समूह ने साबित कर दिया है कि वे फॉर्म में हैं और फिट भी। हमें यकीन है कि यह टीम एशियाई खेलों की चुनौती के लिये तैयार है।'



नेपाल दौरे पर जाएगी इंडिया ए

दिसंबर में खेली जाएगी 3 मैचों की सीरीजः रिपोर्ट

नई दिल्ली। नेपाल क्रिकेट को आगे बढ़ाने में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) बड़ी भूमिका निभा रहा है। इसी की कवायद में दिसंबर में इंडिया ए की टीम नेपाल का दौरा करने वाली है। 3 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। ये मैच 9,11 और 13 दिसंबर को खेले जाएंगे।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार तीन मैचों की सीरीज को दोनों पड़ोसी देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को मजबूत करने और दोनों तरफ के उभरते खिलाड़ियों को मौका देने की लगातार कोशिशों के तहत तय किया गया है। यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है जब इस साल की शुरुआत में नेपाल ने टी20 वर्ल्ड कप में जबरदस्त प्रदर्शन किया है।

3 मैचों की टी20 सीरीज का शेड्यूल

- 9 दिसंबर - पहला
- 11 दिसंबर - दूसरा
- 13 दिसंबर - तीसरा

टी20 वर्ल्ड कप में नेपाल ने किया प्रभावित- टी20 वर्ल्ड कप 2026 में नेपाल की टीम ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाई ,लेकिन मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले मैच में दो बार की चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ उलटफेर करने के करीब थी। इंग्लैंड को केवल 4 रनों से जीत मिली थी। उसने आखिरी लीग मैच में स्कॉटलैंड को हराया। इससे पहले नेपाल एशिया कप में भी खेलता दिखा है।

आठ हजार बच्चियों ने बाल विवाह निषेध की ली शपथ

कहलगांव में शक्ति संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



कहलगांव (भागलपुर)। बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियां हमारी समाज में गहरी जड़ें जमा चुकी हैं। जिससे हर किसी का बचपन नष्ट हो रहा है। इस पर रोकथाम की बहुत जरूरत है। लड़कियां को सशक्त बनाने को लेकर उनके बीच शिक्षा को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है। तभी हम इन बच्चियों के लिए एक सुंदर समाज का निर्माण कर सकते हैं। उक्त बातें शहर स्थित शारदा पाठशाला के प्रशाल में शनिवार को अनुमंडल प्रशासन द्वारा आयोजित बाल विवाह उन्मूलन को लेकर शक्ति संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उप निदेशक, (अन्वेषण) आईआरएस सुलेखा शर्मा ने अपने संबोधन मे कहीं। उन्होंने कहा कि अनुमंडल प्रशासन द्वारा 84 स्कूलों में एक साथ कार्यक्रम का आयोजन कराना प्रशंसनीय कदम है। श्रीमति शर्मा ने उपस्थित छात्रों- छात्राओं से कहा कि सिर्फ़ लड़कियों नहीं बल्कि लड़कों के बाल विवाह पर रोक लगाने की जरूरत है। हमारे देश के कानून के अनुसार, लड़कियों के लिए 18 वर्ष व लड़कों के लिए 21 वर्ष से कम आयु में विवाह नहीं होनी चाहिए। इसके लिए महिलाओं को आगे आकर इसका निषेध करना है। उन्होंने लड़कियों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने पर भी बल दिया। दहेज एक सामाजिक कुप्रथा है। इसको लेकर भी हमें दहेज के लेन-देन पर नियंत्रण करना जरूरी है। इस प्रथा की वजह से आज भी महिलाओं को उत्पीड़न, घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ रहा है। समाज को एकजुट होकर इसका तीव्र विरोध करना चाहिए। कहलगांव एसडीएम कृष्ण चंद्र गुप्ता ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में शक्ति संवाद कार्यक्रम की शुरुआत कर रहे हैं। शक्ति संवाद एक ऐसा कार्यक्रम है जिसके द्वारा एक सुंदर और बेहतर समाज का निर्माण कराना चाहते हैं। ताकि हमारी लड़कियों को एक सुरक्षित वातावरण मिल सके। इन लड़कियों की जगह विवाह मंडप में नहीं बल्कि स्कूलों में है। अब ऐसी कुप्रथा को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए सभी लोगों को आगे आकर इसका निषेध करना चाहिए। मुख्य अतिथि सुलेखा शर्मा, एसडीएम कृष्ण चंद्र गुप्ता व अन्य के द्वारा संयुक्त रुप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन अनुमंडल कार्यपालक दंडाधिकारी रवि कुमार ने किया। और मंच संचालन धनंजय कुमार ने किया।

2,78,565 लोगों को माह जून का किया गया पेंशन भुगतान

लाभार्थियों ने जताया हर्ष

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पूर्णियां। सामाजिक सुरक्षा का पेंशन डीबीटी तहत 2,78,565 पेंशनधारियों को माह जून 2026 का पेंशन भुगतान किया गया। इस कार्यक्रम में अंशुल कुमार जिला पदाधिकारी, अंजनी कुमार उप विकास आयुक्त, अमरेश कुमार सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, लक्ष्मी कुमारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सदर, महिला पर्यवेक्षिका एवं सामाजिक सुरक्षा के पेंशनधारिगण बैठक में उपस्थित रहे। सामाजिक सुरक्षा अंतर्गत संचालित कुल-06 योजनाओं के पेंशनधारियों को डीबीटी लाइव कार्यक्रम के माध्यम से पूर्णिया जिला अंतर्गत भी पेंशन राशि अंतरण किया गया। जिसकी मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना अंतर्गत कुल- 1,37,915 पेंशनधारियों को भुगतान किया गया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना अंतर्गत कुल-67,468 पेंशनधारियों को 1100 रूपये प्रतिमाह की दर से भुगतान किया गया। लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत कुल-26,223 पेंशनधारियों को 1100 रूपये प्रतिमाह की दर से भुगतान किया गया। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना अंतर्गत कुल-19,737 पेंशनधारियों को 1100 रूपये प्रतिमाह की दर से भुगतान किया गया। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजना अंतर्गत कुल-1,141 पेंशनधारियों को 1100 रूपये प्रतिमाह की दर से कुल मो0-25,10,200 पच्चीस लाख दस हजार दो सौ का बकाया सहित भुगतान किया गया। बिहार निःशक्तता पेंशन योजना अंतर्गत कुल-26,081 पेंशनधारियों को 1100 रूपये प्रतिमाह की दर से कुल मो0-2,90,55,700 दो करोड़ नब्बे लाख पचपन हजार सात सौ रूपये का भुगतान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पेंशनधारियों में से सिंहेश्वर प्रसाद सिंह,आनंदी ठाकुर, कविता घोष एवं गायत्री देवी ने मुख्यमंत्री आभार प्रकट किया एवं पेंशन राशि मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए धन्यवाद दिया।

श्रावणी मेला की सुरक्षा पर की गई चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को पुलिस कार्यालय स्थित सभागार में मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में जिले की कानून-व्यवस्था, लंबित कांडों के निष्पादन, तकनीकी अनुसंधान की प्रगति तथा आगामी श्रावणी मेला-2026 के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई बैठक में सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, अंचल पुलिस निरीक्षक तथा थाना एवं ओपी प्रभारियों को श्रावणी मेला के सफल और सुरक्षित संचालन के लिए विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। एसपी ने कांवरिया मार्गों पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था, प्रमुख शिवालयों में प्रभावी भीड़ प्रबंधन, सादे लिबास में पुलिसकर्मियों की तैनाती तथा आवश्यक रूट डायवर्जन की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी लंबित मामलों का निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान कर शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। महिला अपराधों के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए त्वरित कार्रवाई और नियमित समीक्षा करने पर विशेष बल दिया गया बैठक में न्यायालय से प्राप्त वारंट एवं कुर्की के शत-प्रतिशत निष्पादन, लंबित पासपोर्ट एवं चरित्र सत्यापन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश भी दिए गए इसके अलावा जिले में रात्रि गश्ती को और प्रभावी बनाने, पेशेवर अपराधियों, वारंटियों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने तथा अपराध नियंत्रण के लिए लगातार निगरानी रखने को कहा गया पुलिस अधीक्षक ने आम जनता से प्राप्त शिकायतों एवं विभिन्न आयोगों से मिलने वाले मामलों का निष्पक्ष और त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने के साथ-साथ सभी पुलिस अधिकारियों को नागरिकों के साथ शालीन व्यवहार करने तथा 'पब्लिक फ्रेंडली पुलिसिंग' को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया।बैठक के अंत में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि गिरिडीह पुलिस आम नागरिकों की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और न्यायिक प्रक्रिया को सरल, सुगम एवं तेज बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

परिवार नियोजन जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सुपौल। जिले में मिशन परिवार विकास कार्यक्रम के अंतर्गत परिवार नियोजन एवं जनसंख्या स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को सदर अस्पताल परिसर में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. बाबू साहब झा की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों एवं उनके लाभों की जानकारी देने के लिए विशेष जागरूकता स्टॉल लगाए गए, जहां स्वास्थ्य कर्मियों ने आम लोगों को विस्तृत परामर्श दिया। उद्घाटन समारोह में सिविल सर्जन डॉ. बाबू साहब झा के अलावा जिला कार्यक्रम प्रबंधक-सह-जिला योजना समन्वयक बालकृष्ण चौधरी, जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी शशि भूषण प्रसाद, जिला सामुदायिक उत्प्रेरक अभिषेक कुमार, अस्पताल प्रबंधक अभिनव आनंद, सदर अस्पताल की परामर्शी उजाला सिंह तथा पिरामल फाउंडेशन के जिला प्रतिनिधि चंदन कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन डॉ. बाबू साहब झा ने कहा कि स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज की नींव परिवार नियोजन पर आधारित है। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन केवल जनसंख्या नियंत्रण का विषय नहीं, बल्कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की सुरक्षा का एक प्रभावी माध्यम है। यदि दंपति बच्चों के जन्म के बीच उचित अंतर रखें और परिवार नियोजन के सुरक्षित उपाय अपनाएं, तो मां और बच्चे दोनों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है तथा परिवार का आर्थिक और सामाजिक विकास भी संभव हो पाता है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी प्रखंडों में 11 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस दौरान सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। लोगों को आधुनिक परिवार नियोजन साधनों की जानकारी देने के साथ-साथ योग्य लाभार्थियों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम में लगाए गए विशेष स्टॉलों पर परिवार नियोजन के अस्थायी एवं स्थायी उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई।

भू-धसान प्रभावित क्षेत्र का महापौर ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



धनबाद। महापौर संजीव सिंह शनिवार को कतरास क्षेत्र के छाताबाद पहुंचे, जहां उन्होंने हाल ही में हुए भू-धसान से प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें हरसंभव सहायता दिलाने का भरोसा दिया। निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। महापौर संजीव सिंह ने पैदल भ्रमण कर भू-धसान प्रभावित स्थानों का जायजा लिया। उन्होंने क्षतिग्रस्त मकानों और खतरे वाले इलाकों का निरीक्षण किया तथा स्थानीय लोगों से पूरी स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि लगातार हो रहे भू-धसान के कारण उनके घरों में दरारें पड़ रही हैं और कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। उन्होंने शीघ्र पुनर्वास, मुआवजा और सुरक्षा की मांग की। निरीक्षण के बाद महापौर संजीव सिंह ने कहा कि छाताबाद में उत्पन्न स्थिति बेहद गंभीर है और लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बंद खदानों में हो रहे अवैध खनन (इलीगल माइनिंग) और कोयला चोरी के कारण कई स्थानों पर जमीन के भीतर खाली जगह बन रही है, जिससे भू-धसान की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यदि समय रहते इन अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में और भी बड़े हादसे हो सकते हैं। महापौर ने जिला प्रशासन, बीसीसीएल, पुलिस प्रशासन तथा संबंधित विभागों से बंद खदानों में हो रहे अवैध खनन और कोयला चोरी पर तत्काल सख्त कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों की नियमित निगरानी की जाए, दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई हो तथा भू-धसान संभावित क्षेत्रों का वैज्ञानिक सर्वे कर आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाएं। उन्होंने यह भी मांग की कि भू-धसान प्रभावित परिवारों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए, उन्हें समुचित मुआवजा और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा क्षेत्र में स्थायी समाधान के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार और बीसीसीएल संयुक्त रूप से कार्ययोजना बनाएं।

कार्रवाई : गयाजी में छीनी गई छह सोने की चेन बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोढा/कटिहार। कोढ़ा पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए गयाजी जिले में कोढ़ा गैंग द्वारा छीनी गई कुल छह सोने की चेन को बरामद कर लिया है। इस कार्रवाई के बाद सभी बरामद सामान को विधिवत रूप से गया पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार ये सभी घटनाएं गया जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज मामलों से संबंधित हैं। इन सभी मामलों में अज्ञात अपराधियों द्वारा सोने की चेन छीनने की घटनाएं सामने आई थीं। कोढ़ा पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कोढ़ा गैंग के सक्रिय सदस्यों के घरों पर छापेमारी की। इस दौरान सभी छह सोने की चेन बरामद कर ली गईं। पुलिस की इस त्वरित और सटीक कार्रवाई से न केवल अपराधियों के नेटवर्क पर चोट पहुंची है, बल्कि आम लोगों में भी सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। इस महत्वपूर्ण अभियान का नेतृत्व कोढ़ा थाना अध्यक्ष पंकज आनंद ने किया। उनके साथ अपर थानाध्यक्ष कुणाल कुमार, एसआई विवेक विक्रम सहित अन्य पुलिसकर्मी सक्रिय रूप से शामिल रहे। पूरी टीम ने समन्वय और सतर्कता के साथ इस कार्रवाई को सफल बनाया।

विश्व जनसंख्या दिवस पर किया जागरूक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। शनिवार को विश्व जनसंख्या दिवस पर जन शिक्षण संस्थान, हाजीपुर (वैशाली) के तत्वावधान में वैशाली महिला महाविद्यालय के सभागार में जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को जनसंख्या वृद्धि, उसके सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों तथा जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति जागरूक करना था। अध्यक्षता वैशाली महिला महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) सुधीर कुमार सिंह ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने विश्व जनसंख्या दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनसंख्या संतुलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं तथा सतत विकास के लिए जनजागरूकता अत्यंत आवश्यक है। जन शिक्षण संस्थान, हाजीपुर (वैशाली) के निदेशक अजीत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में बढ़ती जनसंख्या के कारण उत्पन्न रोजगार, संसाधनों पर बढ़ते दबाव एवं सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि कौशल विकास एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देकर जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न चुनौतियों का प्रभावी समाधान किया जा सकता है तथा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. रविशंकर सिंह, हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. अनीशा, कंचन कुमारी, गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. शिंगला प्रभा, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. आलिया खान, डॉ. अनुप्रिया सहित जन शिक्षण संस्थान के अधिकारी, कर्मचारी एवं महाविद्यालय के शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। संगोष्ठी के माध्यम से प्रतिभागियों को जनसंख्या नियंत्रण, परिवार कल्याण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं कौशल विकास के महत्व से अवगत कराया गया।

अवैध होर्डिंग्स को 72 घंटे में हटाने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। नगर निगम क्षेत्र में बिना अनुमति लगाए गए अवैध होर्डिंग्स, यूनिपोल एवं अन्य विज्ञापन संरचनाओं के खिलाफ नगर निगम ने सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। 8 जुलाई को हुई नगर निगम बोर्ड बैठक में इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा के बाद महापौर अरविंद कुमार राणा के निर्देश पर संबंधित व्यक्ति, फर्म और विज्ञापन एजेंसियों को 72 घंटे के भीतर सभी अनधिकृत संरचनाएं हटाने का अल्टीमेटम जारी किया गया है। नगर निगम के अनुसार पीटीसी चौक, भारत माता चौक, इमली कोठी, शिमरा रेस्ट हाउस के सामने, झील क्षेत्र सहित शहर के कई प्रमुख स्थानों पर बिना सक्षम प्राधिकार की अनुमति एवं निगम में पंजीकरण के बड़े पैमाने पर होर्डिंग्स और यूनिपोल लगाए गए हैं। इनमें कई संरचनाएं कथित रूप से रात के अंधेरे में स्थापित की गई हैं, जिससे नगर निगम को राजस्व का नुकसान हो रहा है। हजारीबाग महापौर अरविंद कुमार राणा ने कहा कि अवैध और असुरक्षित होर्डिंग्स आम लोगों की जान-माल के लिए खतरा बन चुके हैं। हाल ही में एक व्यक्ति के ऐसे ही एक होर्डिंग की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल होने की घटना सामने आई है। ऐसे में समय रहते कार्रवाई आवश्यक है, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित व्यक्ति, फर्म एवं विज्ञापन एजेंसियां 72 घंटे के भीतर अपने-अपने अवैध होर्डिंग्स, यूनिपोल और अन्य विज्ञापन संरचनाओं को स्वयं हटाकर नगर निगम को अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं। निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं होने या संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नगर निगम अपने संसाधनों से सभी अवैध संरचनाओं को हटाकर जब्त करेगा।

राज्य के प्रत्येक मतदान केंद्र पर 14 को बीएलओ-बीएलए की बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने कहा है कि राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर आगामी 14 जुलाई 2026 को बीएलओ बीएलए 2 की द्वितीय संयुक्त बैठक एवं चुनाव पाठशाला का विशेष आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2026 की यह पूरी कवायद एक सहभागी प्रक्रिया है, जिसे शत-प्रतिशत त्रुटिहीन और सफल बनाने के लिए राज्य के प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक, मतदाता और सभी संबंधित स्टेकहोल्डर्स से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा है। श्री के रवि कुमार ने कहा कि इस विशेष अभियान के तहत 14 जुलाई 2026 को दिन के 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं बीएलए 2 की बैठकों का संचालन किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि इस चुनाव पाठशाला में बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा अनिवार्य रूप से प्रारूप एएसडीडी सूची को सार्वजनिक रूप से पढ़कर सुनाया जाए, ताकि इस सूची को सत्यापित किया जा सके। इसके साथ ही, बैठक के दौरान अनमैप्ड मतदाताओं के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि चक्रधरपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 195 एवं 196 तोरपा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 87, बड़कागाँव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 44 एवं सिमडेगा विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 218 के बीएलओ ने अपने मतदान केंद्र क्षेत्र के सभी मतदाताओं का इन्यूमरेशन फॉर्म भरवाकर इसका 100% डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके लिए यहां के बीएलओ के साथऽसाथ मतदाताओं, बीएलए 2 एवं निर्वाचन से संबंधित सभी स्टेकहोल्डर को हार्दिक बधाई। उन्होंने राज्य के अन्य सभी मतदान केंद्र के बीएलओ एवं प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिकों से अपेक्षा की है कि वे भी इसी प्रकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें एवं ससमय अपने इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर एवं हस्ताक्षर कर अपने बीएलओ को यथाशीघ्र लौटाएं जिससे ससमय सभी इन्यूमरेशन फॉर्म का डिजिटाइजेशन प्रक्रिया पूरी की जा सके। उन्होंने बताया कि अबतक राज्य में बीएलओ द्वारा 83.40% मतदाताओं तक इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए है जिसमें आज के रिपोर्ट जारी करने तक 5336 ऐसे मतदान केंद्र है जहां 100% मतदाताओं को उनके बीएलओ द्वारा इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए है।

एक नजर

घुटना प्रतिरोपण के बाद सांसद से मिले सीएम हेमंत सोरेन

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद के घुटने का प्रतिरोपण गत 7 जुलाई को सफलतापूर्वक किया गया था। सफल सर्जरी के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। फिलहाल वह नई दिल्ली स्थित अपने सरकारी आवास पर चिकित्सकों की निगरानी में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।सर्जरी के बाद से ही विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों एवं समर्थकों का उनसे मिलने-जुलने का सिलसिला लगातार जारी है। बड़ी संख्या में लोग फोन के माध्यम से भी उनका हालचाल जानकर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं इसी क्रम में शनिवार दोपहर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नई दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पहुंचकर डॉ. सरफराज अहमद से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा मरंग बुरू से उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों द्वारा दी जा रही देखभाल और उपचार की भी जानकारी प्राप्त की।मुलाकात के बाद डॉ. सरफराज अहमद ने बताया कि चिकित्सकों ने उन्हें फिलहाल लगभग एक माह तक पूर्ण विश्राम करने की सलाह दी है। इस दौरान समय-समय पर आवश्यक चिकित्सकीय जांच एवं फॉलो-अप किए जाएंगे।

जिलाध्यक्ष ने पूर्व सीएम से की मुलाकात

भागलपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पटना में आज जनता दल (यूनाइटेड) के भागलपुर जिलाध्यक्ष विवेकानंद गुप्ता ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सह जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की तथा भागलपुर की प्रसिद्ध लोक कला मंजूषा पेंटिंग भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद में सत्तारुढ़ पार्टी के उप नेता सह जदयू के प्रदेश कोषाध्यक्ष ललन सर्राफ उपस्थित थे। इस दौरान संगठनात्मक गतिविधियों, भागलपुर जिले के विकास तथा जनसरोकार से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष विवेकानंद गुप्ता ने कहा कि उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नीतीश कुमार का मार्गदर्शन एवं संगठनात्मक दिशा-निर्देश प्राप्त हुआ, जो संगठन को और अधिक सशक्त एवं जनहित के कार्यों को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। इस दौरान जनता दल (यूनाइटेड) के जिला प्रवक्ता शैलेन्द्र तोमर भी मौजूद थे।

जनता दरबार का आयोजन

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अंचल कार्यालय मनसाही के सभागार में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस मौके पर अंचलाधिकारी मो. इस्माइल ने बताया कि कुल छह आवेदन आए जिसमें चार मामले का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। दो मामले लंबित रहे। इस अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के फरियादी मौजूद थे।

विभिन्न मामलों में तीन गिरफ्तार

मनिहारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पुलिस नशे के सौदागरों के विरूद्ध लगातार सतर्क है। इसी कडी में मनिहारी थाना क्षेत्र के दोगच्छी केवाला से सुनील कुमार (35) रविदास को शराब के नशे में हो हंगामा करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संदर्भ मे मनिहारी थानाकांड संख्या 280/26 दिनांक 10.07.2026 दर्ज कर पुलिस अग्रतर कार्रवाई मे जुट गयी है। दूसरी ओर नारायणपुर फोरलेन ओवरब्रीज के पास वाहन जांच के दौरान शराब के नशे में एक मोटर साइकिल पर सवार होकर कटिहार की ओर से मनिहारी की ओर आ रहे दो व्यक्तियों को मनिहारी पुलिस ने पकड़ा। जांच पड़ताल के दौरान बाईक चोरी की होने का मामला प्रकाश मे आया। पुलिस ने दोनों युवक को गिरफ्तार कर लिया। इनकी पहचान हसनगंज निवासी स्वर्गीय राजकिशोर यादव के बीस वर्षीय पुत्र गोलू कुमार यादव एवं दूसरे की पहचान अमदाबाद थाना क्षेत्र के चौकचामा गांव निवासी गोपाल यादव के पुत्र कमलेश यादव (32) के रुप मे हुई है।

प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन का आयोजन

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के मरंगी पंचायत के ठाकुर राधा सुरेश मंडल प्राथमिक विद्यालय चकमन में प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन 2026 - 27 का आयोजन किया गया हैं। सात जुलाई से शुरू हुए मूल्यांकन 13 जुलाई को समाप्त होगा। इसकी जानकारी देते हुए प्रधान शिक्षक अभय कुमार ने बताया कि प्रथम त्रैमासिक मूल्यांकन का आयोजन किया गया हैं। शनिवार को प्रथम पाली में वर्ग 3,4,5 के छात्र-छात्राओं ने सामाजिक विज्ञान का मूल्यांकन में भाग लिया। वहीं द्वितीय पाली में वर्ग एक एवं दो के छात्र -छात्राओं का गणित का मौखिक मूल्यांकन हुआ। विद्यालय में कुल 105 छात्र - छात्राओं का नामांकन हैं, जिसमें 48 छात्र 57 छात्राएं मौखिक मूल्यांकन में भाग लिए हैं। उन्होंने कहा की त्रैमासिक मूल्यांकन में वर्ग एक एवं दो में शिक्षक प्रभात कुमार मंडल, पूर्णिमा जायसवाल,वर्ग तीन में प्रीतम कुमार पोद्दार, वर्ग 4 में मो. नजरुल हक,वर्ग पांच में मो. मुगले आजम को लगाया गया हैं, जो कदाचार मुक्त माहौल में मूल्यांकन कर रहे हैं। इस अवसर पर शिक्षा सेवक पवन कुमार रजक आदि उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तहत सखी वार्ता कार्यक्रम आयोजित

कोढ़ा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से डीएचईडब्ल्यू एवं डब्ल्यूसीडीसी कटिहार की ओर से मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत कोढ़ा स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में 'सखी वार्ता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ऊषा किरण ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले से पहुंचे लैंगिक विशेषज्ञ राजेश कुमार महतो एवं वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ निधि कुमारी ने आंगनबाड़ी सेविकाओं को केंद्र एवं राज्य सरकार की महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के उद्देश्यों, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। लैंगिक विशेषज्ञ राजेश कुमार महतो ने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं तथा कानूनी संरक्षण की जानकारी देना मिशन शक्ति अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। वहीं वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ निधि कुमारी ने महिलाओं को बैंकिंग सेवाओं, बचत, डिजिटल भुगतान और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए जागरूक किया। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ऊषा किरण ने सेविकाओं से अपील की कि वे अपने-अपने पोषक क्षेत्रों में अधिक से अधिक पात्र महिलाओं तक इन योजनाओं की जानकारी पहुंचाएं, ताकि कोई भी लाभार्थी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी सेविकाएं सरकार और समाज के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं तथा महिलाओं के सशक्तीकरण में उनकी भूमिका अत्यंत अहम है।

धारकों को सौंपा गया मोबाइल

हाजीपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। ऑपरेशन मुस्कान के तहत वैशाली पुलिस ने शुक्रवार को 140 लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाते हुए उनके गुम, चोरी और गिरे हुए मोबाइल उनके हवाले कर दिया. लगभग 40 लाख रुपये मूल्य के मोबाइल इनके वास्तविक धारकों को सौंप दिया गया। वैशाली पुलिस ने अब तक ऑपरेशन मुस्कान के तहत 1081 मोबाइल को उनके वास्तविक धारकों को सौंपा है। इस संबंध में एसपी शुभाक मिश्रा ने शनिवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान ऑपरेशन मुस्कान के संबंध में जानकारी दी. उन्होंने बताया कि थाने में मोबाइल गुम या चोरी की प्राथमिक दर्ज होने के मोबाइल बरामदगी के लिए मोबाइल सर्विलांस व अन्य तकनीक के आधार पर 140 मोबाइल बरामद हुए थे, जिन्हें वास्तविक धारकों को सौंपा गया. वैशाली पुलिस द्वारा चलाए जा रहा ऑपरेशन मुस्कान के तहत अब तक कुल 1081 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक धारकों को सौंपा जा चुका है।

डीएसपी ने किया साइबर थाना निरीक्षण

लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) ने शनिवार को बोकारो साइबर थाना का निरीक्षण कर लंबित साइबर अपराध मामलों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान दर्ज कांडों, ऑनलाइन शिकायतों, फ्रीज किए गए बैंक खातों तथा पीड़ितों को राशि वापस करने से जुड़े मामलों की प्रगति का जायजा लिया गया। उन्होंने सभी मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

डीएसपी ने कहा कि बैंक खातों को होल्ड किए जाने से संबंधित शिकायतों की जांच 14 दिनों के भीतर पूरी कर आवश्यक निर्णय लिया जाए। साथ ही सभी ऑनलाइन शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उनका समयबद्ध निष्पादन किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि थाना स्तर पर दो लाख रुपये से कम राशि वाले साइबर ठगी के मामलों में साइबर थाना की विशेषज्ञ टीम संबंधित थानों को आवश्यक तकनीकी जानकारी और सहयोग उपलब्ध कराए, ताकि मामलों का शीघ्र निष्पादन हो सके। डॉयल 1930 पर प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करने तथा अनुसंधान के लिए समन्वय पोर्टल का प्रभावी उपयोग करने पर भी बल दिया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिबिंब ऐप के माध्यम से साइबर अपराधियों के विरुद्ध लगातार छापेमारी कर गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा फ्रीज की गई राशि का सत्यापन कर पीड़ितों को जल्द से जल्द वापस करने का निर्देश दिया



गया। डीएसपी ने सभी पुलिस पदाधिकारियों को टीम भावना के साथ कार्य करने और अनुसंधान में आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग करने की सलाह दी।उन्होंने साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए डॉयल 1930 हेल्पलाइन का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और आम लोगों के बीच साइबर जागरूकता अभियान को और तेज करने का निर्देश दिया, ताकि लोग समय रहते शिकायत दर्ज करा सकें।

अग्निवीर वायु की भर्ती के लिए आवेदन शुरू

बोकारो। इंडियन एयरफोर्स में करियर बनाने का सपना देख रहे बोकारो जिले के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है। इंडियन एयरफोर्स ने अग्निवीर वायु भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 26 जुलाई, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन के लिए अभ्यर्थी का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से गणित, भौतिकी एवं अंग्रेजी विषयों के साथ न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों से 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, कंप्यूटर साइंस, इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्नोलॉजी आदि विषयों में इंजीनियरिंग डिप्लोमा अथवा संबंधित विषय में दो वर्षीय वोकेशनल कोर्स न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी आवेदन के पात्र हैं।

भर्ती के लिए अभ्यर्थी की आयु 17.5 वर्ष से 21 वर्ष के बीच होनी चाहिए। अभ्यर्थी का जन्म 1 जुलाई, 2005 से पहले एवं 2 जनवरी, 2010 के बाद नहीं होना चाहिए।

बीजीएच में विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के स्त्री तथा प्रसूति रोग विभाग में परिवार नियोजन विभाग की ओर से विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष के कार्यक्रम का मुख्य विषय (थीम) ₹युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को साकार करना - आज और भविष्य के लिए₹ निर्धारित किया गया है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सही मार्गदर्शन प्रदान करना और जनसंख्या संतुलन एवं परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन अस्पताल प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारियों एवं चिकित्सकों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विश्व जनसंख्या दिवस के महत्व, जनसंख्या संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता तथा स्वस्थ एवं आधुनिक परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही युवाओं को जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक बनने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को परिवार नियोजन के आधुनिक उपायों, मातृ एवं



शिशु स्वास्थ्य तथा जनसंख्या नियंत्रण से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंत में बीजीएच के नर्सिंग स्कूल की छात्राओं द्वारा तैयार किए गए पोस्टर एवं मॉडल प्रदर्शित किए गए, जिनके माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण, परिवार नियोजन तथा स्वस्थ समाज के निर्माण का प्रभावी संदेश दिया गया।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर बीजीएच में प्रतिवर्ष एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को जनसंख्या संतुलन, परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और जिम्मेदार नागरिकता के प्रति जागरूक करना है, और साथ ही उन्हें एक स्वस्थ और समृद्ध समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना है।

किड्स आइलैंड पब्लिक स्कूल में मनाया गया वन महोत्सव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता



बोकारो। तुपकाडीह स्थित किड्स आइलैंड पब्लिक स्कूल में वन महोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पौधरोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति की रक्षा का संकल्प लिया। बच्चों को पेड़ों के महत्व, स्वच्छ पर्यावरण और हरित जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया।

विद्यालय के निदेशक एवं प्राचार्य डॉ. सर्वेश कुमार दुबे ने कहा कि प्रकृति की रक्षा और उसका संवर्धन हम सभी की पहली जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या और लगातार घटते हरित क्षेत्र चिंता का विषय हैं। ऐसे समय में प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए।

उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण का संदेश अपने परिवार और समाज तक पहुंचाने की अपील की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में उप प्राचार्या प्रतिभा दुबे, गतिविधि प्रभारी हिमांशु कुमार एवं लक्ष्मी, एकेडमिक कॉर्डिनेटर सुबोध कुमार, किशोर मरांडी सहित विद्यालय के सभी शिक्षकों सोनू पाल, शांति कुमारी, राज कुमार, प्रदीप दुबे, करण कुमार, ओम प्रकाश अवस्थी, सानिया, पूजा, कविता, निशि, कंचन, ललिता, खुशी तथा अन्य शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

बीएकेएस की विभागीय बैठक में कर्मियों की ज्वलंत समस्याओं पर विचार विमर्श

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ की बैठक आरएमएचपी विभाग की कैंटीन में संपन्न हुई। जिसमें विभाग के नियमित कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित हुए।

बैठक में उपस्थित कर्मचारियों ने 2027 वेज रिवीजन, नई श्रम संहिता के अनुसार संयंत्र स्तर में कार्यसमिति निर्माण, 2017 से लंबित वेज रिवीजन, एरियर, बोनस फॉमुर्ला में सुधार, इंसेंटीव फॉमुर्ला में सुधार , नए श्रम कानून को लागू करने से जुड़े मुद्दे पर चर्चा की। यूनियन पदाधिकारियों से उपरोक्त विषयों पर कर्मचारियों से जानकारी प्राप्त की। वही आरएमएचपी विभाग की ज्वलंत स्थानीय समस्याओं को विभाग के कर्मियों ने उठाया। विभाग की ज्वलंत समस्याओं में जर्जर सड़क, ड्रेनेज समस्याँ, सुरक्षा उपकरणो की उपलब्धता, झाड़ियों की साफ सफाई, विभाग में खराब वाटर प्युरीफायर का अनुरक्षण तथा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता , कैंटीन शौचालय का जर्जर होना, वाकवे का जर्जर होना, सिंटर प्लांट की धूल की समस्या, इलेक्ट्रिकल सेक्शन के शौचालय की समस्या, अटेंडेंस सिस्टम में तीन बार से अधिक सुधार की मांग, सीलिंग फैन



उपलब्ध नही होना, कम होता नियमित मैनपावर, टिपलर क्षेत्र रेस्ट रुम का अभाव, सेफ्टी शूज छह माह में बाटा, लिबर्टी /वुडलैंड का उपलब्ध कराने, रेनकोट प्रत्येक वर्ष उपलब्ध कराने, अग्नीरोधी ड्रेस उपलब्ध कराने , समान्य गलतियों पर भी कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस देने जैसे मुद्दे पर यूनियन पदाधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने यूनियन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर तानाशाह प्रबंधन के विरुद्ध संघर्ष में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

बैठक को अध्यक्ष दिलीप कुमार, उपाध्यक्ष मानिक राम मुंडा , महासचिव हरिओम , कोषाध्यक्ष राहुल प्रसाद साव , विभागिय प्रतिनिधि सागर कुमार सिंह ने भी संबोधित किया।

मेडिक्लेम योजना के नवीनीकरण की प्रक्रिया आरंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा वर्तमान मेडिक्लेम योजना का नवीनीकरण आगामी अवधि, अर्थात 11 जुलाई से 10 जुलाई 2027 तक के लिए प्रारंभ कर दिया गया है। बीमा प्रदाता के रूप में मेसर्स न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड तथा थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर के रूप में मेसर्स एमडी इंडिया हेल्थ इंश्योरेंस टीपीए लिमिटेड का चयन किया गया है।योजना के अंतर्गत वार्षिक प्रीमियम आयु के अनुसार निर्धारित किया गया है। 70 वर्ष से कम आयु के सदस्य के लिए यह 9,609 है, वहीं 70 से 80 वर्ष के बीच आयु वाले सदस्य के लिए 6,428 निर्धारित किया गया है। 80 वर्ष से अधिक आयु के सदस्य के लिए यह राशि 100 रखी गई है।

सदस्य योजना का नवीनीकरण पोर्टल पर जाकर कर सकते हैं। लॉगिन हेतु सदस्य अपने एम आई एन को यूजर आईडी तथा सेवा रिकॉर्ड के अनुसार जन्मतिथि या पूर्व में आपके द्वारा डाला गया पासवर्ड का उपयोग करें. वे सदस्य जो पूर्व में योजना में शामिल नहीं हुए हैं या समय पर नवीनीकरण नहीं कर सके हैं, वे ₹गैप केस₹ श्रेणी के अंतर्गत आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें सहयोग पोर्टल पर जाकर ₹मेडिक्लेम फॉर्म₹ भरना होगा। इस श्रेणी में सदस्यता लेने के लिए इच्छुक सदस्य, अपनी आयु के अनुसार प्रीमियम राशि का ऑनलाइन भुगतान करके सदस्यता ग्रहण कर सकते है।

मेडिक्लेम योजना के नवीनीकरण और गैप केस आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी सेल की वेबसाइट तथा सहयोग पोर्टल पर उपलब्ध है। किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए 06542-240273 पर संपर्क किया जा सकता है। यदि नवीनीकरण के दौरान कोई जानकारी अधूरी या त्रुटिपूर्ण प्रदान की जाती है।

'एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर' पुरस्कार से सम्मानित हुए बीएसएल के उत्कृष्ट अधिकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता



बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से 'एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड स्कीम' के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएल के निदेशक प्रभारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में संयंत्र के अधिशासी निदेशक, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक तथा अन्य वरीय अधिकारी भी सम्मिलित हुए।

समारोह के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र एवं माइंस के कुल नौ अधिकारियों को उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु सम्मानित किया गया. पुरस्कृत होने वाले अधिकारियों में उप महाप्रबंधक (एसएमएस2 एंड सीसीएस) सोवन गोस्वामी, उप महाप्रबंधक (बीएनपीटी) श्याम उज्जवल मेडडा, सहायक महाप्रबंधक (एचएसएम) राकेश कुमार भारद्वाज, सहायक महाप्रबंधक (सिंटर प्लांट) अनमोल कुमार, वरीय प्रबन्धक (सीएमएम) अमित कुमार, वरीय प्रबंधक (एचआरसीएफ) विजय कुमार, उप प्रबंधक (मानव संसाधन) एस.के. पात्रा, उप- प्रबंधक (ईएमडी) शुभम कौशिक और सहायक प्रबंधक (टेक्निकल सेल) केतन अरोड़ा शामिल हैं।

निदेशक प्रभारी ने सभी पुरस्कृत अधिकारियों एवं उनके परिजनों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी और उनके द्वारा प्रदर्शित कार्य-कुशलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता का प्रतीक है, बल्कि यह संगठन की सामूहिक प्रगति और कार्य-संस्कृति को बेहतर बनाने के लिए एक सशक्त प्रेरणा स्रोत भी है। विदित हो कि 'एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड' का मुख्य उद्देश्य उत्पादन, उत्पादकता में वृद्धि, लागत नियंत्रण तथा नवाचार के क्षेत्रों में असाधारण योगदान देने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित करना है। सभी पुरस्कृत अधिकारियों ने भविष्य में भी अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में इसी ऊर्जा और उत्कृष्टता के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

केंद्रों में पोषण वाटिका के विकास के लिए प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को ताजी, सुरक्षित एवं पोषणयुक्त हॉट कुक्ड मील उपलब्ध कराने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में स्थानीय स्तर पर हरी सब्जियों एवं फल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिले के सभी केंद्रों में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

उपायुक्त ने कहा कि पोषण वाटिका के बेहतर विकास, नवाचार तथा जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए जिला स्तर पर पोषण वाटिका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। प्रतियोगिता के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में विकसित पोषण वाटिकाओं का निर्धारित मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आंगनबाड़ी केंद्रों को पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। जिसमें प्रथम पुरस्कार 10,000, द्वितीय पुरस्कार 8,000 तथा तृतीय पुरस्कार 6,000 निर्धारित किया है।

बताया कि संबंधित आंगनबाड़ी केंद्र द्वारा प्राप्त पुरस्कार राशि का उपयोग अपने पोषण वाटिका को और अधिक सुदृढ़ एवं विकसित करने में किया जाएगा। जिससे बच्चों को नियमित रूप से ताजी एवं पोषणयुक्त हरी सब्जियाँ उपलब्ध कराई जा सकें और उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार सुनिश्चित हो।

जिला प्रशासन ने सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं, महिला पर्यवेक्षिकाओं एवं स्थानीय समुदाय से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया है, ताकि प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में एक समृद्ध एवं आदर्श पोषण वाटिका विकसित हो सके और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पोषण उपलब्ध कराया जा सके।

झरिया, टुंडी व पूर्वी टुंडी की छात्राओं के लिए विशेष मेडिकल कैंप का होगा आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, झरिया, के सभी छात्राओं के लिए 13 जुलाई से 15 जुलाई तक विशेष मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया जाएगा। साथ में टुंडी एवं पूर्वी टुंडी के आवासीय विद्यालयों के सभी छात्राओं के लिए 13 जुलाई से 17 जुलाई तक विशेष मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया जाएगा।

13 जुलाई को टुंडी के एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल, 14 जुलाई को मॉडल स्कूल लोधरिया, 15 जुलाई को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टुंडी एवं 17 जुलाई को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पूर्वी टुंडी के सभी छात्राओं के लिए मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया जाएगा।

उपायुक्त ने मेडिकल कैंप के सफल क्रियान्वन के लिए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झरिया सह जोरापोखर तथा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टुंडी को सभी आवश्यक दवा एवं उपकरण मेडिकल टीम को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

उपायुक्त ने बताया कि 13 जुलाई को सभी प्रखंडों में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत स्क्रीनिंग के दौरान विभिन्न बीमारियों से चिन्हित लगभग 3000 बच्चों के लिए फर्स्ट लाइन ट्रीटमेंट का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बच्चों में दंत रोग, हृदय रोग, त्वचा रोग, सुनने संबंधी समस्याएं, क्लब फुट, कटे होंठ सहित



अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान कर उपचार किया जाएगा। जिन बच्चों को विशेषज्ञ चिकित्सा अथवा उन्नत उपचार की आवश्यकता होगी, उन्हें जिला स्तरीय अस्पताल में रेफर कर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

वहीं शुक्रवार को सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत आयोजित कैंप में 375 बच्चों का सफलतापूर्वक इलाज किया गया।

वहीं सिविल सर्जन ने सभी राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के चिकित्सकों को शिक्षा विभाग से समन्वय स्थापित कर सूचीबद्ध बच्चों की शिविर में उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन से भी बच्चों को समय पर अस्पताल एवं शिविर तक पहुंचाने में सहयोग करने को कहा है, ताकि प्रत्येक चिन्हित बच्चे को समय पर उपचार मिल सके।

लीलावती देवी एवं प्रतिभा देवी सर्वश्रेष्ठ बीएलओ घोषित



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। एसआईआर-2026 अभियान के तहत शुक्रवार को उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो बीएलओ को सर्वश्रेष्ठ के रूप में चिन्हित किया गया है। चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-89 की बीएलओ लीलावती देवी ने एक ही दिन में 1,151 गणना प्रपत्रों का वितरण कर सर्वाधिक प्रपत्र वितरित करने का उल्लेखनीय कार्य किया। उनके सुपरवाइजर सुनील कुमार हैं।

वहीं, गोमिया विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-311 की बीएलओ प्रतिभा देवी ने एक ही दिन में 300 गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कर सर्वाधिक डिजिटाइजेशन का रिकॉर्ड बनाया। उनके कार्य में सुपरवाइजर फतिक चंद्र महतो ने सक्रिय सहयोग किया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने दोनों बीएलओ एवं उनके सुपरवाइजर की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे समर्पित एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों से अन्य बीएलओ भी प्रेरणा लें तथा एसआईआर-2026 अभियान के तहत गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

भू-धंसान प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे महापौर संजीव सिंह

अवैध खनन और कोयला चोरी पर सख्त कार्रवाई की उठाई मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। महापौर संजीव सिंह शनिवार को कतरास क्षेत्र के छाताबाद पहुंचे, जहां उन्होंने हाल ही में हुए भू-धसान से प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें हरसंभव सहायता दिलाने का भरोसा दिया। निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

महापौर संजीव सिंह ने पैदल भ्रमण कर भू-धसान प्रभावित स्थानों का जायजा लिया। उन्होंने क्षतिग्रस्त मकानों और खतरे वाले इलाकों का निरीक्षण किया तथा स्थानीय लोगों से पूरी स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि लगातार हो रहे भू-धसान के कारण उनके घरों में दरारें पड़ रही हैं और कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। उन्होंने शीघ्र पुनर्वास, मुआवजा और सुरक्षा की मांग की।

निरीक्षण के बाद महापौर संजीव सिंह ने कहा कि छाताबाद में उत्पन्न स्थिति बेहद गंभीर है और लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बंद खदानों में हो रहे अवैध खनन (इलीगल माइनिंग) और कोयला चोरी के कारण कई स्थानों पर जमीन के भीतर खाली जगह बन रही है, जिससे भू-धसान की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यदि समय रहते इन अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में और भी बड़े हादसे हो सकते हैं।

महापौर ने जिला प्रशासन, बीसीसीएल, पुलिस प्रशासन तथा संबंधित विभागों से बंद खदानों में हो रहे अवैध खनन और कोयला चोरी पर तत्काल सख्त कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों की नियमित निगरानी की जाए, दोषियों की पहचान कर उनके



खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई हो तथा भू-धसान संभावित क्षेत्रों का वैज्ञानिक सर्वे कर आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाएं। उन्होंने यह भी मांग की कि भू-धसान प्रभावित परिवारों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए, उन्हें समुचित मुआवजा और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा क्षेत्र में स्थायी समाधान के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार और बीसीसीएल संयुक्त रूप से कार्ययोजना बनाएं। महापौर ने कहा कि छाताबाद के लोगों को भय के साये में जीने के लिए मजबूर नहीं छोड़ा जा सकता। वे इस गंभीर मामले को जिला प्रशासन, राज्य सरकार, केंद्र सरकार तथा संबंधित मंत्रालयों के समक्ष मजबूती से उठाएंगे और प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने तथा अवैध खनन व कोयला चोरी पर पूर्ण रोक लगाने के लिए हर स्तर पर निरंतर प्रयास करेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल
फोन नंबर: 9431145865, 8210783623,
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655,
Email : bokaronbt@gmail.com